नवबिहार टाइम्स

निष्पक्ष एवं निर्भीक हिन्दी दैनिक

• 19 मई 2025 सोमवार • बोकारो संस्करण • वर्ष : 09 • अंक : 2 • पृष्ठ : 12 • मूल्य : 3.00 रु. • RNI No. : JHAHIN2017/72655 • बोकारो व औरंगाबाद से प्रकाशित

देश और दुनिया के इतिहास में आज की प्रमुख घटनाएं

1971 : रूस ने मार्स-2 कार्यक्रम की शुरूआत की।

1976 : ऑस्ट्रेलिया ने सोने के स्वामित्व को कानूनी मान्यता दी।

1930 : श्वेत महिलाओं को दक्षिण अफ्रीका में वोट देने का अधिकार प्राप्त हुआ।

1939 : रूस और ब्रिटेन ने नाजी विरोधी समझौते पर हस्ताक्षर किए।

1999 : भारतीय मूल के महेन्द्र चौधरी फिजी के प्रधानमंत्री नियुक्त हुए।

1999 : मैक्सिको में 'बाल्कान डिफ्यूजो' नामक ज्वालामुखी सक्रिय।

2029 तक देश की हर पंचायत में होगी पैक्स की स्थापना : अमित शाह

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

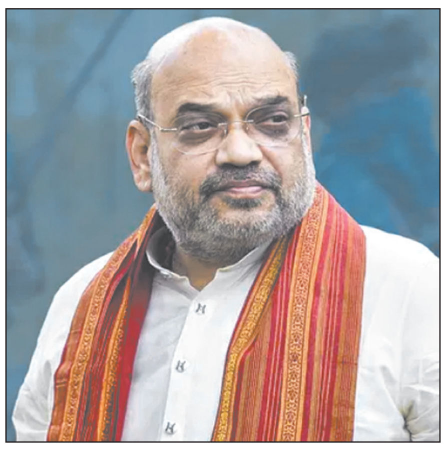

नयी दिल्ली। केंद्रीय सहकारिता मंत्री अमित शाह ने प्राथमिक कृषि ऋण समितियों को वित्तीय रूप से मजबूत बनाने पर जोर दिया है। उन्होंने रविवार को अहमदाबाद में अंतरराष्ट्रीय सहकारिता वर्ष के अवसर पर आयोजित 'सहकारी महासम्मेलन' में कहा कि केंद्र सरकार ने प्राथमिक कृषि ऋण समितियों (पैक्स) को वित्तीय रूप से मजबूत बनाने के लिए कई अहम कदम उठाये हैं। साथ ही उन्होंने कहा कि जल्द ही नए पैक्स के पंजीकरण के लिए नीति लाएगी। केंद्रीय सहकारिता मंत्री ने कहा कि नरेंद्र मोदी सरकार का लक्ष्य 2029 तक देश की हर पंचायत में पैक्स की स्थापना का है। इसके तहत दो लाख नई पैक्स और डेयरी शुरू की जाएंगी। साथ ही इन समितियों को 22 विभिन्न प्रकार के व्यवसायों से जोड़ा जा रहा है। इसके अलावा, यह बात भी सुनिश्चित की जाएगी कि पंजीकृत पैक्स वित्तीय रूप से कमजोर न हों। उन्होंने कहा कि सरकार जल्द ही आर्थिक संकट का सामना कर रही पैक्स के निपटारे और नई प्राथमिक कृषि ऋण समितियों के पंजीकरण के लिए जल्द ही एक नीति बनाएगी। सहकारिता मंत्री ने कहा कि जब तक बदलाव का लाभ पैक्स और किसानों तक नहीं पहुंचेंगे, तब तक सहकारिता क्षेत्र मजबूत नहीं हो सकता। श्री शाह ने अंतरराष्ट्रीय सहकारिता वर्ष के अवसर पर यहां 'विकसित भारत के निर्माण में सहकारिता की भूमिका' पर आयोजित सहकारी महासम्मेलन में कहा कि संयुक्त राष्ट्र ने 2025 को अंतरराष्ट्रीय सहकारिता वर्ष के तौर पर मनाने का निर्णय लिया है। सहकारिता शब्द पूरे विश्व में आज भी उतना ही प्रासंगिक है, जितना वर्ष 1900 में था। श्री शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत में 2021 से सहकारिता आंदोलन को पुनर्जीवित करने का एक बहुत बड़ा प्रयास हुआ। इसीलिए सहकारिता वर्ष की शुरुआत भारत में करने का निर्णय लिया गया। केंद्र सरकार ने 22 विभिन्न प्रकार के व्यवसायों को पैक्स से जोड़ने का काम किया गया है। मुझे यकीन है कि आने वाले समय में एक भी पंजीकृत पैक्स वित्तीय रूप से बीमार नहीं होगा। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि डेयरी क्षेत्र में आइसक्रीम, चीज, पनीर बनाने, दूध को ठंडा रखने और वसा मापने जैसे उपकरणों के निर्माण के लिए सहकारी स्वामित्व वाली कंपनियों को बढ़ावा दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार डेयरी क्षेत्र में चक्रिय अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने की योजना बना रही है, जिसमें मरने वाले पशुओं की खाल, हड्डियों और सींगों के उपयोग के लिए सहकारी समिति का गठन किया जाएगा।

हैदराबाद में आग लगने से 17 की मौत

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

हैदराबाद। हैदराबाद में चारमीनार के पास गुलजार हाउस में रविवार सुबह एक इमारत में आग लग गई। हादसे में अब तक 17 लोगों की मौत हो चुकी है, जिनमें 8 बच्चे भी शामिल हैं। घटना के समय इमारत में 30 से ज्यादा लोग मौजूद थे। इनमें से 15 से ज्यादा लोगों को रेस्क्यू किया गया। फायर ब्रिगेड की 11 गाड़ियां मौके पर पहुंची थीं। आग बुझाने के लिए दमकलकर्मियों को 2 घंटे मशक्कत करनी पड़ी। आग लगने की वजह शॉर्ट सर्किट बताई जा रही है। वहीं, हादसे में संपत्ति के नुकसान का अंदाजा भी नहीं लगाया जा सका है। फायर डिपार्टमेंट का कहना है कि सुबह 6:16 बजे आग लगने की सूचना मिली, जिसके बाद टीम मौके पर पहुंची और बचाव कार्य शुरू किया। कई लोग बेहोशी की हालत में मिले और करीब 10 लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया। पुलिस के मुताबिक, बिल्डिंग के ग्राउंड फ्लोर पर ज्वेलरी की दुकानें थीं और ऊपर के फ्लोर पर लोग रहते थे। आग दुकानों में लगी और ऊपर तक फैल गई। बिल्डिंग में सिर्फ एक संकरी सीढ़ी थी, जिससे लोग बाहर नहीं निकल सके और दम घुटने से मौत हो गई।

प्रधानमंत्री ने घटना पर जताया दुख

घटना पर पीएम मोदी ने गहरा दुख जताया है। प्रधानमंत्री ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट 'एक्स' पर लिखा- 'हैदराबाद में आग की घटना में लोगों की मौत से बहुत दुख हुआ। जिन लोगों ने अपनों को खोया है, उन्हें संवेदनाएं। घायलों के जल्दी ठीक होने की कामना करता हूं।' पीएम राहत कोष से मृतकों के परिजन को 2-2 लाख रुपए और घायलों को 50-50 हजार रुपए की मदद दी जाएगी।

तेलंगाना के मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने बताया कि आग सुबह करीब 6 बजे लगी और 6:16 बजे तक फायर ब्रिगेड मौके पर पहुंच गई थी। टीम ने सभी को बचाने की कोशिश की, लेकिन आग बहुत तेजी से फैल चुकी थी। उन्होंने बताया कि इमारत में रहने वाले ज्यादातर लोगों की मौत हो गई। मुख्यमंत्री ने पीड़ित परिवार से बात की है और सरकार की ओर से हरसंभव मदद देने का भरोसा दिया है। चश्मदीद जाहिद ने बताया कि आग इतनी भीषण थी कि मुख्य दरवाजे से अंदर नहीं जा सके, शटर और दीवार तोड़कर पहली मंजिल पहुंचे, लेकिन सब जल चुका था। फायर ब्रिगेड ने अच्छा काम किया, पर आग तेज थी। सभी मृतक एक ही परिवार के थे, पीछे से कोई रास्ता नहीं था।

लंगकावी अंतर्राष्ट्रीय समुद्री और अंतरिक्ष प्रदर्शनी में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे संजय सेठ

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री सह रांची सांसद संजय सेठ 20 से 24 मई 2025 तक विदेशी दौरे पर रहेंगे। वे मलेशिया में आयोजित होने वाली '17वीं लंगकावी अंतर्राष्ट्रीय समुद्री और अंतरिक्ष प्रदर्शनी 2025' में भारतीय प्रतिनिधिमंडल टीम का नेतृत्व करेंगे। 'एलआईएमए 2025' में एक भारतीय मंडप स्थापित किया गया है, जिसका उद्घाटन भी रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ करेंगे। पत्र सूचना कार्यालय से मिली जानकारी के अनुसार इस प्रदर्शनी में भारत से मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड, भारत डायनामिक्स लिमिटेड, बीईएमएल, हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड और ग्लाइडर्स इंडिया लिमिटेड सहित कई डीपीएसयू के साथ अन्य निजी रक्षा कंपनियां भाग लेंगी। इसके साथ ही भारतीय रक्षा उद्योग जगत की सामर्थ्य भी प्रदर्शन करेंगी। इस वर्ष डोर्नियर विमान और एक भारतीय नौसेना जहाज सहित भारतीय रक्षा परिसंपत्तियां भी 'लंगकावी अंतर्राष्ट्रीय समुद्री एवं अंतरिक्ष प्रदर्शनी 2025' में भाग लेंगी। पीआईबी और रक्षा राज्य मंत्री की ओर से मिली जानकारी के अनुसार भारत के रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ, इस प्रदर्शनी के अवसर पर मलेशिया के रक्षा मंत्री दातो सेरी मोहम्मद खालिद बिन नॉर्डिन से मुलाकात करेंगे। इस यात्रा से दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय रक्षा सहयोग एवं व्यापक रणनीतिक साझेदारी और भी मजबूत होने की उम्मीद जताई गई है। भारत और मलेशिया के बीच सशक्त एवं बहुआयामी संबंध हैं, जो रक्षा व सुरक्षा सहित कई रणनीतिक क्षेत्रों तक फैला हुआ है। दोनों देश साल 2024 में मलेशिया के प्रधानमंत्री की भारत यात्रा के दौरान स्थापित व्यापक रणनीतिक साझेदारी के दृष्टिकोण के तहत कार्य करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। लंगकावी अंतर्राष्ट्रीय समुद्री एवं अंतरिक्ष प्रदर्शनी वर्ष 1991 में स्थापित हुई है। यह कार्यक्रम हर दो साल में आयोजित होती है। इस कार्यक्रम को एशिया और प्रशांत क्षेत्र में सबसे बड़ी व सबसे महत्वपूर्ण समुद्री तथा अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी आधारित प्रदर्शनियों में से एक माना जाता है।

17 सांसदों को मिलेगा 'संसद रत्न सम्मान'

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

नयी दिल्ली। संसद में उल्लेखनीय योगदान देने वाले 17 सांसदों और 2 संसदीय स्थायी समितियों को संसद रत्न पुरस्कार 2025 के लिए चुना गया है। ये पुरस्कार संसद में सक्रियता, बहस में भागीदारी, प्रश्न पूछने और विधायी कामकाज में योगदान के आधार पर दिए जाते हैं। यह पुरस्कार प्राइम प्वाइंट फाउंडेशन की तरफ से शुरू किया गया है। इस वर्ष के विजेताओं का चयन जूरी कमेटी ने किया जिसकी अध्यक्षता राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष हंसराज अहीर ने की। उन्होंने कहा कि ये पुरस्कार उन सांसदों को दिए जाते हैं जिन्होंने लोकतंत्र को मजबूती देने के लिए संसद में उत्कृष्ट योगदान दिया है। चार सांसदों को संसदीय लोकतंत्र में उत्कृष्ट और सतत योगदान के लिए विशेष रूप से सम्मानित किया जाएगा। इन सांसदों में भर्तृहरि महताब (भाजपा), सुप्रिया सुले (एनसीपी-एसपी), एनके प्रेमचंद्रन (आरएसपी) एवं श्रीरंग अप्पा बारणे (शिवसेना) शामिल हैं। प्राइम प्वाइंट फाउंडेशन के अनुसार, ये चारों सांसद 16वीं और 17वीं लोकसभा में भी संसद में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वालों में शामिल रहे हैं और अपनी मौजूदा कार्यकाल में भी लगातार सक्रिय हैं। बाकी 13 सांसदों को भी उनके विशिष्ट संसदीय कार्यों के लिए चुना गया है। इनमें स्मिता वाघ (भाजपा), अरविंद सावंत (शिवसेना उद्धव ठाकरे गुट), नरेश गणपत म्हास्के (शिवसेना), वर्षा गायकवाड़ (कांग्रेस), मेधा कुलकर्णी (भाजपा), प्रवीण पटेल (भाजपा), रवि किशन (भाजपा), निशिकांत दुबे (भाजपा), बिद्युत बारन महतो (भाजपा), पी. पी. चौधरी (भाजपा), मदन राठौर (भाजपा), सीएन अन्नादुरै (डीएमके) एवं दिलीप सैकिया (भाजपा) शामिल हैं। इन सांसदों ने संसद में प्रश्न पूछने, चर्चा में भाग लेने और विधेयकों पर सुझाव देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। बता दें कि संसद रत्न पुरस्कार की शुरुआत 2010 में हुई थी और यह पुरस्कार उन सांसदों को दिए जाते हैं जो पारदर्शिता, जवाबदेही और लोकतांत्रिक मूल्यों को मजबूती देने के लिए संसद में सक्रिय रहते हैं। इसका उद्देश्य सांसदों को प्रोत्साहित करना और जनता के बीच संसदीय कार्यवाही को लोकप्रिय बनाना है।

हाइवा-टेंपो की टक्कर में मां-बेटे की मौत, छह गंभीर

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

कटिहार। जिले के प्राणपुर थाना क्षेत्र में एक भीषण सड़क हादसे में दो लोगों की मौत हो गई जबकि छह अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। यह हादसा कुशियारी काली मंदिर के पास उस समय हुआ जब एक तेज रफ्तार और अनियंत्रित हाईवा ने सामने से आ रहे टेंपो को सीधी टक्कर मार दी। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार हाईवा की रफ्तार काफी अधिक थी जिसके कारण चालक वाहन पर से नियंत्रण खो बैठा। सामने से आ रहा टेंपो उसकी चपेट में आ गया जिससे टक्कर इतनी जबरदस्त हुई कि टेंपो के परखच्चे उड़ गए। टेंपो में सवार यात्रियों की चीख-पुकार से घटनास्थल पर अफरा-तफरी मच गई। हादसे में डिंपल कुमारी और उनकी दुधमुंही संतान की मौके पर ही मौत हो गई। घायल छह लोगों को तत्काल स्थानीय लोगों की मदद से पास के अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां कुछ की हालत गंभीर बनी हुई है। घटना की सूचना मिलते ही प्राणपुर थाना की पुलिस टीम मौके पर पहुंची और दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस ने हाईवा को जब्त कर लिया है जबकि उसका चालक मौके से फरार हो गया। उसकी तलाश की जा रही है। इस दर्दनाक हादसे के बाद पूरे इलाके में शोक की लहर फैल गई है। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से सड़क पर तेज रफ्तार वाहनों की निगरानी के लिए सख्त कदम उठाने की मांग की है।

सीबीआइ के तीन फर्जी अधिकारी गिरफ्तार

पटना(नबिटा ब्यूरो)। राजधानी के श्रीकृष्णापुरी इलाके में सीबीआइ अधिकारी बनकर लूटने वाले 3 अपराधियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। इनके पास से दो पिस्टल, कट्टा, जिंदा कारतूस, सेना की वर्दी, बाइक और सीबीआइ अधिकारी के फर्जी आइडी कार्ड बरामद हुए हैं। तीनों खुद को सीबीआइ अधिकारी बताकर कभी-कभार पुलिस चेकिंग के दौरान पुलिस वालों को धौंस दिखाते थे। फिल्म को देखकर सभी अलग-अलग आइडिया लेते थे। फिर उसी अंदाज में एक अपराधी, अधिकारी बनता था। उसके अन्य साथी फर्जी सेना के जवान बनकर पुलिसकर्मियों को सीबीआइ के नाम पर डराने-धमकाने पहुंच जाते थे। एसडीपीओ साकेत कुमार ने बताया कि तीनों शातिर अपराधी हैं।

गोल संस्थान का छात्र कृष्णा बना दसवीं में झारखंड का सेकेंड टॉपर

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

धनबाद। कोयलांचल में मेडिकल व इंजीनियरिंग की तैयारी कराने वाला भरोसमंद व विश्वसनीय संस्थान गोल ने दसवीं एवं 12वीं बोर्ड परीक्षा में उच्चतम अंक लाने वाले छात्रों को सम्मान देकर उन्हें आगे कैरियर में और अच्छा करने के लिए प्रोत्साहित एवं उत्साहित किया, साथ ही सभी सफल छात्रों ने अपनी सफलता का श्रेय अपने माता-पिता के साथ ही गोल संस्थान के क्लासरूम, स्टडी मैटेरियल, टेस्ट सीरीज, पर्सनल केयर एवं समय-समय पर दी गई मोटिवेशन एवं मार्गदर्शन को दिया। सफल छात्रों ने अपने सफलता के रहस्यों को भी उपस्थित छात्रों से शेयर किया। विदित हो कि बहुत सारे 12वीं के छात्रों ने 90 प्रतिशत से ज्यादा स्कोर करते हुए अपियरिंग में मेडिकल और इंजीनियरिंग में भी सफलता की उम्मीद जताई, जबकि दसवीं के कृष्णा ने 99 प्रतिशत लाकर धनबाद जिला टॉपर के साथ-साथ झारखंड के सेकंड टॉपर भी रहे। 10वीं के सफल छात्रों में कृष्णा, हर्षिता, दीपक, राजवीर, चिराग, दर्ष, प्रतिक्षा, इच्छा, इसिता सोनी, नायरा, पल्लवी, काव्या, कुणाल तथा 12वीं में श्रेया, आकृति, शिवम, राज नन्दनी, नितीश, गौरव और इसिता बनर्जी आदि शामिल थे। गोल धनबाद के केंद्र निदेशक संजय आनंद ने सभी सफल छात्रों को सफल भविष्य की शुभकामनाएं देते हुए आगे प्रतियोगी परीक्षाओं में भी सफल होने के गुढ़ रहस्यों से अवगत कराया। उन्होंने छात्रों, अभिभावकों के भरोसे के साथ ही गोल की पूरी टीम को बधाई दी। संस्थान से जुड़े दिपक कुमार, भारती सिन्हा, अरुण कुमार, पूजा कुमारी, रानी, सुनील जी, वसीम, उमेश एंव दिलीप ने भी सभी छात्र-छात्राओं को शुभकामनाएं दी है।

सभी पंचायतों में खोलें सहकारी बैंकों के 50 खाते : डॉ. प्रेम कुमार

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

नवादा। नवादा के ककोलत जलप्रपात स्थित डाकबंगला में सहकारिता मंत्री डा. प्रेम कुमार ने विभागीय अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। इस क्रम में उन्होंने कहा कि सहकारी बैंकों में खाता खोलने के लिए ग्राम स्तर पर अभियान चलाएं। उन्होंने कहा कि सहकारी बैंक सहकारिता योजनाओं के क्रियान्वयन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इसलिए इन बैंकों को मजबूती प्रदान करना आवश्यक है। बैठक में उपस्थित सहकारिता प्रसार पदाधिकारियों को उन्होंने कहा कि विभाग द्वारा पैक्सों एवं सहकारी समितियों के सुदृढ़ीकरण के लिए कई योजनाएं चलाई जा रही हैं। इन समितियों को बहुउद्देश्यीय बनाने के लिए इनमे कॉमन सर्विस सेन्टर, प्रधानमंत्री जन औषधि केंद्र, पेट्रोल-डीजल रिटेल आउटलेट, प्रधानमंत्री किसान समृद्धि योजना चलाया जा रहा है। पैक्सों को मात्र खाद्यान्न अधिप्राप्ति का माध्यम बनाये रखने से सहकारी समितियों और सहकारिता विभाग की योजनाओं का औचित्य शनैः शनैः समाप्त हो जाएगा, इसलिए सहकारी समितियों को बहुउद्देश्यीय बनाना आवश्यक है। उन्होंने बैठक में उपस्थित जिला सहकारिता पदाधिकारी और जिला केंद्रीय सहकारी बैंक के प्रबंध निदेशक को निदेश देते हुए कहा कि प्रत्येक प्रखंड में न्यूनतम 100 खाता एक माह के भीतर खोलने का लक्ष्य निर्धारित करें। सहकारी बैंकों की योजनाओं का प्रचार प्रसार किया जाए तथा ग्रामीणों के बीच सहकारी बैंकों में खाता खोलने के लाभों की जानकारी दी जाये। जिले के सहकारिता प्रसार पदाधिकारी संघ द्वारा मंत्री को ज्ञापन सौंपते हुए यह अनुरोध किया गया कि वरीय एवं मुख्य सहकारिता प्रसार पदाधिकारी के पद जो सप्तम वेतनमान में लेवल 8 एवं 9 के हैं, उन्हें राजपत्रित किया जाए। मंत्री द्वारा बताया गया कि इससे संबंधित संचिका विभाग में प्रक्रियाधीन है तथा विभागीय अधिकारियों को इसपर सकारात्मक कार्रवाई करने का निदेश दिया गया है।

FOR REGISTRATION : ISO, TRADE MARK, PATENT

DESIGN AND COPYRIGHT, ATTORNEY

GLOBAL VISION

(A Complete Solution in Professional Services)

: Regd. Office/ Head Office :
Manaitand, Near Water Tank
Dhanbad, Jharkhand- 826001
Command Office : Jagat Trade Centre, Patna

Contact No.- 9835333441, 8210823092

E-Mail : globalvision96@yahoo.in

संक्षिप्त समाचार

बिहार के टाइगर रिजर्व में शराब पार्टी, चार वनपाल समेत 11 अरेस्ट, हड़कंप

पश्चिम चंपारण, एजेंसी। शराबबंदी वाले राज्य बिहार में शराब पीते कई बार लोग पकड़े जाते हैं। इस बार एक टाइगर रिजर्व में बियर पार्टी करते जंगल के रक्षक ही पकड़े गए हैं। पश्चिम चंपारण में स्थित वाल्मिकी टाइगर रिजर्व बीयर पार्टी करते चार वनपाल समेत 11 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। जानकारी के मुताबिक, बगहा के नौरंगिया में एसडीपीओ की छापेमारी में शराब पीते चार वनपाल समेत 11 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस की टीम ने मौके से आठ बियर की बोतलों को भी जब्त किया है। इस कार्रवाई के बाद से यहां हड़कंप मचा हुआ है। शनिवार की रात यहां शराब पार्टी चल रही थी। इधर अपनी गुप्त सूचना पर एसडीपीओ वहां छापेमारी करने पहुंच गए। जिसके बाद जंगल में बीयर पार्टी का भेद खुल गया। शराब पीने के मामले में वनपालों के गिरफ्तार होने से वन विभाग सकते में है।

संजय चौधरी हत्याकांड : पीड़ित परिवार से मिले डिप्टी सीएम

मुजफ्फरपुर, एजेंसी। संजय चौधरी हत्याकांड मामले में शनिवार को डिप्टी सीएम विजय सिन्हा ने पीड़ित परिवार से मुलाकात कर हर संभव मदद का आश्वासन दिया। इस दौरान उन्होंने संबंधित पुलिस पदाधिकारियों को फटकार भी लगाई। उन्होंने कहा कि सदर थाना के पताही से भगवानपुर के बीच आपराधिक घटना बढ़ गई है। जल्द से इसे ठीक करने की उन्होंने पुलिस पदाधिकारियों को चेतावनी दी। इस दौरान डिप्टी सीएम के साथ पूर्व मंत्री सुरेश शर्मा, भाजपा जिलाध्यक्ष विवेक कुमार, हरिमोहन चौधरी और स्थानीय मुखिया संजय कुमार सहित अन्य लोग मौजूद थे। पीड़ित परिवार ने डिप्टी सीएम से जल्द से जल्द घटना में शामिल अपराधियों की गिरफ्तारी की मांग की है।

'ऑपरेशन सिंदूर के जरिए सेनाओं ने शौर्य को दुनिया को दिखाया : दिलीप जायसवाल

मुजफ्फरपुर, एजेंसी। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. दिलीप जायसवाल शनिवार को मुजफ्फरपुर पहुंचे। यहां उन्होंने भारतीय सेना के शौर्य और सम्मान में निकाली गई तिरंगा यात्रा में भाग लिया। तिरंगा यात्रा के दौरान गगनभेदी नारों से पूरा शहर गूंजता रहा। तिरंगा यात्रा में भाजपा के कार्यकर्ताओं के अलावा सभी धर्म व समाज के लोगों की सहभागिता रही। डॉ. जायसवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश की सेना ने पाकिस्तान में दाखिल होकर दुश्मनों से बदला लिया। भारतीय सेना के शौर्य, पराक्रम और अदम्य साहस पर संपूर्ण देश को गर्व है। 'ऑपरेशन सिंदूर के जरिए दुनिया के सामने हमारी सेनाओं ने अदम्य साहस और शौर्य का प्रमाण दिया है।

राज्यपाल बोले -भारत के लोगों का संवाद की शक्ति में विश्वास

विश्व संवाद केंद्र . आद्य पत्रकार देवर्षि नारद स्मृति कार्यक्रम का आयोजन

पटना, एजेंसी। राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खां ने कहा कि भारत के लोग संवाद की शक्ति में विश्वास रखते हैं। लेकिन, जिनके लिए संवाद की शक्ति अर्थहीन है, उनके लिए शक्ति के संवाद की आवश्यकता है। इस बात को हमारे ऋषियों ने हजारों साल पहले अग्रतः सकलं शास्त्रं, पृष्ठतः सशरं धनु..के रूप में स्थापित किया था। इसका अर्थ यह हुआ कि शांति को अपना परम धर्म मानते हैं, परंतु हम कायर नहीं हैं।

वे शनिवार को बीआईए सभागार में विश्व संवाद केंद्र द्वारा आयोजित आद्य पत्रकार देवर्षि नारद स्मृति कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। राष्ट्रीय अस्मिता और समकालीन चुनौतियां विषयक संगोष्ठी में तपः स्वाध्याय निरतं तपस्वी वाग्विदां वरम् का उल्लेख करते हुए उन्होंने स्वामी रंगनाथ का जिक्र किया और कहा कि ज्ञान को अर्जित करने के बाद उसे समाज में वितरित और विस्तारित करना ही मां सरस्वती के प्रति सच्ची श्रद्धा है।

बीच के कालखंड में हमने अपने लोगों के बीच अर्जित ज्ञान का वितरण बंद कर दिया था, इस कारण बाहरी आक्रमणकारियों द्वारा शासित होना पड़ा। हालांकि, विगत कुछ वर्षों से हमलोग अपनी मौलिक चीजों को पुनः स्थापित करने को लेकर प्रयासरत हैं।

उन्होंने कहा कि स्वामी विवेकानंद का मानना था कि हमारे ज्ञान का उद्देश्य सुख की प्राप्ति नहीं, बल्कि अपने अंदर यह क्षमता विकसित करना है कि हमारे आसपास व्याप्त विविधताओं और विभिन्नताओं के पीछे छिपे एकात्मक भाव को देख सकें।

उन्होंने स्वामी विवेकानंद की पुस्तक कोलंबो से अल्मोड़ा तक का अध्ययन करने की सलाह दी। अनिल विभाकर को डॉ. राजेंद्र प्रसाद पत्रकारिता शिखर सम्मान मिला विश्व संवाद केंद्र न्यास द्वारा बिहार के तीन पत्रकारों को सम्मानित किया गया। डॉ. राजेंद्र प्रसाद पत्रकारिता शिखर सम्मान अनिल विभाकर को प्रदान किया गया। उत्कृष्ट रिपोर्टिंग के लिए पं. केशवराम भट्ट पत्रकारिता सम्मान नवादा के पत्रकार विशाल कुमार और रचनात्मक पत्रकारिता के लिए बाबूराव पटेल रचनाधर्मिता सम्मान प्रसिद्ध छाया पत्रकार सचिन कुमार को प्रदान किया गया। इस दौरान विश्व संवाद केंद्र की वार्षिक स्मारिका प्रत्यंचा का भी विमोचन हुआ। मंच संचालन विश्व संवाद केंद्र के संपादक संजीव कुमार और धन्यवाद ज्ञापन न्यास के सचिव डॉ. संजीव चौरसिया ने किया। हमारा संतुलन में विश्वास : नंदकिशोर विधानसभा अध्यक्ष नंदकिशोर यादव ने कहा कि भारत के लोग संतुलन में विश्वास रखते हैं। हम दैहिक, दैविक और भौतिक तीनों प्रकार की उन्नति में विश्वास रखते हैं। आज दुनिया जिस समस्या को लेकर चिंतित है, उसका चिंतन हमारे ऋषि-मुनियों ने वर्षों पहले कर लिया था। उसी का परिणाम है कि पेड़-पौधों को पानी, पशु पक्षियों को दाना देने को हम धार्मिक कृत्य मानते हैं।

बिहार में टीचरों की छुट्टी के लिए नई गाइडलाइन, स्कूल में छात्रों को अब रंगीन बेंच-डेस्क

पटना, एजेंसी। बिहार के स्कूलों में छोटे बच्चों को अब रंगीन बेंच-डेस्क दिए जाएंगे। यह छोटा भी होगा। इसी साल से इस योजना पर अमल हो जाएगा। एक से पांच तक बच्चों को किताब से पढ़ाया जाएगा। छठे क्लास से स्मार्ट बोर्ड पर पढ़ाई की सुविधा इसी साल से उपलब्ध हो जाएगी। शिक्षा की बात हर शनिवार कार्यक्रम में शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव डॉ. एस सिद्धार्थ ने शिक्षकों से कहा कि वे ग्रिवांस पोर्टल पर शिकायत करें। व्यक्तिगत मोबाइल नंबर पर कोई समस्या भेजने के बजाए शिक्षक पोर्टल पर अपनी बात कहें। विभाग के अन्य अधिकारी भी उसे देखते हैं। उन्होंने कहा कि लड़कियों के लिए सैनिटरी पैड खरीदने को 300 रुपये दिए जाते हैं। शिक्षक अगर अपने काम को बोझ न समझें तो उन्हें बर्नआउट की स्थिति का सामना नहीं करना होगा। राज्यभर के स्कूलों का रेवेन्यू रिकॉर्ड होगा। स्कूलों में कितनी जमीन है, कितना अतिक्रमण है, इसका ब्योरा रहेगा। इसके लिए भू-संपदा व सहायक भू-संपदा पदाधिकारी बहाल किए जाएंगे, जो रेवेन्यू रिकॉर्ड का रखरखाव (मेंटेन) करेंगे। शिक्षकों की छुट्टी के लिए गाइडलाइन बनकर तैयार हो गई है। शिक्षकों को सीएल की छुट्टी एक दिन में मंजूर होगी।

कंकड़बाग से दीघा तक रिपेयर होंगी 18 टूटी सड़कें:दरोगा राय पथ से लेकर मलाही पकड़ी तक खोदे हुए रोड बनेंगे

आरसीडी को सौंपी गई लिस्ट

पटना, एजेंसी। पटना की सड़कों को बड़े स्तर पर खोदकर पाइपलाइन बिछाने का काम चल रहा है। जिन मेन रोड में काम पूरा हो गया है, वहां सड़कों की मरम्मत नहीं हुई है। बारिश में खुले मेनहोल, टूटी सड़कों की काफी समस्या होती है। जिन सड़कों पर सीवरेज नेटवर्क का काम पूरा कर लिया गया है, वहां का काम बुडको ने किया है। उन सड़कों की फिर से मरम्मती के लिए 18 सड़कों की लिस्ट पथ निर्माण विभाग (आरसीडी) को सौंपी गई है। मानसून से पहले ही बुडको एमडी अनिमेष कुमार पराशर द्वारा नमामि गंगे प्रोजेक्ट में लगी निर्माण एजेंसियों को निर्देश दिया है कि खोदी गई सड़कों का काम पूरा होने के साथ ही रिस्टोर करें।

30 मई तक टूटी सड़कों की मरम्मत का दिया था निर्देश

तीन दिन पहले ही पथ निर्माण मंत्री नितिन नवीन ने 30 मई तक हर हाल में टूटी सड़कों की मरम्मति का आदेश दिया था। उन्होंने सभी एजेंसियों को निर्देशित किया कि निर्माण स्थलों पर सभी खुले मैनहोल को ढकने के साथ ही सभी गड्ढों को भी बिना कोई देरी भरना सुनिश्चित किया जाए। नई राजधानी पथ प्रमंडल, पटना में अब तक 12.787 किलोमीटर सड़क की मरम्मति पूरी कर ली गई है। पटना पश्चिम पथ प्रमंडल में 2.705 किलोमीटर में से 1.755 किलोमीटर पर काम पूरा हुआ है।

3642 मीटर सड़कों की होगी मरम्मती

नमामि गंगे प्रोजेक्ट में लगी एजेंसियों के अनुबंध में ही खोदी गई सड़कों को रिस्टोर करने का नियम है। काम के साथ ही सड़कों को पुराने स्वरूप में निर्माण किया जा रहा है। पथ निर्माण विभाग के सड़कों का रिस्टोरेशन उनके द्वारा ही किया जाता है। जबकि पटना नगर निगम की सड़कों की मरम्मती का काम बुडको की एजेंसी द्वारा किया जाता है। कुल 18 सड़क जिसकी लंबाई 3642 मीटर है, सीवेज पाइप बिछाने के बाद सड़कों को फिर से बनाने के लिए लिस्ट सौंपी गई है।

बिहार के क्रिकेटर मुकेश कुमार इंडिया-ए टीम में शामिल:इंग्लैंड दौरे पर जाएगी टीम

प्रदेश के तीन खिलाड़ियों को मिला मौका

गोपालगंज, एजेंसी। बीसीसीआई ने इंग्लैंड दौरे के लिए इंडिया-ए टीम की घोषणा कर दी है। इस टीम में बिहार के तीन खिलाड़ियों को एक साथ शामिल किया गया है। इनमें गोपालगंज के सदर प्रखंड काकड़कुंड गांव के मुकेश कुमार भी शामिल हैं। बता दें कि मुकेश दाहिने हाथ के तेज गेंदबाज हैं। उन्होंने 2001 में जिले के मिंज स्टेडियम से क्रिकेट की शुरुआत की। 2005-06 में प्रतिभा की तलाश क्रिकेट प्रतियोगिता में उनकी प्रतिभा को पहचाना गया। 2010-11 में एक दुर्घटना के बाद मुकेश कोलकाता चले गए। वहीं से उनके क्रिकेट करियर को नई दिशा मिली। 2014 में वे बंगाल टीम में शामिल हुए। 2015 में रणजी ट्रॉफी में हरियाणा के लाली ग्राउंड पर उन्होंने वीरेंद्र सहवाग का विकेट लिया।

साइकिल से 15-20 दूर खेलने जाते थे

बता दें कि मुकेश काशीनाथ सिंह के सबसे छोटे बेटे हैं। वे दो भाई और चार बहनों में सबसे छोटे हैं। उन्होंने स्नातक तक की पढ़ाई पूरी की है। अपने शुरुआती दिनों में वे साइकिल से 15-20 किलोमीटर तक क्रिकेट खेलने जाते थे। खाने-पीने की चिंता किए बिना सिर्फ क्रिकेट पर ध्यान देते थे। वर्ष 2009- 10 में बिहार अंडर 19 टीम में बीसीसीआई के बनाये गए कमेटी में खिलाड़ी भी रहे। बिहार की मान्यता नहीं रहने के कारण बंगाल से ही क्रिकेट खेलने का मन बना लिया। मुकेश ने अलग-अलग समय में टीम इंडिया में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया है। अब वे इंडिया-ए की तरफ से इंग्लैंड में खेलते नजर आएंगे। उनके चयन से गांव में खुशी का माहौल है। भाई डीएन सिंह ने बताया कि मुकेश बचपन से ही क्रिकेट के प्रति काफी लगाव रखता था। उसमें कभी हार नहीं मानने की जिद और अथक परिश्रम के बदौलत उसने खुद से अपनी मेहनत कर जगह बनाई है। विभिन्न जगह क्रिकेट मैच खेलकर कई ट्रॉफी भी जीती है। उसकी क्रिकेट के प्रति इतनी लगाव थी कि वह सुबह से लेकर शाम तक क्रिकेट ही खेलते रहता था। कई बार परिजन उसे उसकी यह लगाव देख कर डांट-फटकार भी लगाया करते थे। इसके बावजूद परिजनों से छिपकर वह क्रिकेट खेलने निकल जाता था। बताया जाता है कि मुकेश की%पूर्व में माली हालत अच्छी नहीं थी जिसके कारण वे चाह कर भी आगे की पढ़ाई नहीं कर पाए किसी तरह स्नातक तक की पढ़ाई पूरी की। इसी बीच वह कोलकाता चले गए जहां उनके पिता टैक्सी चलाते थे। वहीं पर रहकर क्रिकेट खेलने लगे और आज उनकी सफलता सब के सामने है। बता दें कि भारतीय क्रिकेट टीम को अगले महीने इंग्लैंड का दौरा करना है। जहां पर उसे मेजबान टीम के खिलाफ पांच मैचों की टेस्ट सीरीज खेलनी है। 2023 में वेस्टइंडीज दौरे के दौरान पहली बार मुकेश कुमार को टीम इंडिया में मौका मिला था। उन्होंने टेस्ट, वनडे और टी-20 तीनों फॉर्मेट में अपना डेब्यू किया है।

भारत ए टीम इस प्रकार है : अभिमन्यु ईश्वरन (कप्तान), यशस्वी जायसवाल, करुण नायर, ध्रुव जुरेल (उपकप्तान, विकेटकीपर), नितीश कुमार रेड्डी, शार्दुल ठाकुर, ईशान किशन (विकेटकीपर), मानव सुथार, तनुष कोटियन, मुकेश कुमार, आकाश दीप, हर्षित राणा, अंशुल कंबोज, खलील अहमद, रुतुराज गायकवाड़, सरफराज खान, तुषार देशपांडे, हर्ष दुबे।

बाढ़ की समस्या के समाधान और सिंचाई पर 4415 करोड़ होंगे खर्च

पटना, एजेंसी। राज्य में बाढ़ की समस्या से समाधान और सिंचाई के आधुनिक प्रबंधन पर 4415 करोड़ रुपए खर्च होंगे। इसकी कैबिनेट से मंजूरी मिल गई है। जल संसाधन विभाग ने राज्य में प्रभावी सिंचाई प्रबंधन और प्रभावी बाढ़ जोखिम प्रबंधन के लिए विश्व बैंक की सहायता से बिहार जल सुरक्षा एवं सिंचाई आधुनिकीकरण परियोजना तैयार की है। इसका 30 प्रतिशत यानी 1324.50 करोड़ राशि राज्य सरकार देगी। शेष 70 प्रतिशत यानी 3090.50 करोड़ रुपये विश्व बैंक से लोन लिया जाएगा। इसमें जलवायु अनुकुल सिंचाई पर 2487.00 करोड़, बाढ़ जोखिम न्यूनीकरण पर 1525.00 करोड़, जल शासन पर 243.00 करोड़ और परियोजना प्रबंधन पर 160.00 करोड़ खर्च होंगे। इसके तहत होने वाले कार्यों का नोडल विभाग जल संसाधन विभाग है। इसमें कार्य ग्रामीण विकास विभाग और कृषि विभाग भी करेगा। परियोजना का कार्य अगले सात वर्षों में पूरा करने का लक्ष्य है। सोन, गंडक एवं कोसी बैराजों की पुनर्स्थापन, सोन पश्चिमी मुख्य नहर का आधुनिकीकरण, पश्चिमी कोसी सिंचाई योजनाओं की पुनर्स्थापन व आधुनिकीकरण, झंझारपुर शाखा नहर की पुनर्स्थापन व आधुनिकीकरण, सारण मुख्य नहर का नवीकरण व लाइनिंग शामिल हैं।

छात्रावास आंवटित ही नहीं तो ताला कैसे खुला

बीएन कॉलेज में स्थिति देख राज्यपाल हैरान; छात्र की मौत पर मांगी रिपोर्ट

पटना, एजेंसी। पटना स्थित बीएन कॉलेज में मंगलवार को हुई बमबाजी में छात्र सुधीर कुमार की मौत से आहत राज्यपाल सह कुलाधिपति आरिफ मोहम्मद खां शनिवार को खुद कॉलेज कैंपस पहुंच गए। घटनास्थल पर लगभग एक घंटे तक उन्होंने पुलिस प्रशासन और पटना विश्वविद्यालय प्रशासन के पदाधिकारियों से हर पहलू पर जानकारी ली। साथ ही इस मामले की रिपोर्ट मांगी। राज्यपाल ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि मैं राजभवन में बैठकर फैसला नहीं करूंगा। जहां समस्याएं होंगी, वहां जाकर निर्णय लूंगा। कैंपस में निर्दोष छात्र की हत्या बहुद ही दुखद है। कुलाधपति ने पटना विश्वविद्यालय के पदाधिकारियों और पुलिस पदाधकारियों से जल्द रिपोर्ट मांगी तथा दोषियों पर शीघ्र कार्रवाई का निर्देश दिया। उन्होंने कुलपति प्रो. अजय कुमार सिंह से जल्द पूरे घटनाक्रम की एक्शन टेकन रिपोर्ट मांगी है।

घटना के चार दिन गुजर जाने के बाद भी बीएन कॉलेज कैंपस में नहीं आने पर विश्वविद्यालय के पदाधिकारियों को जमकर फटकार लगाई। उन्होंने विवि के पदाधिकारियों और पुलिस पदाधिकारियों को राजभवन भी बुलाया।

छात्रावास में कमरे खुले होने पर जताई नाराजगी : बीएन कॉलेज कैंपस से पैदल ही कुलाधिपति आरिफ मोहम्मद खां एन कॉलेज छात्रावास चले गए। छात्रावास की स्थिति देखकर आश्चर्यचकित रह गए। पूछा कि जब छात्रावास आवांटित ही नहीं हुआ तो ताला कैसा खुला हुआ है। कुछ कमरों का ताला टूटा भी है। जब राजभवन के आदेश से छात्रावास बंद कराया गया था तो बिना आदेश का छात्रावास कैसे खोल दिया गया। इसकी रिपोर्ट विश्वविद्यालय जल्द दें। कुलाधिपति ने कहा कि छात्रावास में अवैध तरीके से रहने वाले छात्रों को हटाने की जबावदेही सिर्फ शिक्षकों की नहीं है।

छात्र प्रतिनिधियों को भी जिम्मेदारी लेनी होगी। ऐसी परिस्थिति में छात्रावासों को खोलना उचित नहीं है। कुलाधिपति ने खासकर छात्रों से अनुशासन में रहने की अपील की और कहा कि शिक्षकों का सम्मान करें। उनसे अभद्र व्यवहार न करें। कोई समस्या हो हमारे पास आएं। कैंपस में बेहतर माहौल बनाने की जिम्मेदारी सभी की है। वहीं मौजूद प्राचार्य कॉलेज के प्रो. राजकिशोर प्रसाद ने बताया सुबह में पुलिस ने छापेमारी की थी। इसमें कुछ लोगों को पकड़ा भी गया है।

24 विभागों में काम कर रहीं महिलाओं को अधिक मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा

पटना, एजेंसी। महिलाओं को सरकारी 24 विभागों में सबसे अधिक कठिनाई है। महिला संवाद में सामने आई समस्याओं की रिपोर्ट यह बताती है। स्वास्थ्य, ग्रामीण विकास, समाज कल्याण विभाग से अधिक शिकायतें महिलाओं को हैं। ये बातें मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के आदेश पर राज्य भर में चल रहे महिला संवाद के दौरान सामने आई हैं। कुल मिलाकर 24 विभागों में काम कर रहीं महिलाओं को अधिक मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। आधी आबादी ने अबतक अलग-अलग विभागों में अटके हुए

काम, समस्याओं को महिला संवाद में दर्ज कराया, जिसे विभागवार अलग-अलग किया गया। इन संबंधित विभागों को इसपर कार्रवाई का जिम्मा दिया गया है। जिले में चिन्हित 18 हजार शिकायतों में 9 हजार पर ही अबतक कार्रवाई हुई है। इसमें भी ग्रामीण विकास विभाग के पास सबसे अधिक 2427 शिकायतें पेंडिंग हैं। दूसरे नंबर पर स्वास्थ्य विभाग है, जहां एक हजार से अधिक मामले पेडिंग हैं। सबसे कम शिकायतें आपदा प्रबंधन, अजा-अजजा विभाग से हैं।

विभागवार आये मामले और निदान के आंकड़े : महिलाओं ने शिक्षा विभाग से संबंधित जो समस्याएं बताई, उनमें 1375 मामलों का निष्पादन हो चुका है और 567 अब भी पेंडिंग है। अजा-अजजा विभाग के 3 मामलों का निष्पादन हुआ और 9 लंबित हैं। सामाजिक कल्याण विभाग के 1158 मामले में कार्रवाई हुई जबकि 715 लंबित है। योजना एवं विकास विभाग से 20 मामलों का निपटारा हुआ है और एक पेंडिंग है। खाद्य विभाग से संबंधित 41 मामलों का समाधान हुआ जबकि 136 लंबित है। को-ऑपरेटिव से 3 मामलों का समाधान और 72 पेंडिंग है। श्रम विभाग से 51 पर कार्रवाई हुई, 184 लंबित है। पंचायती राज विभाग से संबंधित 559 अब भी लंबित हैं। महिलाओं ने कहा कि अपर प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों पर रेबिज समेत अन्य टीका उपलब्ध नहीं होता है।

बेकाबू ऑटो साइकिल को रौंदते हुए पलटा, छह शिक्षिकाएं घायल

मुजफ्फरपुर, एजेंसी। मुजफ्फरपुर-दरभंगा पुराने रोड पर गरहां में शनिवार की सुबह बेकाबू ऑटो साइकिल को रौंदते हुए दीवार से टकराकर पलट गया। इसमें आधा दर्जन शिक्षिकाएं और साइकिल सवार बुजुर्ग गंभीर रूप से जख्मी हो गए। ऑटो शहर से सभी शिक्षिकाओं को लेकर शर्फुद्दीनपुर की ओर जा रहा था। हादसे के बाद चालक भाग गया। सूचना पर पहुंची डायल 112 व गरहां पुलिस ने घायलों को स्थानीय लोगों की मदद से बोचहां अस्पताल में भर्ती कराया, जहां से गंभीर हालत में शिक्षिका उत्तरप्रदेश के हरदोई जिले के पुरबावां भल्लावां निवासी रूबी बानो को एसकेएमसीएच रेफर कर दिया गया। वहीं, घायल साइकिल सवार पतिराम भगत को परिजन निजी क्लीनिक ले गये।

ग्राम कचहरी सचिव उमेश रजक व गरहां के सुरेश राय ने बताया कि गरहां में शहर की ओर से आ रहे पतिराम भगत रोड किनारे स्थित अपने दरवाजे पर जाने के लिए दायीं ओर मुड़े। इसी दौरान बेकाबू ऑटो ने ठोकर मार दी। मध्य विद्यालय बोचहां के शिक्षक जाहिद हुसैन ने बताया कि टीआरई 3 में चयनित उत्तरप्रदेश की शिक्षिका रूबी बानो शुक्रवार को स्कूल में योगदान किया था। थानाध्यक्ष आशीष कुमार ठाकुर ने बताया कि ऑटो व साइकिल को जब्त कर लिया गया है। आवेदन मिलने पर छानबीन की जाएगी।

हादसे में ये हुए हैं घायल : श्री पारसनाथ राजकीय मध्य विद्यालय बोचहां में कार्यरत उत्तरप्रदेश के हरदोई जिले के पुरबावां भल्लावां निवासी रूबी बानो (37), उत्तरप्रदेश के मेरठ निवासी सुखपाल सिंह की पत्नी स्वर्णा कुमारी, बल्थीरसूलपुर पंचायत के मध्य विद्यालय रोशी में कार्यरत शिक्षिका रोशी निवासी सरोज कुमार झा की पत्नी रानी कुमारी, पश्चिम चंपारण के सिठ्ठी गौनाहा निवासी प्रिंस कुमार की पत्नी मनीषा कुमारी, मध्य विद्यालय देवगन में कार्यरत शिक्षिका रेखा कुमारी, मवि ककड़ाचक पश्चिमी में कार्यरत शिक्षिका कटरा धनौर निवासी देवेंद्र पंडित की पुत्री सिमरन कुमारी व साइकिल सवार गरहां निवासी स्व. गुलाम भगत के पुत्र पतिराम भगत (37) शामिल हैं।

संक्षिप्त समाचार

मोरहाबादी में 22 करोड़ खर्च के बाद भी नहीं बना टाइम्स स्क्वायर, अब तोड़ा जा रहा स्टेज

रांची, एजेंसी। रांची के मोरहाबादी मैदान को न्यूयार्क के टाइम्स स्क्वायर की तर्ज पर विकसित करने पर 22 करोड़ रुपए खर्च किए गए। लेकिन पिछले सात सालों में यह टाइम्स स्क्वायर नहीं बन पाया। नगर विकास विभाग की एजेंसी जुडको ने मैदान में एक भव्य मंच और उसके ऊपर स्टील का टेनसाइल स्ट्रक्चर बनवाया था। इसमें करीब दो करोड़ रुपए खर्च हुए थे। इसके अलावा 11 एलईडी स्क्रीन, हाईमास्ट लाइट, 32 गोबो लाइट, डेकोरेटिव लाइट, कंट्रोल रूम, पैनल रूम, ट्रांसफार्मर और दो जनरेटर लगाए गए थे। लेकिन साल में दो से तीन बार ही एलईडी स्क्रीन का इस्तेमाल हुआ। आम लोगों को इससे कोई फायदा नहीं हुआ। मैदान में बने मंच का ही इस्तेमाल हो रहा था, लेकिन अब विधि-व्यवस्था का हवाला देकर उसे भी तोड़ा जा रहा है। मंच को तोड़कर मैदान को समतल किया जाएगा। लेकिन इसके लिए कहीं से भी एनओसी नहीं ली गई है। पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास के निर्देश पर इतनी बड़ी संरचना का निर्माण हुआ था, लेकिन किसके निर्देश पर तोड़ा जा रहा है, इस पर अधिकारियों ने चुप्पी साध ली है। मालूम हो कि मोरहाबादी में स्थाई मंच बनने की वजह से टेंट हाउस वालों की दुकानदारी बंद हो गई थी। क्योंकि, जब भी कोई राजनीतिक या अन्य कार्यक्रम होते थे तो मंच बनाने की जरूरत नहीं पड़ती थी। मंच टूटने से एक बार फिर टेंट हाउस वालों की चांदी हो जाएगी।

मंडल डैम से प्रभावित 780 परिवारों को गढ़वा जिले में बसाने की तैयारी, मुआवजे को लेकर भी आया अपडेट

रांची, एजेंसी। उत्तर कोयल नहर परियोजना यानि मंडल डैम के डूब प्रभावित क्षेत्र में आने वाले लोगों को पुनर्वासित करने की योजना जल्द ही पूरी होने वाली है। मुख्य सचिव अलका तिवारी ने हाल ही में इस क्षेत्र का दौरा किया था और लोगों को सुविधायुक्त पुनर्वास का निर्देश दिया था। जानकारी के मुताबिक मंडल डैम से प्रभावित 780 परिवारों को 15-15 लाख रुपये और एक एकड़ जमीन दी जाएगी। गढ़वा जिले के रंका प्रखंड के विश्रामपुर में इन प्रभावित परिवारों को बसाने की तैयारी है। 1972 में बनी मंडल डैम योजना को अब तक पूरा नहीं किया जा सका है। जनवरी 2019 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने डैम के अधूरे काम को पूरा करने वाली योजना का शिलान्यास किया है। हालांकि, इसके बाद से अब तक कोई निर्माण इस क्षेत्र में नहीं हुआ है। यह ऐसा पहला प्रोजेक्ट है, जिसके पूरा होने के लिए केंद्रीय कैबिनेट की ओर से दो बार राशि निर्गत की गई है। मंडल डैम लगभग बनकर तैयार है। बिहार और झारखंड क्षेत्र में नहर का निर्माण भी हो चुका है, लेकिन डैम की मौजूदा 367 मीटर उंचाई को कम करने के लिए पलामू टाइगर रिजर्व प्रशासन की ओर से कहा गया है। उंचाई कम करने से हजारों की संख्या में पेड़ कटने से बच जाएंगे।

विश्व बैंक, एएफडी, एनसीडीसी और झारखंड मत्स्य विभाग पहुंची तिलैया डैम

हजारीबाग, एजेंसी। जिले के बरही अनुमंडल अंतर्गत तिलैया जलाशय विश्व बैंक, एएफडी, एनसीडीसी और झारखंड राज्य मत्स्य विभाग की टीम पहुंची। तिलैया डैम स्थित बुंडू में संचालित केज कल्चर गतिविधियों का टीम द्वारा निरीक्षण किया गया। टीम का नेतृत्व विश्व बैंक के वरिष्ठ मत्स्य उद्योग मानक विशेषज्ञ जूलियन मिलियन ने किया। एएफडी से मिस ऑर्फी सिलार्ड और निधि बत्रा, भारत सरकार से आईए सिद्धिकी और नेशनल फिशरीज डेवलपमेंट बोर्ड से मासूम वहीद शामिल थे। इस भ्रमण का उद्देश्य प्रधानमंत्री मत्स्य किसान समृद्धि योजना की प्रगति का मूल्यांकन करना और मत्स्य किसानों की आर्थिक स्थिति का आकलन करना था। यह गतिविधि प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना और जिला खनिज फाउंडेशन ट्रस्ट योजना के अंतर्गत चिह्नित की गई है। जिसके माध्यम से स्थानीय मत्स्य कृषकों को आर्थिक रूप से सशक्त और तकनीकी रूप से सक्षम बनाया जा रहा है। टीम ने जलाशय में लगे केजों की संरचना, प्रबंधन, उत्पादन प्रणाली और किसानों की भागीदारी का गहन अवलोकन किया। निरीक्षण के दौरान प्रतिनिधिमंडल ने मत्स्य कृषकों से सीधा संवाद भी किया। निरीक्षण टीम के सामने किसानों ने अपनी चुनौतियां साझा करते हुए राज्य में स्थानीय स्तर पर उन्नत मत्स्य बीज उत्पादन इकाई और हाईटेक फीड निर्माण इकाई की आवश्यकता पर बल दिया है।

सीबीआई करेगी झारखंड शराब घोटाले की जांच

छापामारी में जब्त सामान को लेकर भी आदेश जारी

रांची, एजेंसी। के उत्पाद एवं मद्य निषेध विभाग के पूर्व अधिकारियों सहित अन्य के ठिकानों से जब्त आइफोन व अन्य दस्तावेज फिलहाल ईडी के कब्जे में ही रहेंगे। यह निर्देश नई दिल्ली स्थित ईडी की न्याय निर्णय प्राधिकरण (एडजुकेटिंग अथॉरिटी) का है।

एडजुकेटिंग अथॉरिटी ने ईडी की याचिका पर सुनवाई के बाद यह यह आदेश दिया है। शराब घोटाला मामले में मनी लांड्रिंग के तहत जांच के दौरान ईडी ने यह जब्ती 29 अक्टूबर 2024 को की थी। तब ईडी ने शराब घोटाला मामले में झारखंड व छत्तीसगढ़ के अधिकारियों से जुड़े ठिकानों पर एक साथ छापामारी की थी। इस छापामारी में झारखंड की वर्तमान उत्पाद नीति (जनवरी 2022 में छत्तीसगढ़ राज्य विपणन निगम लिमिटेड के मॉडल आधारित) से जुड़े कागजात, प्रिज्म कंपनी के होलोग्राम के नमूने, दो आइफोन, अन्य मोबाइल आदि की बरामदगी हुई थी। उक्त साक्ष्य व दस्तावेज ईडी के कब्जे में रहे, इसके लिए ही ईडी ने एडजुकेटिंग अथॉरिटी में याचिका दाखिल कर रखी थी।

पूरा मामला झारखंड में 31 मार्च 2022 से लागू नई उत्पाद नीति से संबंधित है। आरोप है कि इसके लिए जनवरी 2022 में झारखंड में उत्पाद नीति को बदलने के लिए छत्तीसगढ़ के अधिकारियों के साथ तत्कालीन उत्पाद सचिव व अन्य अधिकारियों ने प्लान किया और रायपुर में बैठक की थी।

यह भी आरोप है कि उत्पाद नीति लागू होने के बाद दो वर्षों तक झारखंड उत्पाद नीति में छत्तीसगढ़ की एजेंसियां कार्यरत रहीं। नकली होलोग्राम, अवैध शराब की सप्लाई कर झारखंड सरकार को करोड़ों की क्षति पहुंचाई गई। ईडी की जांच जारी है। झारखंड के तत्कालीन उत्पाद सचिव विनय कुमार चौबे, संयुक्त आयुक्त उत्पाद गजेंद्र सिंह व अन्य के विरुद्ध छत्तीसगढ़ की आर्थिक अपराध शाखा रायपुर में दर्ज प्राथमिकी के आधार पर ही ईडी ने गत वर्ष अपने यहां ईसीआइआर दर्ज किया था। उक्त केस रांची के अरगोड़ा निवासी विकास सिंह की शिकायत पर दर्ज किया गया था।

विकास सिंह का आरोप था कि छत्तीसगढ़ के तत्कालीन वाणिज्य एवं उद्योग विभाग के सचिव अनिल टुटेजा, छत्तीसगढ़ राज्य मार्केटिंग कारपोरेशन लिमिटेड के तत्कालीन प्रबंध निदेशक अरुणपति त्रिपाठी, रायपुर के बैरन बाजार निवासी अनवर ढेबर व उनके सिंडिकेट ने झारखंड के अधिकारियों के साथ मिलकर साजिशपूर्वक झारखंड की आबकारी नीति में फेरबदल किया।

झारखंड में देशी व विदेशी शराब का ठेका सिंडिकेट के लोगों को दिलवाकर धोखाधड़ी की और झारखंड सरकार को करोड़ों का नुकसान पहुंचाया। इस सिंडिकेट में झारखंड में बेहिसाब नकली होलोग्राम लगी देशी शराब की बिक्री कर तथा विदेशी शराब की सप्लाई का काम दिलवाकर उन कंपनियों से करोड़ों रुपये का कमीशन लिया।

शराब घोटाला प्रकरण में रायपुर की आर्थिक अपराध इकाई (ईओडब्ल्यू) में दर्ज केस में जल्द ही सीबीआई की एंट्री होगी। ईओडब्ल्यू ने सीबीआई से इसकी अनुशंसा की थी और उक्त केस की जांच करने का आग्रह किया है।

इससे संबंधित दस्तावेज भी ईओडब्ल्यू ने सीबीआई मुख्यालय को भेजा था। बताया जा रहा है कि झारखंड में शराब घोटाला केस में सीबीआई जांच होगी। इसकी तैयारी चल रही है।

हीट वेव की चपेट में खूंटी जिला, 15-20 हर रोज अस्पताल में हो रहे एडमिट!

खूंटी, एजेंसी। इन दिनों खूंटी और आसपास के क्षेत्रों के लोग गर्मी से परेशान हैं। जिला का तापमान लगातार बढ़ रहा है। चिलचिलाती गर्मी ने जनजीवन अस्तव्यस्त कर दिया है। इससे लोगों को खासी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। खासकर स्कूल आने-जाने वाले छात्र-छात्राओं और रोजमर्रा की जिंदगी जीवन यापन करने वाले लोगों को ज्यादा परेशानी हो रही है।

हालांकि इस बीच अचानक मौसम बदलने व हवा चलने के कारण गर्मी से थोड़ी राहत जरूर मिली। पिछले एक सप्ताह से जिला का तापमान लगातार बढ़ रहा है। जिसकी वजह से लोग बीमार पड़ रहे हैं, जिसमें ज्यादातर बच्चे शामिल है। सदर अस्पताल में मरीजों की संख्या बढ़ी है।

डॉक्टर ने दी गर्मी से बचने की सलाह: खूंटी सदर अस्पताल के उपाधीक्षक डॉ। आनंद किशोर उरांव ने बताया कि गर्मी बढ़ने के साथ ही मरीजों की संख्या बढ़ी है। पहले जहां दो ढाई सौ मरीज अस्पताल आते थे। वहीं अब इसकी संख्या बढ़कर तीन सौ पार हो गयी है। ज्यादातर मरीज बुखार, दस्त, डिहाइड्रेशन, सिर दर्द आदि शिकायत लेकर आ रहे है। उन्होंने बताया कि सदर अस्पताल में सभी तरह की इलाज की व्यवस्था है। सिविल सर्जन डॉ। नागेश्वर मांझी ने गर्मी से बेहाल लोगों को विशेष सलाह दी है। सीएस ने कहा कि लिक्विड पदार्थ का सेवन अधिक करें। बहुत जरूरी हो, तभी सिर में कपड़ा, टॉपी पहनकर ही घर से बाहर निकलें। खाली पेट बिल्कुल भी न रहें। हमेशा पानी पीते रहें। ज्यादा से ज्यादा लिक्विड पदार्थ का सेवन करें। संभव हो तो नॉन वेज का इस्तेमाल कम से कम करने का प्रयास करें।

हज यात्रा की तैयारियों को लेकर मंत्री डॉ इरफान अंसारी ने की समीक्षा बैठक

रांची, एजेंसी। हज यात्रा से जुड़ी तैयारियों की शुक्रवार को कडरू स्थित हज हाउस में विस्तृत समीक्षा हुई। हज-2025 की तैयारियों को लेकर राज्य के स्वास्थ्य मंत्री एवं हज कमेटी के अध्यक्ष डॉ इरफान अंसारी ने समीक्षा बैठक के दौरान कहा कि इस वर्ष हज यात्रा पर जाने वाले झारखंड के लगभग 1300 हज यात्रियों की सुविधाओं, सुरक्षा और संपूर्ण व्यवस्था को बेहतर बनाने में कोई कोर कसर नहीं छोड़ा जाएगा।

अधिकारियों को डॉ इरफान अंसारी का निर्देश : डॉ। इरफान अंसारी ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि सभी हज यात्रियों को मूलभूत सुविधाएं जैसे आवास, स्वास्थ्य सेवा, परिवहन और उच्च गुणवत्ता के साथ समय पर भोजन उपलब्ध हो इसकी व्यवस्था में अभी से लग जाएं।

उन्होंने कहा कि हज यात्रा को सरल, सुरक्षित और सुखद बनाने की दिशा में राज्य सरकार गंभीरता से कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि हज यात्रियों को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो, इसका पूरा ख्याल रखा जाएगा। सभी आवश्यक स्वास्थ्य व्यवस्थाओं की गहन समीक्षा की जा चुकी है और मेडिकल टीमों को पूरी तरह से तैयार रखा गया है, ताकि किसी भी आपात स्थिति में तुरंत सहायता पहुंचाई जा सके।

जल्द शुरू होगी हजयात्रियों के टीकाकरण और अन्य प्रक्रिया : डॉ।इरफान अंसारी ने यह भी जानकारी दी कि हज यात्रियों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम, दस्तावेज़ सत्यापन, टीकाकरण एवं अन्य आवश्यक तैयारियों की प्रक्रिया शीघ्र शुरू की जाएगी।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के नेतृत्व में झारखंड सरकार राज्य के हज यात्रियों को हर संभव सुविधा देने हेतु संकल्पित है। राज्य हज कमेटी और संबंधित विभाग हज-2025 को सफल, सुव्यवस्थित और यात्री हित में सम्पन्न कराने के लिए पूर्ण समर्पण के साथ कार्यरत हैं।

लरंगो में कोयल नदी से अवैध बालू का हो रहा उठाव

सिसई, एजेंसी। सिसई प्रखंड क्षेत्र के लरंगो गांव स्थित कोयल नदी में दर्जनों ट्रेक्टर लगाकर नदी का अंधाधुंध दोहन कर जीएसएमडीसी के भंडारण स्थल में भारी मात्रा में बालू भंडारण करने में जुट गए हैं। सभी नियम कानून को ताक पर रखकर 30 से 35 ट्रैक्टर से प्रतिदिन बालू उठाव कराया जा रहा है। जिसमे अधिकांश ट्रैक्टर बिना नम्बर का है, ग्रामीणों के अनुसार बंदोबस्त क्षेत्र से हटकर भी नदी से बालू का उठाव किया जा रहा है। जिससे लरंगो व बाला खटंगा के ग्रामीणों की जेएसएमडीसी के कर्मियों से आए दिन नोकझोंक होते रहती है। यह नोकझोंक किसी दिन मारपीट में तब्दील हो जाने की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता है। ग्रामीणों ने बताया कि जेएसएमडीसी के द्वारा सीमा क्षेत्र से बाहर अतिक्रमण कर बालू उठाव करने को लेकर पूर्व में दर्जनों बार कर्मियों व ग्रामीणों का टकराव हो चुका है। चार से पांच बार प्रशासन मापी कर सीमांकन भी कर चुका है। किन्तु जेएस एमडीसी के सीमांकन क्षेत्र में बालू नहीं होने के कारण अतिक्रमण कर घाघरा प्रखंड क्षेत्र से बालू का उठाव किया जाता रहा है। अवैध बालू उठाव को लेकर घाघरा प्रखण्ड के नवाडीह पंचायत की पूर्व मुखिया बांदों देवी करीब दो साल पहले जेएसएमडीसी के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कराई थी। कोर्ट के निर्देश पर उस समय प्रशासन ने जेएस एमडीसी का 8 से 9 लाख सीएफटी बालू भंडारण स्थल में जब्त किया है।

पिछले एक सप्ताह से जेएसएमडीसी के लोग उक्त जब्त बालू के चारो ओर बालू गिराकर दिया है, इससे उन लोगो की जब्त बालू को कब्जाने की मंशा साफ दिखाई देता है। जेएसएमडीसी के बंदोबस्त नदी क्षेत्र खेत मे परिवर्तित होते जा रहा है,नदी में घांस उग आए है। भंडारण का कही कोई बोर्ड भी नहीं लगाया गया है। लरंगो पंचायत के मुखिया पति सह पूर्व मुखिया सुफल उरांव ने बताया कि वर्ष 2017 के पहले की तरह बालू घाटों की अब खुली नीलामी जिलों के द्वारा की जाएगी। बालू घाटों पर अब जेएसएमडीसी का अधिकार समाप्त हो गया है। जेएसएमडीसी के पास यह अधिकार अब 31 अगस्त 2025 तक ही है। झारखंड सरकार कैबिनेट की नौ मई को हुई बैठक में झारखंड सैंड माइनिंग रूल 2025 को अधिसूचित करने की स्वीकृति दी गई है।

लरंगो कोयल नदी घाट की बंदोबस्ती का सबसे अधिक लरंगो व नवाडीह पंचायत के लोगो को उठाना पड़ रहा है। स्थानीय लोगो को सरकारी आवास,विकास योजना और निजी मकान बनाने वालों को भी जेएसएमडीसी के चलान से 3 हजार से 35 सौ तक चुकाकर लेना पड़ रहा है।

मरने का नाटक कर अपराधी ने बचायी थी ग्रामीणों से जान, इलाज के बाद भेजा गया जेल

धनबाद, एजेंसी। बिराजपुर बाजार के सर्राफा कारोबारी सहदेव सोनार से लूटपाट के दौरान ग्रामीणों के हत्थे चढ़े कारू महतो को एसएनएमएमसीएच में इलाज के बाद बरवाअड्डा पुलिस ने गुरुवार को धनबाद जेल भेज दिया है।पुलिस पूछताछ में कारू ने बताया कि गिरोह का मुख्य सरगना दीपक दास (गिरिडीह) व पुनीत तुरी (नावाडीह-बोकारो) है।दीपक दास ने उसे बिराजपुर के एक सर्राफा कारोबारी को लूटने के लिए बरवाअड्डा बुलाया था।दीपक दास व पुनीत तुरी से दोस्ती तेनुघाट जेल में हुई थी।जेल से छूटने के बाद दीपक ने सर्राफा कारोबारी से लूटपाट की योजना बनायी।इसके बाद तीनों एक ही बाइक से शाम पांच बजे बिराजपुर बाजार पहुंचे।

यहां सर्राफा कारोबारी की दुकान का मुआयना किया।बाजार में भीड़भाड़ को देखते हुए तीनों बिराजपुर से पंजनिया, बेहराडीह होते हुए काडालगा-मरिचो चले गये।फिर रात आठ बजे बिराजपुर बाजार पहुंचे।वहां लोगों का अधिक आवागमन को देखते हुए योजना बदल दी।सड़क पर गुजरने के दौरान लूटने की योजना बनायी।फिर खंडेरी, मिश्रडीह होते हुए पथिकडीह मोड़ पहुंचे।हमलोग अमन साहू गैंग से जुड़े हुए हैं।बिराजपुर बाजार स्थित सहदेव सोनार के ज्वेलर्स दुकान के सामने स्थित एक अन्य सोना, चांदी के व्यापारी को लूटने की योजना बनी थी।लेकिन इससे पूर्व सहदेव सोनार आ गया और हमलोगों ने उससे लूटपाट की।लोकल लिंक से पता चला कि बिराजपुर बाजार के जिस सर्राफा कारोबारी को लूटना था।वह अभी तक दुकान बंद कर नहीं निकला है, तो सहदेव सोनार को बंधक बनाकर उसके आना का इंतजार करने लगे।इस दौरान कारू पकड़ा गया।ग्रामीण मुझसे मारपीट करने लगे, तो मैं मरने का नाटक कर अपनी जान बचायी.

कारू ने पुलिस को बताया कि दीपक दास गिरिडीह में रहता है।वहां उसकी बहन का घर भी है।उसकी बहन के घर में हमलोग दो दिन रुके हुए थे।दीपक के पिता बीसीसीएल कर्मी थे।पहले दुग्दा में रहते थे।लेकिन पिता के रिटायर्ड होने के बाद गिरिडीह में रहने लगे।दीपक ने घटना को अंजाम देने के लिए बेंगाबाद-गिरिडीह में हथियार खरीदा था।फिर हमलोग हथियार लेकर सोना, चांदी के व्यापारी को लूटने बिराजपुर पहुंचे.

पुलिस जांच में यह बात सामने आयी है कि अपराधी पुनीत तुरी व कारू महतो नावाडीह थाना के समीप रहते हैं।दोनों घर में बहुत कम रहते हैं।कभी-कभी अपने घर में आते हैं।दोनों की गर्लफ्रेंड हैं।कारू महतो ने ओडिशा से एक महिला को भगाकर अपने घर में रखा हुआ।इसी को लेकर विवाद होने के बाद दूसरी जगह रहने लगा।इस संबंध थाना प्रभारी सुनील कुमार रवि ने कहा कि कारू महतो से पूछताछ में अहम जानकारी मिली है।कारू महतो को जेल भेज दिया गया।फरार अपराधियों को गिरफ्तार करने के लिए छापेमारी जारी है.

...तो क्या दुष्कर्मी को इनाम देगी झारखंड सरकार नवाडीह की घटना पर चंपाई सोरेन का तीखा हमला

बोकारो, एजेंसी। नावाडीह की घटना पर पूर्व सीएम चंपाई सोरेन ने सरकार के कार्य प्रणाली पर पलटवार किया है।

उन्होंने कहा कि पुलिस के अनुसार, महिला ने आत्मरक्षा में शोर मचाया और ग्रामीणों ने मौके पर पहुंचकर उसकी मदद की। पर झारखंड सरकार के स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी एक पक्षीय काम कर रहे हैं। उन्होंने मृतक आरोपी के परिवार को 6 लाख रुपये की सहायता और स्वास्थ्य विभाग में नौकरी देने की घोषणा की।

इसमें राहुल गांधी की ओर से 1 लाख, मुख्यमंत्री की ओर से 1 लाख और राज्य सरकार की ओर से 4 लाख की मदद शामिल है। इस पर पूर्व मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन ने तीखी प्रतिक्रिया दी।

उन्होंने एक्स पर लिखा कि क्या अब रेपिस्ट को इनाम मिलेगा? यह आदिवासी समाज और हमारी बेटियों का अपमान है। बताया है कि एक गांव में एक आदिवासी महिला ने आरोप लगाया कि एक मुस्लिम युवक, अब्दुल अंसारी, ने उसके साथ बलात्कार करने की कोशिश की।

महिला के शोर मचाने पर गांव वाले इकट्ठा हो गए और उसे बचाया। इस दौरान हुई हाथापाई में आरोपी घायल हो गया और बाद में उसकी मौत हो गई।

पुलिस के मुताबिक, महिला ने आत्मरक्षा की और शुरुआती जांच में यह पाया गया कि महिला पर हमले की पुष्टि होती है। इसके बावजूद एक पक्षीय कार्रवाई हो रही है। चंपाई सोरेन ने इसे झारखंड की आत्मा पर हमला बताया और सवाल उठाया कि एक दुष्कर्मी के पक्ष में खड़ी सरकार क्या आदिवासी महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित कर सकती है?

उन्होंने इसे वोट बैंक की राजनीति करार देते हुए कहा कि यह फैसला कानून और नैतिकता दोनों के खिलाफ है। उन्होंने आदिवासी समाज से जागरूक होने और इस अन्याय के खिलाफ शांतिपूर्ण विरोध करने की अपील की।

चंपाई सोरेन ने कहा कि जागो आदिवासियों, जागो, अगर आज नहीं बोले, तो कल हमारी बेटियां असुरक्षित होंगी।बोकारो की यह घटना सिर्फ एक अपराध नहीं, बल्कि राज्य की संवेदनशीलता, सामाजिक न्याय और राजनीतिक नैतिकता की कसौटी बन गई है।

चंपाई सोरेन की प्रतिक्रिया ने इस पूरे मुद्दे को राज्यव्यापी बहस में बदल दिया है। अब देखना यह है कि सरकार इस पर क्या सफाई देती है और जनता क्या फैसला करती है।

झारखंड में विदेश में बनी शराब सस्ती मिलेगी : मॉडल दुकानों में होगी बैठ कर पीने की सुविधा

रांची, एजेंसी। झारखंड में अब विदेशों में बनी शराब सस्ती मिलेगी। जबकि राज्य में बनी और यहां बिकने वाली पॉपुलर ब्रांड की शराब महंगी हो जाएगी। नई उत्पाद नीति में शराब पर लगने वाली वैट में कटौती की गई है। इसी वजह से ऐसा हो रहा है। इसके अतिरिक्त नई शराब नीति दुकानों से न केवल शराब खरीदने की सुविधा दे रहा है बल्कि अब दुकानों में ही बैठ कर पीने की भी व्यवस्था रहेगी। ऐसा उन दुकानों में होगा जिसे मॉडल शराब दुकान के नाम से खोला जाएगा। नगर निगम व परिषद क्षेत्र में विदेशी शराब की ऑफ दुकान को मॉडल शॉप में अपग्रेड किया जाएगा। इसके लिए तय शर्तों के अनुसार जगह जरूरी होगी।

वातानुकूलित कक्ष, टेबल-कुर्सी, किचन की व्यवस्था करनी होगी। मॉडल शॉप में वाइन, बीयर, ब्रीजर, विदेशी और आईएमएफएल ब्रांड मिलेंगे। इच्छुक व्यक्ति को पहले ऑफ दुकान की बंदोबस्ती लेनी होगी। अपग्रेडेशन के लिए नक्शा समेत दस्तावेज जमा करने होंगे।

उत्पाद एवं मद्य निषेध विभाग नई शराब नीति को लागू करने में जुट गया है। अब तक कहा जा रहा था कि जून से ही नई व्यवस्था लागू कर दी जाएगी पर ऐसा होता दिख नहीं रहा है। नीति के बनने से लेकर उसे लागू करने की प्रक्रिया में औसत 40 से 45 दिन लगने की संभावना है। इस वजह से खुदरा शराब की दुकानें, जुलाई महीने से ही निजी हाथों में जा सकेंगी। फिलहाल, विभाग नई उत्पाद नीति लागू करने के लिए आवश्यक कागजी प्रक्रिया पूरी करने में जुटा है।

राज्य में खुदरा शराब की दुकानों का ई-लॉटरी के माध्यम से बंदोबस्त किया जाना है। इसके लिए एनआईसी की मदद से सॉफ्टवेयर तैयार किया गया है। सॉफ्टवेयर की टेस्टिंग भी की जा चुकी है। अब सॉफ्टवेयर के माध्यम से राज्य के विभिन्न जिलों में दुकानों के आवंटन के लिए मिलने वाले आवेदनों का त्वरित गति से निष्पादन हो सकेगा। कम से कम समय में ही यह तय हो जाएगा कि किस आवेदक को संबंधित दुकानों की बंदोबस्ती मिलेगी। इसके बाद संबंधित आवेदक द्वारा सभी तरह के शुल्क और अन्य दस्तावेज जमा कर दुकानों का लाइसेंस लिया जाएगा।

राज्य में शराब की खुदरा दुकानों की संख्या 1453 है, जिनकी बंदोबस्ती की जानी है। हालांकि, समीक्षा के बाद कुछ जिलों में खुदरा शराब की दुकानों में वृद्धि की भी संभावना है। दुकानों की बंदोबस्ती समूह के आधार पर की जाएगी। एक समूह में एक से लेकर अधिकतम चार दुकानें शामिल रहेंगी। सरकार का यह प्रयास रहेगा कि शराब की सभी 1453 खुदरा दुकानों की बंदोबस्ती हो जाए, ताकि सरकार को इसका पूरा का पूरा राजस्व मिल सके। इसके लिए विभागीय स्तर पर अलग से तैयारी की जाएगी, ताकि कोई भी दुकान बिना बंदोबस्त न रह सके। आयुक्त उत्पाद विजय कुमार सिन्हा प्रशिक्षण लेने राज्य से बाहर गए हैं। ऐसे में पांच अप्रैल से ही उत्पाद आयुक्त का पद खाली चल रहा है। वे 13 जून तक प्रशिक्षण में रहेंगे। इतनी लंबी अवधि के लिए भी किसी को उत्पाद आयुक्त का प्रभार नहीं दिया गया है। उत्पाद आयुक्त की अनुपस्थिति में ही नई उत्पाद नीति लागू करने की कार्रवाई शुरू की गई है। नई उत्पाद नीति के कैबिनेट से पारित होने के बाद अब सबसे पहले गजट नोटिफिकेशन किया जाएगा। इसके बाद मुख्यालय स्तर पर सेल नोटिफिकेशन जारी होगा। फिर मुख्यालय द्वारा भेजे गए प्रारूप के आधार पर राज्य के विभिन्न जिलों में सेल नोटिफिकेशन जारी किया जाएगा, जिसमें दुकानों के लिए कब आवेदन देना है, कब आवेदनों की स्क्रूटनी होगी, यह सारी जानकारी शराब कारोबारियों को दी जाएगी, ताकि वे दुकानों की बंदोबस्ती के लिए उचित दस्तावेज के साथ समय पर आवेदन जमा कर सकें।

Page 3_16.12.2018 PAGE-04.qxd 18-05-2025 22:00 Page 1

आरसीपी सिंह ने थामा जनसुराज का दामन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। जदयू के प्रदेश अध्यक्ष उमेश सिंह कुशवाहा ने रविवार को पूर्व केंद्रीय मंत्री आरसीपी सिंह पर तंज करते हुए कहा कि सियासी वजूद को पुनर्जीवित करने जनसुराज की शरण में पहुंचे हैं आरसीपी सिंह। जनसुराज के दरवाजे पर दस्तक देना आरसीपी के समाप्त हो चुके सियासी अस्तित्व का जीता जागता उदाहरण है।

जदयू प्रदेश अध्यक्ष ने आरसीपी सिंह पर कटाक्ष करते हुए कहा कि निजी स्वार्थ और विश्वासघात की राजनीति करने वालों का अंजाम ऐसा ही होता है। जो व्यक्ति कभी मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को कमजोर करने की साजिश में जुटा था आज वह अपने राजनीतिक पुनर्जीवन की तलाश में भटक रहा है।

यह स्थिति उस कहावत को चरितार्थ करता है कि जैसी करनी, वैसी भरनी। आरसीपी और पीके की जोड़ी वैसी ही है जैसे बिन डोर की पतंग। ऐसे पतंग को न ऊंचाई मिलती है और न ही उड़ान।

दोनों अपनी साख बचाने की जुगत में हैं, लेकिन यह प्रयास बेनतीजा ही साबित होगा। बिहार की जनता इन दोनों के चाल, चरित्र और चेहरे को भली-भांति पहचानती है।

जदयू प्रदेश अध्यक्ष उमेश सिंह कुशवाहा ने शनिवार को कहा कि जदयू के कार्यकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष व राज्यसभा सदस्य संजय झा के नेतृत्व में आतंकवाद के विरुद्ध भारत अंतरराष्ट्रीय मंचों पर मजबूती से आवाज बुलंद करेगा।

केंद्र सरकार द्वारा गठित सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व संजय झा को देना समस्त प्रदेशवासियों के लिए गौरव की बात है।

जदयू प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि यह सिर्फ एक प्रतिनिधिमंडल नहीं बल्कि भारत की ओर से विश्व को दिया गया संदेश है कि आतंकवाद के अंधकार में भारत उम्मीद की एक दृढ़, सक्षम और नेतृत्वकारी रौशनी बनकर खड़ा है।

कांग्रेस कार्यालय में लगी भीषण आग

शेखपुरा। शेखपुरा के स्टेशन रोड स्थित कांग्रेस पार्टी के जिला कार्यालय ऐतिहासिक आजाद हिंद आश्रम के एक भाग में रविवार की दोपहर अचानक आग लग गई।

आग की तेज लपटों तथा धुएं से क्षेत्र में हड़कंप मच गया। बाद में पुलिस की सूचना पर दमकल स्टेशन ने आग पर काबू पाया।

पार्टी के जिला उपाध्यक्ष आनंदी कुमार यादव ने बताया यह आग कांग्रेस कार्यालय के मुख्य भवन से सटे पुराने खपरैल भवन में लगी अन्यथा भारी नुकसान हो सकता था।

यादव ने बताया कुछ देर पूर्व ही कांग्रेस की बैठक संपन्न हुई थी, उसके बाद आग लगने की यह घटना हुई। आशंका जताई जा रही है किसी ने जानबूझकर यह आग लगाई है।

बता दें पिछले महीने ही जिला कांग्रेस के नए अध्यक्ष का मनोनयन हुआ है। रविवार की दोपहर अचानक से कांग्रेस कार्यालय परिसर में आग से हड़कंप मच गया। कांग्रेस कार्यालय के चारों तरफ घनी आबादी है तथा एक तरफ शेखपुरा डायट का छात्रावास अवस्थित है।

जाम से कराहता रहा बिदुपुर-राघोपुर पीपा पुल

ओवरटेक करने से जाम, सोलिंग कार्य भी अधूरा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बिदुपुर। बिदुपुर और राघोपुर प्रखंड को जोड़ने वाली गंगा नदी पर बना जमींदारी घाट पीपा पुल इन दिनों जाम की गंभीर समस्या से जूझ रहा है। खासकर लगन के मौसम में आम लोगों को भारी परेशानी हो रही है।

इस पुल से होकर रोजाना हजारों लोगों राघोपुर और राघोपुर से बिदुपुर, महनार, हाजीपुर आदि जगहों के लिए सफर करते हैं। पुल पर लग रहे भीषण जाम की वजह से रोजाना ड्यूटी करने वाले सरकारी कर्मचारी, किसान और अन्य यात्रियों को भी आवागमन में मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है।

लगन और खेती के मौसम में वाहनों की आवाजाही में काफी वृद्धि हुई है, जिससे पुल पर दबाव लगातार बढ़ रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि पुल के उत्तर और दक्षिण छोर पर पुलिस या चौकीदार की तैनाती होनी चाहिए, ताकि वाहन चालक ओवरटेक न करें और पंक्ति में चलें।

बताया जाता है कि पीपा पुल का निर्माण पहले ही निर्धारित समय से काफी विलंब से हुआ। निर्माण के बाद भी विभागीय उदासीनता और संवेदक की लापरवाही के चलते कार्य प्राक्कलन के अनुरूप नहीं किया गया। नतीजतन, कभी पुल का प्लाटून बह जाता है, तो कभी रेलिंग टूटकर ट्रैक्टर गंगा नदी में गिर जाती है।

ग्रामीणों और यात्रियों का आरोप है कि पीपा पुल के एप्रोच रोड पर ईंट सोलिंग ठीक से नहीं की गई है। इस कारण जब वाहन ओवरटेक करने की कोशिश करते हैं, तो वे बालू में फंस जाते हैं। इससे पुल के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग जाती हैं।

चिलचिलाती धूप में राहगीर और स्थानीय नागरिक बेहद परेशान नजर आते हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि यह क्षेत्र विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष एवं पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव का निर्वाचन क्षेत्र है। इसके बावजूद पीपा पुल और एप्रोच रोड का निर्माण सही तरीके से नहीं किया गया है। आम लोग लगातार इस अव्यवस्था की शिकायतें की जा रही हैं।

मंजू बनीं मिस्टर एंड मिस सीनियर फैशन पेजेंट इंडिया 2025 की 'गुडनेस एंबेसडर'

मिसेज एलीट बिहार 2024 का भी जीत चुकी है खिताब

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बिहारशरीफ। मुंबई के एक ऑडिटोरियम में आयोजित मिस्टर एंड मिस सीनियर फैशन पेजेंट इंडिया 2025 के भव्य फिनाले में नालंदा की मंजू प्रसाद ने गुडनेस एंबेसडर का खिताब जीतकर जिले का नाम रोशन किया।

पीच इवेंट्स द्वारा प्रस्तुत और रेखा देसाई द्वारा क्यूरेट इस फैशन शो में देशभर के 55 वर्ष से अधिक आयु के प्रतिभागियों ने भाग लिया।

मंजू प्रसाद ने इस मौके पर भावुक होते हुए कहा कि यह पल मेरे लिए किसी सपने से कम नहीं। मेरे पति डॉ. अवधेश की प्रेरणा और बच्चों के सहयोग ने मुझे इस मुकाम तक पहुंचाया।

वे इससे पहले मिसेज एलिट बिहार 2024 का खिताब भी जीत चुकी हैं। कार्यक्रम के तहत चार दिवसीय ग्रूमिंग सत्र आयोजित किए गए, जिसे उद्योग विशेषज्ञ शाकिर शेख ने संचालित किया।

फाइनल राउंड में प्रतिभागियों ने टैलेंट शो और प्रश्नोत्तर सत्र में अपने व्यक्तित्व, आत्मविश्वास और जीवन के अनुभव को बखूबी प्रदर्शित किया।

मंजू प्रसाद ने कहा कि यह अनुभव मेरे लिए यादगार रहेगा। इस मंच ने साबित कर दिया कि आत्मविश्वास, शान और जीवन की भावना को उम्र की सीमा नहीं बांध सकती।

उन्होंने भविष्य में भी ऐसे आयोजनों में भाग लेने की इच्छा जताई। कार्यक्रम के अंत में जब विजेताओं के नामों की घोषणा हुई, तो मंच पर खुशी और गर्व के आंसुओं ने माहौल को भावुक बना दिया।

मंजू प्रसाद की यह उपलब्धि उम्र की रूढ़ियों को तोड़ने की प्रेरणा बनी है।

राजधानी एक्सप्रेस से अंग्रेजी शराब की बड़ी खेप बरामद

चार धंधेबाज हुए गिरफ्तार, लंबे समय से धंधे में जुड़े हैं लोग

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मुजफ्फरपुर। राजकीय रेल पुलिस की विशेष टीम ने गुप्त सूचना पर नई दिल्ली-डिब्रूगढ़ राजधानी एक्सप्रेस (ट्रेन नंबर 20503) के दो कोचों से शराब तस्करी कर रहे चार धंधेबाजों को दबोचा।

पुलिस ने पांच ट्राली व तीन बैगों में छिपाकर ले जाई जा रही 187 बोतल अंग्रेजी शराब जब्त की। जीआरपी थानाध्यक्ष रंजीत कुमार ने बताया मुजफ्फरपुर रेलवे पुलिस ने उत्पाद अधिनियम के तहत पूर्वी चंपारण के इन चारों तस्करों के खिलाफ केस दर्ज किया है।

जांच अधिकारी बीरेंद्र कुमार ने बताया प्रारंभिक पूछताछ के बाद सभी को विशेष न्यायालय में पेश किया गया। वहां से चारों को जेल भेजा गया। रेल पुलिस ने मोतिहारी से इनके आपराधिक रिकॉर्ड की जानकारी मांगी है।

एक आरोपित का पहले से ही आपराधिक इतिहास सामने आया है। जानकारी के अनुसार उच्चाधिकारियों के निर्देश पर राजधानी एक्सप्रेस के बी-3 व बी-7 कोच में छापेमारी की गई।

संदिग्ध गतिविधियों को देखते हुए चार युवकों को पकड़ा गया। उनके सामान की जांच करने पर 187 बोतल (140.25 लीटर) अंग्रेजी शराब मिली।

गिरफ्तार आरोपितों में प्रिंस कुमार (हाजीपुर), रोहित कुमार पांडेय (महुआवा), आकाश कुमार (तुरकौलिया) व रोशन कुमार (पट्टीजसौली) शामिल है।

पुलिस के अनुसार, यह गिरोह लंबे समय से ट्रेन के माध्यम से शराब की तस्करी कर रहा था और हरियाणा के एक बड़े शराब माफिया से जुड़ा था। आरोपितों के मोबाइल फोन भी जब्त किए गए हैं ताकि इस नेटवर्क के अन्य बदमाशों का पता लगाया जा सके।

जेसीबी की ठोकर से सड़क पर ही धधक उठी बाइक

बाइक सवार की मौके पर ही मौत

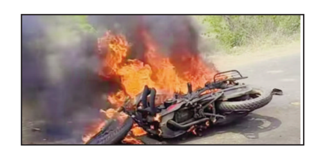

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

जमुई। बरहट थाना क्षेत्र के मलयपुर-लक्ष्मीपुर मुख्य मार्ग बखारी चौक के पास रविवार की दोपहर बाइक और जेसीबी के बीच जोरदार टक्कर हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि बाइक जेसीबी से टकराते ही जलकर राख हो गई और आग का गोला बन गई। इस घटना में बाइक चालक की मौके पर ही मौत हो गई। मृतक की पहचान लक्ष्मीपुर थाना क्षेत्र के एकडरवा गांव निवासी राजकुमार यादव, पिता योगेंद्र यादव के रूप में की गई है।

बताया जाता है कि राजकुमार यादव पल्सर बाइक से मलयपुर की ओर जा रहे थे, तभी बखारी चौक के पास एक जेसीबी ने बाइक में टक्कर मार दी, जिसके बाद बाइक की टंकी और पहिये में जोरदार ब्लास्ट हो गया। धमाके के साथ ही बाइक में आग लग गई और कुछ ही देर में पूरी बाइक जलकर राख हो गई। हादसे में राजकुमार की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं घटना के बाद स्थानीय लोगों की भीड़ जमा हो गई और इसकी सूचना पुलिस को दी गई।

सूचना के बाद बरहट थाना अध्यक्ष कुमार संजीव दलबल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे और मामले की जांच शुरू कर दी है। फिलहाल पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है और मामले की गहन जांच जारी है। ग्रामीणों ने बताया कि वह पेशे से ट्रक ड्राइवर था। ट्रक चलाकर घर आया था, पत्नी की तबीयत खराब थी और उसे दिखाने के लिए जमुई आया था। जमुई में ही पत्नी और मां को छोड़ कर वो वापस आ रहा था। तभी बखारी गांव के पास एक जेसीबी वाले ने टक्कर मार दी, जिससे उसकी मौत हो गई।

सड़क दुर्घटना में युवक की मौत

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

सीवान। भगवानपुर हाट थाना क्षेत्र के पिंडरा गांव के समीप रविवार की दोपहर एक सड़क दुर्घटना में बाइक सवार युवक की मौत हो गई। मृतक की पहचान रामपुर लोहा गांव निवासी मदन बाजपुर के 35 वर्षीय पुत्र वीरेंद्र बसपुर के रूप में की गई है।

परिजनों के अनुसार, वीरेंद्र एक रिश्तेदार के यहाँ साड़ी समारोह में शामिल होने गए थे। रविवार की दोपहर वह बाइक से अपने घर लौट रहे थे, तभी इंदिरा गांव के पास एक अज्ञात वाहन ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में वह गंभीर रूप से घायल हो गए।

स्थानीय लोगों की मदद से उन्हें इलाज के लिए भगवानपुर पीएचसी लाया गया, जहां डॉक्टरों ने स्थिति नाजुक देखते हुए उन्हें सदर अस्पताल रेफर कर दिया। वहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। सूचना मिलने पर परिजन सदर अस्पताल पहुंचे। आवश्यक कागजी प्रक्रिया के बाद शव का पोस्टमार्टम कर परिजनों को सौंप दिया गया।

जिले में 32 बीपीएससी शिक्षकों ने दिया त्यागपत्र

961 शिक्षकों को देना है योगदान

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

भागलपुर। बिहार के भागलपुर जिले में (बीपीएससी) टीआरई-थ्री के शिक्षकों द्वारा स्कूलों मे योगदान देने का कार्य जारी है। टीआरई-थ्री में जाने के लिए जिले के टीआरई-वन और टीआरई-टू के अभी तक कुल 32 शिक्षकों ने त्यागपत्र दिया है।

वहीं, जिले के आठ विशिष्ट शिक्षकों ने भी टीआरई-थ्री ज्वाइन करने के लिए त्यागपत्र दिया है। डीपीओ (स्थापना) देवनारायण पंडित ने बताया कि टीआरई थ्री के तहत 961 शिक्षकों को स्कूलों में योगदान देना है। जिसमें अभी तक जिलेभर में 332 शिक्षकों ने योगदान दे चुके हैं।

गर्मी छुट्टी में ही अतिथि शिक्षकों की सेवा नवीकरण की मांग

उधर, नाथनगर (भागलपुर) में टीएमबीयु के अतिथि शिक्षक संघ के अध्यक्ष डॉ. आनंद आजाद ने विभिन्न अंगीभूत महाविद्यालयों तथा स्नातकोत्तर विभागों में कार्यरत अतिथि शिक्षकों के सेवा नवीकरण को लेकर 20 जून तक प्रक्रिया पूर्ण करते हुए 21 जून से सेवा नवीकृत किए जाने की मांग की है।

उन्होंने कुलपति तथा कुलसचिव को दिए आवेदन में कहा है कि पूर्व में 01 जून से 30 जून तक होने वाले ग्रीष्मावकाश के दौरान अतिथि शिक्षकों के सेवा नवीकरण की प्रक्रिया करते हुए 01 जुलाई से उनकी सेवा नवीकृत कर दिया जाता था।

वहीं, राजभवन द्वारा जारी किए गए अवकाश तालिका के अनुसार इस बार 21 मई से 20 जून तक ग्रीष्मावकाश घोषित किया गया है। अतः इस बार इस ग्रीष्मावकाश में अतिथि शिक्षकों के सेवा नवीकरण की प्रक्रिया पूर्ण करते हुए 21 जून से अतिथि शिक्षकों की सेवा नवीकृत करने कृपा की जाए।

हथियारबंद अपराधियों ने युवक को गोलियों से भूना

- गुस्साये लोगों ने टायर जलाकर किया सड़क जाम
- घटनास्थल से पांच खोखा व एक पिलेट बरामद
- छह के खिलाफ नामजद प्राथमिकी, दो गिरफ्तार

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

आरा। टाउन थाना क्षेत्र के सपना सिनेमा मोड़ स्थित अंबेडकर कॉलोनी में रविवार की सुबह बाइक सवार हथियारबंद अपराधियों ने पूर्व की रंजिश को लेकर घर के बाहर ही एक युवक को गोलियों से भून दिया।

जिससे युवक की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। मृतक 20 वर्षीय बिरजू कुमार टाउन थाना क्षेत्र के शिवगंज अंबेडकर कॉलोनी निवासी सुदामा राम के पुत्र थे। काफी करीब से पांच गोली मारी गई थी।

मृतक के शरीर में बाएं गाल, दाएं साइड सीना, पंजरी, पीठ एवं बाएं तरफ कमर के पास गोली के जख्म का निशान पाया गया है। वारदात के बाद सदर एएसपी परिचय कुमार घटनास्थल पहुंचे और मृतक स्वजनों से मिल घटना की जानकारी ली।

घटनास्थल से पांच खोखा एवं एक पिलेट भी बरामद किया गया है। पुलिस आसपास के इलाके में लगे सीसीटीवी कैमरे को भी खंगाल रही है।

एएसपी ने कहा कि कांड में संलिप्त आरोपितो की पहचान हो चुकी है। मृतक के पिता सुदामा राम ने छह लोगों के खिलाफ नामजद प्राथमिकी कराई गई है। दो आरोपितों मनोज यादव एवं उसके भाई प्रमोद यादव को गिरफ्तार कर पूछताछ चल रही है।

प्रारंभिक जांच में यह बात सामने आई है कि दोनों पक्षों के बीच पुराना विवाद चला आ है। मृतक का बड़ा भाई एक हत्या में आरोपित था। उसी विवाद को लेकर हत्या की गई है। घटना सुबह साढ़े दस बजे के आसपास की है। हत्या के बाद आक्रोशित लोगों ने शिवगंज मोड़ मोड़ तीनमुहान जाम कर दिया और टायर जलाकर आगजनी की गई।मृतक के बड़े भाई वीरा कुमार ने बताया कि रविवार की सुबह उनका छोटा भाई बिरजू कुमार नाश्ता कर घर के बाहर बैठा हुआ था, तभी पल्सर बाइक पर सवार तीन आरोपित आए और ताबड़तोड़ गोलियों से भूनकर उसकी हत्या कर दी।

अपराधियों ने दिनदहाड़े युवक को गोली मारी

पटना। पटना सिटी में अपराधियों ने दिनदहाड़े एक युवक को अपराधियों ने गोली मार दिया। उसकी हालत गंभीर है। घटना के इलाके में हड़कंप मच गया। आसपास के लोगों की भीड़ लग गई। घटना की जानकारी मिलते ही चौक थाना की पुलिस मौके पर पहुंच गई और जांच में जुट गई। साथ ही आसपास के सीसीटीवी फुटेज को खंगालने में जुट गई है। पुलिस के अनुसार, आपसी विवाद में युवक को गोली लगने की बात सामने आ रही है। घायल युवक की पहचान मोहम्मद रियाजुद्दीन के पुत्र मोहम्मद काजिम (30 वर्ष) के रूप में हुई है। गंभीर हालत में काजिम को एनएमसीएच में भर्ती कराया गया है। यहां उसका इलाज चल रहा है।

परिजनों का कहना है कि घटना के समय काजिम अपने घर पर था। घर पर खाना बनाया जा रहा था। अचानक गोली की आवाज सुनाई दी और जब परिवार के लोग बाहर निकले, तो दंग रह गए। काजिम को बेहोश गिरा पड़ा था। काजिम की बहन और पत्नी ने बताया कि मोहल्ले के ही एक शख्स से ही विवाद चल रहा था। कुछ दिन पहले भी दोनों के बीच विवाद हुआ था। आशंका है कि इस विवाद के कारण उसपर जानलेवा हमला हुआ है। चौक थाना की पुलिस ने बताया कि गोली लगने की सूचना मिलने के बाद वे तुरंत घटनास्थल पर पहुंच गए थे।

जिले में आंधी-तूफान ने बरपाया कहर, चार लोगों की ली जान

वज्रपात से तीन, पेड़ गिरने से एक की गयी जान

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मधेपुरा। जिले में रविवार को अलग-अलग स्थानों पर आकाशीय बिजली गिरने और तेज आंधी-तूफान की वजह से चार लोगों की दर्दनाक मौत हो गई। मृतकों में दो किसान, एक बुजुर्ग और एक महिला शामिल हैं। वहीं, एक किशोरी झुलसकर घायल हो गई है, जिसका इलाज निजी क्लिनिक में चल रहा है। घटनाओं में कई मवेशियों की भी मौत हुई है, जबकि कई मकानों को नुकसान पहुंचा है।

शंकरपुर थाना क्षेत्र के झरकाहा गांव में रविवार दोपहर ठनका गिरने से दो किसानों की मौत हो गई। मृतकों की पहचान वार्ड संख्या 7 निवासी उपेंद्र यादव के पुत्र सुभाष यादव (42) और बैद्यनाथ यादव के पुत्र संजय कुमार यादव (34) के रूप में हुई है।

सूत्रों के अनुसार, दोनों किसान दोपहर लगभग तीन बजे मक्के की फसल को ढंकने खेत में गए थे। अचानक तेज बारिश शुरू हो गई, तो वे पास के एक घर में शरण लेने लगे। इसी दौरान उन पर आकाशीय बिजली गिर गई, जिससे दोनों गंभीर रूप से झुलस गए। ग्रामीणों ने उन्हें इलाज के लिए जेएनकेटी मेडिकल कॉलेज ले जाने की कोशिश की, लेकिन रास्ते में ही दोनों ने दम तोड़ दिया। सुभाष यादव पांच बेटियों और एक बेटे के पिता थे। उनकी दो बेटियों की शादी हो चुकी थी, जबकि सबसे छोटा बेटा मात्र पांच साल का है। संजय कुमार यादव के भी दो बेटे हैं। घटना की सूचना मिलते ही शंकरपुर थानाध्यक्ष रोशन कुमार मौके पर पहुंचे और दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए मधेपुरा सदर अस्पताल भेजा गया।

सिंहेश्वर प्रखंड के रामपट्टी गांव में रविवार दोपहर आए तेज आंधी-तूफान के दौरान एक विशाल पीपल का पेड़ गिरने से बिंदेश्वरी यादव (70) की मौत हो गई। वे वार्ड संख्या 7 के निवासी थे और घटना के समय घर के बाहर मचान पर बैठे हुए थे। आंधी में पीपल का पेड़ उखड़कर उन पर गिर गया, जिससे वे उसकी चपेट में आ गए और मौके पर ही उनकी जान चली गई।

श्रीनगर थाना क्षेत्र के लक्ष्मीपुर भगवती पंचायत अंतर्गत चैनपुर वार्ड संख्या 2 की रहने वाली सोफिया खातून (35) रविवार दोपहर बाद मवेशियों के लिए चारा लेकर खेत से घर लौट रही थीं। उसी दौरान बारिश के साथ आकाशीय बिजली गिरी, जिसकी चपेट में आने से मौके पर ही उनकी मौत हो गई। उनके साथ मौजूद रजिया खातून (15) झुलस गईं, जिन्हें स्थानीय निजी क्लिनिक में भर्ती कराया गया है।

स्वास्थ्य योजनाओं का शुभारंभ

बेगूसराय। जिले के लोगों को अब बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं के लिए दूर-दराज के अस्पतालों में नहीं जाना पड़ेगा। जिले के पांच प्रमुख अस्पतालों में अत्याधुनिक ओटी और मॉड्यूलर लेबर रूम की सुविधा शुरू कर दी गई है। रविवार को केंद्रीय वस्त्र मंत्री एवं बेगूसराय के सांसद गिरिराज सिंह ने इन स्वास्थ्य सुविधाओं का सामूहिक उद्घाटन किया।इस सामूहिक लोकार्पण कार्यक्रम का आयोजन चेरिया बरियारपुर के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र परिसर से किया गया। यहीं से वर्चुअल माध्यम के जरिए ने जिले के चार अन्य अस्पतालों खोदावंदपुर, बरौनी, साहेबपुर कमाल और बलिया अनुमंडलीय अस्पताल में नवनिर्मित ओटी और लेबर रूम का भी उद्घाटन किया। बता दें कि बेगूसराय जिले को आकांक्षी जिला कार्यक्रम के अंतर्गत पुरस्कार राशि प्राप्त हुई थी। इसी राशि का उपयोग करते हुए जिला प्रशासन द्वारा यह परियोजना पूरी की गई। जिलाधिकारी तुषार सिंगला के नेतृत्व में इन अत्याधुनिक स्वास्थ्य सुविधाओं का निर्माण किया गया, जिससे जिले की स्वास्थ्य सेवाओं को नई दिशा मिलेगी।

भूसे में छिपाकर ले जायी जा रही शराब की बड़ी खेप बरामद

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

हाजीपुर। पटना मद्य निषेध की गुप्त सूचना के आधार पर बराटी थाना की पुलिस ने एएलटीएफ टीम की मदद से बिदुपुर बाजार रोड पुलिया के निकट से एक ट्रक अंग्रेजी शराब एक स्कॉर्पियो समेत अंतरराज्यीय और अंतरजिला के आधा दर्जन तस्कर को गिरफ्तार कर लिया।

गिरफ्तार किए गए आधा दर्जन व्यक्ति में चार गाड़ी पासिंग करने वाले, जबकि ट्रक का एक चालक और एक खलासी बताया गया। गिरफ्तार किए गए आधा दर्जन तस्कर में दो झारखंड, जबकि चार गया जिले के बताए गए हैं।

पुलिस ने 6 चक्का ट्रक में धान के भूसा में छुपाकर रखा गया 1798.5 लीटर अंग्रेजी शराब बरामद किया। पुलिस ने गिरफ्तार किए गए छह तस्कर के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कर न्यायिक हिरासत में जेल भेजा है।

यह जानकारी एसपी ललित मोहन शर्मा ने दी। उन्होंने कहा मद्य निषेध पटना बिहार के द्वारा बराटी थानाध्यक्ष आशुतोष शुक्ला को सूचना मिली कि एक सफेद रंग का स्कॉर्पियो पासिंग के काम में एक डीसीएम 6 चक्का ट्रक में शराब लेकर बिदुपुर बाजार रोड से महुआ तरफ जाने वाला है। पुलिस ने सूचना मिलते ही बिदुपुर बाजार रोड पुलिया के पास पहुंचे तो देखा कि दो गाड़ी दक्षिण दिशा की ओर से आ रहा था, तभी साथ के सशस्त्र बल के सहयोग से रोका गया तो स्कॉर्पियो रूक गयी तथा लगभग 50 मीटर पीछे एक ट्रक रूक गई। जिसे दोनों वाहनों को साथ के बल के सहयोग से घेर लिया गया।

स्कॉर्पियो पर सवार चार व्यक्ति बारी-बारी से नाम पता पूछने पर कृष्ण प्रजापति, कुंदन कुमार, अविनाश कुमार, अभिनंदन कुमार अपना नाम बताया। उक्त चारों से ट्रक में क्या है पूछने पर हिचकिचाने लगे तो सख्ती से पूछने पर बताए कि ट्रक में अंग्रेजी शराब है।

जिसका हमलोग पासिंग का काम कर रहे है, तभी बाकि व्यक्ति को अपने अभिरक्षा में लेते हुए ट्रक के ड्राइवर एवं खलासी को पकड़ लिया गया।

गिरफ्तार चालक और खलासी ने अपना नाम मनोज यादव एवं सरवन कुमार बताया। उसके बाद ट्रक की तालाशी ली गई तो ट्रक में धान के भूसा के नीचे इंपीरियल ब्लू 375 एमएल का 111 कार्टून, करीब 999 लीटर, फोर सेल इन पंजाब लिखा हुआ, रॉयल स्टैग 375 एमएल का कुल 87 कार्टून, करीब 783 लीटर, रॉयल स्टैग 750 एमएल का 22 बोतल करीब 16.5 लीटर फोर सेल इन झारखंड लिखा हुआ बरामद किया गया। बरामद अंग्रेजी शराब कुल 1798.5 लीटर बताया गया। गिरफ्तार तस्कर से गहन पूछताछ के बाद प्राथमिकी दर्ज कर न्यायिक हिरासत में जेल भेजा गया है।

नकली चिप्स फैक्ट्री में छापेमारी

मुजफ्फरपुर। बेला औद्योगिक क्षेत्र स्थित फेज-2 में शनिवार को पुलिस ने नकली चिप्स बनाने वाली फैक्ट्री पर छापेमारी की।

बेला थाने की पुलिस के पहुंचते ही पीछे के रास्ते से कई कर्मी और मैनेजर समेत अन्य भाग निकले। मौके से पांच कर्मियों को पुलिस ने पूछताछ के लिए हिरासत में लिया है। थानाध्यक्ष ने बताया कि चिप्स कंपनी के मार्केटिंग हेड धीरेंद्र राय ने इसे लेकर थाने में शिकायत की थी। इसी आधार पर छापेमारी कर वहां पर भारी मात्रा में रैपर, पैकेजिंग सामग्री और कच्चा माल जब्त किया गया है।

हिरासत में लिए गए कर्मियों से फैक्ट्री संचालक और मैनेजर के बारे में पूछताछ कर आगे की कार्रवाई की जा रही है। बताया गया कि कंपनी के अधिकारियों तक चिप्स के उत्पाद की गुणवत्ता को लेकर लगातार शिकायत पहुंच रही थी और बिक्री पर भी असर पड़ रहा था।

315 नवचयनित प्रखंड उद्यान पदाधिकारियों को मिलेगा नियुक्ति पत्र

62 अनुमंडल स्तर पर कृषि भवनों के निर्माण का होगा शिलान्यास

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। नीतीश कुमार द्वारा दिनांक 19.05.2025 को कृषि भवन, मीठापुर, पटना में कृषि विभाग में नवनियुक्त प्रखंड उद्यान पदाधिकारियों को नियुक्ति/नियोजन पत्र का वितरण, कृषि अभियंत्रण महाविद्यालय, आरा (भोजपुर) का कार्यारंभ, अनुमंडल स्तर पर कृषि भवनों के निर्माण का शिलान्यास, ''बिहार कृषि'' मोबाईल ऐप की शुरूआत तथा खरीफ महाअभियान, 2025 का शुभारंभ किया जायेगा। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता उप मुख्यमंत्री-सह-कृषि मंत्री विजय कुमार सिन्हा द्वारा की जायेगी। इस कार्यक्रम में उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, मंत्री, जल संसाधन विभाग विजय कुमार चौधरी, मंत्री, स्वास्थ्य विभाग मंगल पाण्डेय तथा मंत्री, भवन निर्माण विभाग जयंत राज विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। सचिव, कृषि विभाग संजय कुमार अग्रवाल द्वारा बताया गया कि बिहार लोक सेवा आयोग द्वारा कृषि विभाग में अनुशंसित 315 अभ्यर्थियों को प्रखण्ड उद्यान पदाधिकारी के पद के लिए नियुक्ति पत्र का वितरण किया जायेगा, जिसमें 150 अभ्यर्थी महिलाएँ है। कृषि अनुसंधान एवं शिक्षा की व्यवस्था को और सुदृढ़ बनाने हेतु आरा (भोजपुर) में 144.72 करोड़ रू0 लागत से कृषि अभियंत्रण महाविद्यालय, आरा (भोजपुर) का कार्यारंभ भी माननीय मुख्यमंत्री द्वारा किया जायेगा। साथ ही, 62 अनुमंडल स्तर पर कृषि भवनों के निर्माण का शिलान्यास किया जायेगा। श्री अग्रवाल ने बताया कि किसानों को कृषि विभाग की सभी योजनाओं की जानकारी उपलब्ध कराने के लिए बिहार कृषि मोबाईल ऐप की शुरुआत भी मुख्यमंत्री द्वारा की जायेगी। यह ऐप किसानों को विभिन्न योजनाओं में आवेदन करने, उनकी स्थिति जानने, स्वीकृति और पुष्टि जैसी महत्वपूर्ण जानकारियों को सहजता से प्राप्त करने की सुविधा प्रदान करेगी। इसके माध्यम से कृषि से जुड़ी सभी सेवाएं और सूचनाएँ डिजिटल रूप से सुलभ हो जायेगी, जिससे किसानों को समय और संसाधनों की बचत होगी। इस ऐप की यह विशेषता है कि इसमें किसानों के लिए डिजिटल पासबुक की व्यवस्था की गई है, जो बैंक पासबुक की तरह कार्य करती है। इसमें किसान को प्राप्त सभी लाभ, अनुदान, आवेदन की स्थिति, भुगतान की जानकारी आदि सुव्यवस्थित रूप से दर्ज रहेंगे। इसके अतिरिक्त पौधा संरक्षण सलाह, फसलों के बाज़ार मूल्य, मृदा स्वास्थ्य कार्ड, बिहार कृषि रेडियो, मौसम सम्बन्धित जानकारी आदि महत्वपूर्ण सूचनाएँ उपलब्ध रहेंगी। सचिव ने बताया कि मुख्यमंत्री द्वारा कृषि भवन परिसर में किसान जागरूकता वाहन को हरी झंडी दिखाकर खरीफ महाभियान 2025 की शुरूआत भी की जायेगी। इन वाहनों के माध्यम से योजनाओं एवं आधुनिक तकनीक से खेती करने के तरीकों का प्रचार-प्रसार किया जायेगा। साथ ही, किसानों की खेती-बारी में आने वाली समस्याओं का निराकरण भी किया जाएगा।

राहुल गांधी के बिहार दौरे से कांग्रेस ने बिहार में बढाई अपनी सक्रियता

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। बिहार विधानसभा चुनाव को लेकर कांग्रेस पूरी तरह एक्शन मोड में आ गई है। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के लगातार बिहार दौरे से खुद को मजबूत कर इस बार वह अपनी पूरी ताकत झोंकने में जुट गई है। कहा तो यह भी जा रहा है कि चुनावी कमान को राहुल गांधी ने खुद अपने हाथों में ले रखा है। यही वजह है कि राहुल गांधी बिहार में कांग्रेस की स्थिति मजबूत करने के लिए लगातार दौरे कर रहे हैं। राहुल गांधी 15 दिनों के भीतर दूसरी बार 27 मई को बिहार आने वाले हैं। पार्टी सूत्रों के अनुसार, कांग्रेस का प्रदेश नेतृत्व नालंदा में अत्यंत पिछड़ा और पिछड़ा वर्ग के सम्मेलन की तैयारी कर रहा है। इसमें राहुल गांधी के शामिल होने की संभावना है। नालंदा मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का गृह जिला है और यह उनका मजबूत गढ़ माना जाता है। इसके साथ ही अत्यंत पिछड़ा वर्ग सीएम नीतीश कुमार का परंपरागत वोट बैंक है। ऐसे में नालंदा में अत्यंत पिछड़ा वर्ग सम्मेलन में राहुल गांधी के शामिल होने को नीतीश कुमार के वोट बैंक में सेंधमारी की कोशिश के तौर पर देखा जा रहा है। कांग्रेस सूत्रों के अनुसार नालंदा के सम्मेलन में राज्य और जिलास्तर के नेताओं के अलावा बड़ी संख्या में अत्यंत पिछड़ा वर्ग के लोग शामिल होंगे। अगर यह दौरा होता है तो बीते पांच महीनों में राहुल गांधी का यह पांचवां बिहार दौरा होगा। इससे पहले वह 18 जनवरी, 4 फरवरी, 7 अप्रैल और 15 मई को बिहार आ चुके हैं। इसी महीने 15 को वे दरभंगा और पटना पहुंचे थे। उल्लेखनीय है कि बिहार की राजनीति में फिर से अपनी पकड़ बनाने के लिए राहुल गांधी जातीय किलेबंदी करने में जुटे हैं। इस बार बिहार चुनाव में राहुल गांधी का फोकस दलित और और पिछड़ा वर्ग के मतदाताओं पर है। 2023 में बिहार में हुई जातीय जनगणना की रिपोर्ट के मुताबिक बिहार में दलितों की आबादी लगभग 19 फीसदी है। बिहार विधानसभा की 243 सीटों में से 38 सीटें अनुसूचित जाति और 2 सीटें अनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षित हैं।

पटना विश्वविद्यालय के पूर्व छात्रों ने किया एक समूह का गठन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। वाणिज्य महाविद्यालय, पटना विश्वविद्यालय के पूर्व छात्रों (सत्र 1980-84) ने एक नए समूह का गठन किया है, जो चालीस साल के लंबे अंतराल के बाद एक साथ आए हैं। इस समूह की पहली बैठक मौर्या होटल के बॉलीवुड ट्रीट में आयोजित की गई थी, जिसमें करीब 15-16 सदस्य उपस्थित हुए।इसमें मुख्य भूमिका के रूप में श्री संजय किशोर और पवन अग्रवाल ने किया और लोगों में फिल्म निर्देशक अनिल पॉल अन्नू, अमरेंद्र जी एव अन्य सदस्यों ने भी शिरकत किया। इस समूह का मुख्य उद्देश्य है पुराने मित्रों के साथ फिर से जुड़ना और महीने में एक बार क़रीब 17 तारीख हर महीने एक साथ मिलकर बैठक करना, पारिवारिक मिलन का आयोजन करना, और एक दूसरे के साथ आनंदमय समय बिताना। समूह का आकार 25-30 सदस्यों तक सीमित होगा, और इसमें समान विचारधारा वाले लोगों को शामिल किया जाएगा। बैठक के बाद, सदस्यों ने स्वादिष्ट भोजन का आनंद लिया और पुराने मित्रों से मिलने का अवसर प्राप्त किया। इस अवसर पर संगीत और नृत्य का भी आयोजन किया गया, जो एक यादगार पल बना।

आरसीपी और पीके दोनों विषैले सांप एक हो रहे हैं : नीरज कुमार

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। पूर्व केंद्रीय मंत्री और 'आसा' पार्टी के मुखिया आरसीपी सिंह के प्रशांत किशोर की जन सुराज पार्टी का दामन थाम लिए जाने पर जदयू ने तीखा प्रहार किया है। जदयू के मुख्य प्रवक्ता एवं विधान पार्षद नीरज कुमार ने जन सुराज पार्टी के सुप्रीमो प्रशांत किशोर और आरसीपी सिंह के एक होने के सवाल पर तंज कसते हुए कहा कि दोनों विषैले सांप एक हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि दोनों छूटा हुआ कारतूस हैं। ये लोग जिस थाली में खाते हैं, उसी थाली में छेद करते हैं। उन्होंने आरसीपी सिंह को 'राजनीति का विषैला कीटाणु' बताते हुए प्रशांत किशोर पर तेलंगाना की कंपनियों से आर्थिक लेनदेन का आरोप दोहराया। इस मौके पर उन्होंने तेजस्वी और राहुल गांधी पर भी कटाक्ष किया। नीरज कुमार ने चुनौती दी कि आरसीपी सिंह अगर नालंदा या किसी भी विधानसभा क्षेत्र से चुनाव लड़ें और मुखिया के उम्मीदवार से कम वोट न आए तो वे राजनीति छोड़ देंगे। नीरज कुमार ने दोनों नेताओं की विश्वसनीयता और राजनीतिक प्रासंगिकता पर सवाल उठाए। उन्होंने तेजस्वी यादव और राहुल गांधी पर भी हमला बोला। तेजस्वी पर तंज कसते हुए उन्होंने कहा कि वो अपनी पार्टी को संभाल नहीं पा रहे और बिहार में विकास की बात करते हैं। वहीं, राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि राहुल गांधी को पहले अपनी पार्टी की रणनीति समझनी चाहिए, फिर बिहार में दखल देना चाहिए। उल्लेखनीय है कि पूर्व नौकरशाह आरसीपी सिंह 2010 में राजनीति में आए और दो बार राज्यसभा सदस्य बने। नीतीश कुमार ने उन्हें अपना प्रधान सचिव भी बनाया था। लेकिन 2021 में केंद्रीय मंत्री बनने के बाद दोनों नेताओं के संबंधों में दरार आ गई। अब उनका प्रशांत किशोर के साथ आना बिहार की राजनीति में एक नई धुरी बना सकता है। वहीं, प्रशांत किशोर जो कभी नीतीश कुमार के करीबी सहयोगी रहे और जदयू के रणनीतिकार के तौर पर काम कर चुके हैं। अब अपनी पार्टी जन सुराज के जरिए बिहार में नई राजनीतिक जमीन तलाश रहे हैं।

आरसीपी सिंह ने अपनी पार्टी 'आसा' का किया जन सुराज में विलय

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

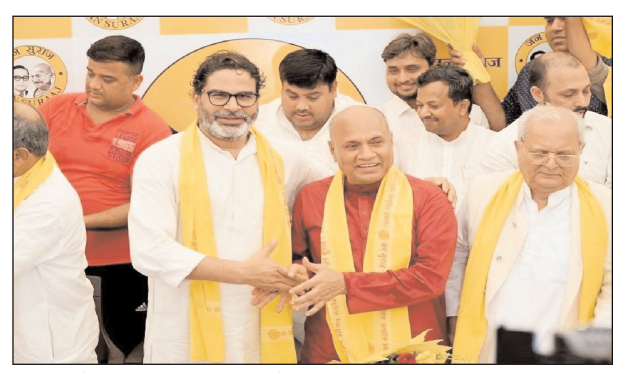

पटना। बिहार विधानसभा के आसन्न चुनाव के मद्देनजर सियासत में भाग्य आजमाने वाले लोग अपने राजनीतिक भविष्य को ध्यान में रखते हुए अपनी जगह बनाने में जुट गए हैं। इसी कड़ी में जदयू से नाता तोड़कर भाजपा का दामन थामने वाले पूर्व केन्द्रीय मंत्री आरसीपी सिंह ने पहले अपनी पार्टी 'आसा' बनाई। अब रविवार को उन्होंने अपनी पार्टी का विलय जनसुराज में कर दिया। प्रशांत किशोर के साथ उन्होंने प्रेस कांफ्रेंस किया और मीडिया के सामने अपनी पार्टी के विलय की जानकारी दी। इस दौरान आरसीपी सिंह और प्रशांत किशोर ने जदयू के कई कद्दावर नेताओं को निशाने पर लिया और उन पर जमकर हमला बोला। आरसीपी सिंह ने जनसुराज पार्टी में विलय करने की वजह भी बताई। आरसीपी सिंह ने कहा कि आज रविवार है, सूर्य भगवान का दिन है। मैंने कभी नहीं सोचा था कि मैं अपनी पार्टी का विलय करूंगा, लेकिन यह हो गया। यह ईश्वर का आशीर्वाद है। आरसीपी सिंह ने कहा कि वे पिछले दो वर्षों से बिहार में घूम रहे हैं, लोगों से मिल रहे हैं और अब एक नई लड़ाई के लिए तैयार हैं। महागठबंधन की सरकार के वक्त जैसी मेहनत की गई थी, अब फिर वैसी मेहनत होगी-मगर इस बार खुद के लिए। आरसीपी सिंह ने कहा कि 10 साल पहले जब महागठबंधन की सरकार बनी थी तब हम लोगों ने मिलकर मेहनत की थी और कामयाबी मिली थी। उन्होंने कहा कि एनडीए और इंडिया दोनों गठबंधन में हमलोगों ने काम किया। उन्होंने कहा कि हमलोग काम किए हैं और काम करके दिखाएंगे। आरसीपी सिंह ने कहा कि हम तीसरे नहीं बल्कि टॉप पर रहेंगे। उन्होंने कहा कि 2010 में वो अधिकारी थे। उसके बाद नीतीश कुमार के साथ जदयू में आए और फिर केंद्रीय मंत्री भी बने। बाद में सवा साल भाजपा में भी रहे। बाद में अपनी पार्टी बनाई। लेकिन निर्दलीय रहने से किसी का फायदा नहीं होता इसलिए जनसुराज के साथ जुड़े। आरसीपी सिंह ने कहा कि प्रशांत किशोर के साथ वो पहले भी काम कर चुके हैं।

वहीं, प्रशांत किशोर ने आरसीपी सिंह के जनसुराज संग आने को नीतीश कुमार के खिलाफ एक मजबूत गठजोड़ बताते हुए कहा कि 'कमजोर नीतीश कुमार को गिद्ध की तरह नोचा जा रहा है।' जदयू में जो लोग खुद को नेतृत्वकर्ता कहते हैं, वे नीतीश कुमार को कितना सहयोग करते थे, यह सबको पता है। पीके ने बिना किसी का नाम लिए यहां तक कहा कि नीतीश कुमार की सरकार में शामिल कुछ मंत्री 'वसूली मंत्री' हैं। उन्होंने कहा कि 2015 में नरेंद्र मोदी और भाजपा के विजय रथ को रोका जा सका था क्योंकि लालू यादव और नीतीश कुमार के साथ आने से पहले आरसीपी सिंह और प्रशांत किशोर साथ आए थे। 2015 के चुनाव जिताने में जरूर मेरी भूमिका थी। आज आरसीपी सिंह के साथ आने को मैं उसी संदर्भ में देखता हूं। पीके ने कहा कि उन्होंने नीतीश कुमार का साथ इसलिए छोड़ा क्योंकि जदयू ने सीएएस और एनआरसी का समर्थन किया। 'आरसीपी टैक्स' तंज को गलत करार देते हुए उन्होंने कहा कि आजतक पटना में एक घर भी आरसीपी सिंह ने नहीं बनाया। पीके ने कहा कि एक काबिल व्यक्ति ही जनसुराज का नेतृत्व करेगा। आरसीपी सिंह की भूमिका दल चलाने की होगी, वो पहले भी चला चुके हैं। बिना किसी शर्त वो साथ आए हैं। एनडीए और महागठबंधन को रोकने दोनों साथ हुए हैं।

विश्व उच्च रक्तचाप दिवस पर सेंट्रल हॉस्पिटल में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। विश्व उच्च रक्तचाप दिवस के अवसर पर साउथ ईस्टर्न रेलवे के सेंट्रल हॉस्पिटल, गार्डनरीच, कोलकाता में एक विशेष जागरूकता कार्यक्रम एवं स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य चिकित्सा क्षेत्र के कर्मचारियों में उच्च रक्तचाप के प्रति जागरूकता बढ़ाना और नियमित रूप से ब्लड प्रेशर की निगरानी को बढ़ावा देना था। इस अवसर पर 75 से अधिक डॉक्टरों, नर्सों एवं अस्पताल कर्मचारियों ने भाग लिया। सभी प्रतिभागियों का एक उन्नत बॉडी कंपोजीशन एनालाइज़र के माध्यम से स्वास्थ्य परीक्षण किया गया, जिसमें बीएमआई, शरीर में वसा की मात्रा, जल स्तर एवं मांसपेशियों की संरचना जैसी विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। जागरूकता सत्र में वरिष्ठ चिकित्सा विशेषज्ञों ने उपयोगी जानकारियाँ साझा कीं:

डॉ. बी. एन. झा (एसीएचडी, हृदय रोग विशेषज्ञ) ने नियमित एवं सटीक रक्तचाप मापन के महत्व पर जोर दिया और कहा कि नियंत्रित बीपी लंबा और स्वस्थ जीवन सुनिश्चित करता है। डॉ. अंजना मल्होत्रा (पीसीएमडी) ने कार्यस्थल पर तनाव प्रबंधन की आवश्यकता पर प्रकाश डालते हुए सभी कर्मचारियों से नियमित रक्तचाप की जांच कराने की अपील की। डॉ. श्रीकुमार (मेडिकल डायरेक्टर) ने कहा कि उच्च रक्तचाप एक ''साइलेंट डिज़ीज़'' है और इसे समय रहते पहचानकर उपचार करना जरूरी है, क्योंकि यह अंगों को गंभीर नुकसान पहुँचा सकता है।

डॉ. पी. के. मजूमदार ने अनियंत्रित उच्च रक्तचाप से जुड़ी जटिलताओं पर चिंता व्यक्त की।

डॉ. प्रियंका मंडल ने महिलाओं में उच्च रक्तचाप के प्रभाव पर प्रकाश डाला और महिला स्वास्थ्य कर्मियों में जागरूकता बढ़ाने की आवश्यकता बताई। डॉ. मुकता मंडल ने सभी स्वास्थ्यकर्मियों को दूसरों की सेवा के साथ-साथ स्वयं के स्वास्थ्य का ध्यान रखने की सलाह दी। समापन भाषण में डॉ. ए. बेरा ने स्वास्थ्य क्षेत्र से जुड़े सभी कर्मियों के लिए नियमित स्वास्थ्य जांच की आवश्यकता पर बल दिया और निवारक देखभाल की महत्ता को दोहराया। कार्यक्रम के अंत में डॉ. बी. एन. झा ने एक यादगार संदेश साझा किया: ह्लतनाव से दूर रहो, उच्च रक्तचाप से बचो। यह कार्यक्रम न केवल स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाने में सहायक रहा, बल्कि कर्मचारियों को अपने स्वास्थ्य के प्रबंधन के लिए प्रेरित भी किया। यह आयोजन साउथ ईस्टर्न रेलवे के सेंट्रल हॉस्पिटल की अपने कर्मचारियों और समुदाय के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

कीटाणु और विषाणु एक साथ आए हैं : जीतन राम मांझी

पीके और आरसीपी दोनों का बिहार में कोई जनाधार नहीं

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। पूर्व केंद्रीय मंत्री आरसीपी सिंह के रविवार को जन सुराज पार्टी का दामन थाम लेने पर सूबे की सियासत गर्मा गई है। इसको लेकर अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए केंद्रीय मंत्री और हम पार्टी के संरक्षक जीतन राम मांझी ने कहा है कि बिहार को विषाक्त करने के मकसद से कीटाणु और विषाणु एक साथ आए हैं। पीके और आरसीपी जैसे नेता आपस में मिलकर ये सोच रहे हैं कि वो जनता को बर्बाद कर देंगे। लेकिन शायद उन्हें नहीं मालूम कि बिहार की जनता के पास एक ऐसा एंटी वायरस है, जिसका नाम एनडीए है। उन्होंने दोनों को राजनीतिक रूप से असफल बताते हुए कहा कि इनका कोई जनाधार नहीं है। मांझी ने तंज कसते हुए कहा कि आरसीपी सिंह ने 6 महीने पहले बनाई अपनी पार्टी को प्रशांत किशोर की 7 महीने पुरानी जन सुराज में विलय कर दिया। यह दर्शाता है कि दोनों का बिहार में कोई जनाधार नहीं है। उन्होंने कहा कि दोनों ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के साथ काम किया, लेकिन व्यक्तिगत स्वार्थ के कारण वे टिक नहीं पाए। मांझी ने इसे हास्यास्पद स्थिति करार देते हुए कहा कि पीके और आरसीपी की जोड़ी को ये समझना चाहिए कि एनडीए का एंटीवायरस किसी भी वायरस से निपटने में कारगर है। उन्होंने कहा कि प्रशांत किशोर हों या आरसीपी सिंह ये दोनों राजनीतिक तौर पर असफल लोग हैं। पीके और आरसीपी दोनों के बीच जदयू में रहते किस तरह अहम का टकराव रहा है, ये सभी जानते हैं। मांझी ने कहा कि ये दोनों केवल और केवल अवसरवाद की वजह से साथ आए हैं, जिसे बिहार की जनता भली भांति समझ रही है।

अपसा ने प्रतिभाशाली छात्रों का किया सम्मान

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। स्व-पोषित निजी विद्यालयों का संगठन (अपसा) द्वारा स्थानीय विद्यापति भवन में छात्र सम्मान समारोह-2025 का आयोजन किया गया, जिसमें जिले भर के विभिन्न निजी विद्यालयों से उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ उद्घाटनकर्ता बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, मुख्य अतिथि बिहार सरकार के सूचना एवं प्रौद्योगिकी मंत्री कृष्ण कुमार मंटू, विशिष्ट अतिथि नागमणि कुशवाहा, दीपक प्रकाश (निदेशक सिविल फोड़ो) अपसा के अध्यक्ष डॉ. अजय कुमार झा एवं सचिव राकेश कुमार रंजन द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया गया। समारोह को संबोधित करते हुए उद्घाटनकर्ता उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने अपने संबोधन में छात्रों को आगे बढ़ने की प्रेरणा दी और निजी विद्यालयों के योगदान की सराहना की। उन्होंने कहा कि निजी विद्यालय न केवल शिक्षा बल्कि राष्ट्र निर्माण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। वहीं सूचना एवं प्रौद्योगिकी मंत्री कृष्ण कुमार मंटू ने कहा कि विद्यालय संगठन बच्चों कि प्रतिभा को निखारने का काम कर रहा है। उन्होंने कहा कि बिहार ज्ञान कि भूमि है इसीलिए छात्र अपनी प्रतिभा को पहचाने और आगे बढ़ें। उन्होंने संगठन को सरकार की तरफ से हर संभव मदद पहुंचाने की बात कही। अपसा के अध्यक्ष डॉ. अजय कुमार झा ने बताया कि यह समारोह हर वर्ष आयोजित किया जाता है ताकि छात्रों को प्रोत्साहन मिल सके और अन्य विद्यार्थी भी प्रेरणा ले सकें। इस समारोह में कक्षा 10वीं एवं 12वीं के उन विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया जिन्होंने बोर्ड परीक्षाओं में उत्कृष्ट अंक अर्जित किए। उन्होंने सरकार से यह भी आग्रह किया कि स्व-पोषित निजी विद्यालयों को बेहतर सुविधाएं और सहयोग प्रदान किया जाए। जबकि संगठन के सचिव राकेश कुमार रंजन ने छात्रों को अपनी शुभकामनाएं देते हुए कहा कि मुझे आशा है कि छात्र-छात्राएं इसी प्रकार मेहनत करके आगे भी अपना तथा अपने विद्यालय का नाम रोशन करेंगे। इस अवसर पर संगठन के कोषाध्यक्ष डॉ. मुकेश कुमार, उप सचिव अविनाश कुमार झा, उप सचिव स्नेहलता, उप सचिव सुषमा पांडेय, संयुक्त सचिव अमरेंद्र कुमार, उमेश सिंह, महासचिव अजय कुमार वर्मा, उपाध्यक्ष गोकुलेश उपाध्याय, अपसा चुनाव प्रभारी डी के सिन्हा सहित जिले के शिक्षाविदों, विद्यालय प्राचार्यों, अभिभावकों एवं गणमान्य नागरिकों की उपस्थिति रही।

तेजस्वी के झूठे आरोपों को जनता नहीं लेती गंभीरता से : राजीव रंजन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव द्वारा एक्स पर बिहार में एनडीए सरकार एवं मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर लगाये गए आरोपों पर पलटवार करते हुए जेडीयू के राष्ट्रीय प्रवक्ता राजीव रंजन प्रसाद ने कहा कि झूठ बोलने से उन्हें सत्ता की बागडोर जनता नहीं सौंपने वाली है। उन्होंने तेजस्वी के आरोपों की फ़ेहरिस्त में नौकरियों एवं रोजगार नहीं मिलने पर हैरानी जताते हुए कहा कि नीतीश सरकार ने राज्य में 12 लाख नौकरियां एवं 38 लाख रोजगार देने के लक्ष्य को लगभग हासिल कर लिया है और देश के पहले तीन राज्यों में बिहार का नाम शामिल हो चुका है। श्री प्रसाद ने पलायन बढ़ने के तेजस्वी के आरोपों पर कहा कि अब तो राज्य में रिवर्स माइग्रेशन हो रहा है ।स्पष्ट है कि लाखों लोग जो राजद के जंगलराज में बिहार से बाहर गए थे, उनमें लाखों लोग वापस लौट आए हैं। पलायन के आंकड़े निरंतर घट रहे हैं। उन्होंने तेजस्वी के अपराध बढ़ने के आरोपों को ख़ारिज करते हुए कहा कि प्रति लाख व्यक्ति के अपराध दर के आधार पर देश के बेहतर क़ानून व्यवस्था के राज्यों में बिहार शामिल हुआ है। अब पति और बच्चों की सकुशल वापसी के लिए माताएं जंगल राज के दौर की तरह मन्नतें नहीं माँगती हैं क्योंकि उन्हें राज्य में सुशासन की सरकार पर भरोसा है। लालू राज में 2005 तक 817 थाने थे उनके भवन जर्जर थे। पुलिस बल मात्र 42480 थी लेकिन अब थानों की संख्या बढ़ कर 1380 हो चुकी है वहीं पुलिस बल की संख्या भी बढ़ कर 110 000हो चुकी है। पुलिस बल में 2 लाख 29 हज़ार से ज़्यादा पुलिस कर्मियों की भर्ती का लक्ष्य है। श्री प्रसाद ने राज्य में भ्रष्टाचार के बढ़ने के आरोपों को ख़ारिज करते हुए कहा कि अब जिस पार्टी के सुप्रीमो भ्रष्टाचार के मामले में सजायफ़्ता हों और स्वयं तेजस्वी ज़मीन दो नौकरी लो के बहुचर्चित घोटाले में अदालतों के चक्कर काट रहे हों, उन्हें तो कोई नैतिक अधिकार नहीं है कि भ्रष्टाचार पर वह सवाल करें।

वजन कम करना चाहते हैं तो स्नैकिंग के हेल्दी विकल्पों को अपनाएं : डॉ. रोहिणी पाटिल

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। खाने के बीच भूख लगना उन लोगों के लिए परेशानी हो सकता है जो वजन कम करना चाहते हैं। इस भूख के दौरान हमें अक्सर ऐसी चीजें खाने का मन करता है जो सेहत के लिए अच्छी नहीं होती, जिससे वजन कम करने का लक्ष्य बिगड़ सकता है। लेकिन सही तरीके से नाश्ता करने से वजन कम करने में मदद मिल सकती है। डॉ. रोहिणी पाटिल (एमबीबीएस और न्यूट्रिशनिस्ट) कहती हैं कि बादाम, फल और सब्जियां जैसे पौष्टिक खाद्य पदार्थ सही मात्रा में खाने चाहिए। स्नैकिंग के ये स्मार्ट विकल्प न केवल भूख को शांत करते हैं, बल्कि जरूरी पोषक तत्व भी देते हैं जो आपको एनर्जी से भरपूर रखती हैं और आपको संतुष्टि भी मिलती है। डॉ. पाटिल कहती हैं कि नाश्ता करना समस्या नहीं है, बल्कि हम क्या और कितना खाते हैं, यह मायने रखता है। सही पोषक तत्वों के संतुलन के साथ चुने गए नाश्ते से सेहत के लक्ष्यों को बनाए रखा जा सकता है और खाने का आनंद भी लिया जा सकता है। यहां कुछ सेहतमंद नाश्ते के विकल्प दिए गए हैं जो आपको तृप्त रखेंगे और वजन कम करने की राह पर मदद करेंगे। बादाम में प्रोटीन, मैग्नीशियम, विटामिन ई और जिंक जैसे 15 जरूरी पोषक तत्व होते हैं। इनका कुरकुरा स्वाद भूख को शांत करता है। बादाम दिल, त्वचा के लिए अच्छे हैं, और इन्हें खाकर संतुष्टि का अहसास होता है। ये वजन नियंत्रण में मदद करते हैं। डॉ. पाटिल ने खासतौर पर कैलिफोर्निया आमंड्स की सलाह दी है, जिनमें प्रोटीन, गुड फैट और फाइबर होते हैं, जो लंबे समय तक पेट भरा रखते हैं। इन्हें अकेले खाएं, स्मूदी में डालें, सलाद में मिलाएं या मसाले के साथ भूनें। नॉन-स्टिक पैन पर बिना तेल के बनाया गया मूंग दाल चीला वजन कम करने के लिए एक बढ़िया नाश्ता है। इसमें प्रोटीन और फाइबर होते हैं, जो भूख पर नियंत्रण रखते हैं और एनर्जी बनाए रखते हैं। डॉ. पाटिल सलाह देती हैं कि पालक, प्याज और टमाटर जैसी बारीक कटी सब्जियां डालकर इसे और पौष्टिक बनाएं।

संपादकीय

भारत की कूटनीतिक प्रयास से मिली कामयाबी

भारत के सीमा सुरक्षा बल यानी बीएसएफ के एक जवान को पाकिस्तान ने लौटा दिया है और स्वाभाविक ही इसे भारत की एक और कूटनीतिक कामयाबी माना जा रहा है। गौरतलब है कि भारत के बीएसएफ के जवान पूर्णम साव तेईस अप्रैल को गलती से पाकिस्तानी सीमा में दाखिल हो गए थे और वहां उन्हें पकड़ लिया गया था। सीमा पार किन्हीं हालात में अगर अन्य देश के जवान को पकड़ लिया जाता है तो उसके जीवन तक को लेकर आशंकाएं पैदा हो जाती हैं। यही वजह है कि पूर्णम साव की वापसी को लेकर उनके परिवार सहित देश के लोगों की चिंताएं गहरा रही थीं। इस बीच भारत और पाकिस्तान के बीच किस स्तर का टकराव हुआ, यह दुनिया ने देखा। लेकिन अब बुधवार को जब पूर्णम साव की पाकिस्तान से रिहाई की खबर आई, तो निश्चित तौर पर यह उनके परिवार वालों के साथ-साथ समूचे देश के लोगों के लिए राहत की बात थी। दोनों देशों के डीजीएमओ स्तर पर हुई बातचीत के नतीजे में बीस दिनों के बाद पूर्णम शा को छोड़ा गया। दरअसल, जिन परिस्थितियों में बीएसएफ के जवान गलती से पाकिस्तानी सीमा में दाखिल हो गए थे, वे इतनी ज्यादा संवेदनशील थीं कि उनके कारण दोनों देशों के बीच संघर्ष की नौबत आई। पहलगाम में आतंकी हमले में छब्बीस लोगों के मारे जाने के बाद भारत के पास एक तरह से जवाबी कार्रवाई करना अंतिम विकल्प था। इस टकराव की तीव्रता का अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि इसे दोनों देशों के बीच पूर्ण संघर्ष के तौर पर भी देखा गया। ऐसे में अगर बीएसएफ जवान की सुरक्षा और जान को लेकर भारत में चिंता गहरा रही थी, तो यह लाजिमी था। यों भी पाकिस्तान के अतीत और उसकी प्रकृति अक्सर उसके विवेक आधारित फैसले नहीं लेने के ही सूचक रहे हैं। हालांकि इस बीच उम्मीद जरूर की जा रही थी कि तमाम विपरीत हालात के बावजूद भारत के लगातार कूटनीतिक प्रयासों से जवान की वापसी सुनिश्चित हो सकेगी। मगर जब दोनों देशों के बीच संघर्ष विराम की घोषणा हुई तब यह उम्मीद और मजबूत हुई कि अब शायद माहौल शांत होने के बाद इस मसले पर कूटनीतिक बातचीत आगे बढ़ेगी। भारत और पाकिस्तान के बीच किसी गलती से जवानों के सीमा पार कर जाने की कई घटनाएं सामने आ चुकी हैं। अगर युद्ध या तनाव की स्थिति न हो तो रिहाई में ज्यादा मुश्किल नहीं होती है। मगर पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत ने पाकिस्तान स्थित आतंकी ठिकानों पर जिस तरह का हमला किया था, उसे एक तरह से सीधा संघर्ष मान लिया गया था। पाकिस्तान पहले ही अवांछित गतिविधियों के अंजाम देने से लेकर आतंकवादियों को शह और समर्थन देकर भारत को नुकसान पहुंचाने की कोशिश करता रहा है। ऐसे में वहां पकड़ लिए गए बीएसएफ जवान के प्रति उसके व्यवहार या रिहाई को लेकर आशंका बनी हुई थी, क्योंकि इसके लिए शुरू होने वाली प्रक्रिया काफी संवेदनशील और जटिल होती है। अंतरराष्ट्रीय कानून और सैन्य संधियों के तहत अगर कोई जवान गलती से सीमा पार कर जाता है तो उसके खिलाफ ज्यादा गंभीर कार्रवाई नहीं की जाती। हालांकि यह दोनों देशों के बीच संवाद और समझौते पर निर्भर करता है। इस लिहाज से देखें तो बीते कुछ दिनों के दौरान तेजी से बदलते घटनाक्रम में जवान की रिहाई के लिए भारत ने कूटनीतिक प्रयास तेज कर दिए थे और आखिर इसमें कामयाबी मिली।

ऑपरेशन सिंदूर: राष्ट्रीय सुरक्षा और राष्ट्रीय सम्मान का संगम

सुश्री लक्ष्मी पुरी, संयुक्त राष्ट्र की पूर्व सहायक महासचिव और संयुक्त राष्ट्र महिला की उप कार्यकारी निदेशक तथा भारत की पूर्व राजदूत।

ऑपरेशन सिंदूर ने स्पष्ट किया है कि भारत वैधता नहीं चाहता है। देश न्याय चाहता है। भारतीय संयम को कभी भी कमजोरी नहीं समझा जाना चाहिए।

पहलगाम में पाकिस्तान द्वारा प्रायोजित आतंकवादी कृत्य के प्रति भारत की जवाबी प्रतिक्रिया - ऑपरेशन सिंदूर, जो अभी भी जारी है ङ्क आतंकवाद-रोधी और सैन्य सिद्धांत तथा रुख में एक बड़े बदलाव का संकेत देता है। अपने जोशीले भाषण में, जिसकी गूंज पूरे भारत और दुनिया के विभिन्न देशों की राजधानियों में सुनायी दी, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने घोषणा करते हुए कहा कि सीमा-पार आतंकवाद के किसी भी कृत्य के खिलाफ निर्णायक सैन्य कार्रवाई की एक नई सामान्य स्थिति स्थापित की गई है।

कोई भी देश, जो आतंकवादी अवसंरचना को पनाह देता है, उसे वित्तीय मदद देता है और उसका पोषण करता है, उसे अपने सैन्य बलों के साथ जोड़ता है और निर्दोष नागरिकों के खिलाफ क्रूर हमलों के लिए भारत को निशाना बनाता है, उसे त्वरित, दंडात्मक और प्रतिशोधी परिणामों का सामना करना पड़ेगा।

सोची-समझी सैन्य कार्रवाई से न केवल पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में बल्कि अंतरराष्ट्रीय सीमा के पार पाकिस्तान के पंजाब प्रांत के बीच में भी आतंकवादी नेटवर्क ध्वस्त हो जाएंगे, भले ही राज्य प्रायोजित आतंकवादी ठिकाने आधिकारिक सुरक्षा संरचनाओं के साथ कितने भी जुड़े हुए हों।

सिंदूर सिद्धांत, भारत की संप्रभुता और सभ्यतागत लोकाचार को बनाए रखने में निहित है। इसका उद्देश्य इसकी क्षेत्रीय अखंडता की रक्षा करना, आंतरिक एकता, सद्भाव और शांति सुनिश्चित करना और 2047 तक विकसित भारत बनाने के लिए देश को त्वरित आर्थिक विकास के पथ पर आगे बढ़ाना है। यह सीमा-पार आतंकवाद के प्रति शून्य-सहिष्णुता के रुख की पुष्टि करता है और भारत को अपने सुरक्षा हितों की रक्षा में निर्णायक रूप से कार्य करने के लिए प्रतिबद्ध करता है, जिसे पुनर्परिभाषित और विस्तृत किया गया है।

प्रधानमंत्री मोदी ने स्पष्ट रूप से कहा है- भारत के खिलाफ़ किसी भी तरह की आतंकी कार्रवाई युद्ध मानी जायेगी - अब कोई संदेह की स्थिति नहीं है, किसी दूसरे तरीके से युद्ध को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा, आतंकवाद से होने वाले नुकसान के आगे हार नहीं मानी जाएगी। ऑपरेशन के बाद राष्ट्र और अंतरराष्ट्रीय समुदाय के समक्ष प्रधानमंत्री का संबोधन सफलता की पुष्टि से कहीं अधिक था। बुद्ध पूर्णिमा के पावन अवसर पर दिए गए इस संबोधन ने एक नई रणनीतिक व्यवस्था का अनावरण किया- दृढ़, गरिमापूर्ण और भारत के सभ्यतागत मूल्यों पर आधारित।

इसने एक सरल लेकिन दृढ़ संदेश दिया- भारत शांति में विश्वास करता है, लेकिन शांति को शक्ति का समर्थन होना चाहिए।

अपने मूल में, प्रधानमंत्री मोदी का सिंदूर सिद्धांत तीन अलग सिद्धांतों पर जोर देता है, जिन पर कोई समझौता नहीं किया जा सकता। पहला, भारत उन देशों के साथ कोई बातचीत नहीं करेगा, जो आतंक को बढ़ावा देते हैं; जब बातचीत फिर से शुरू होगी, तो यह द्विपक्षीय होगी तथा इसमें केवल आतंकवाद और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर पर चर्चा होगी।

दूसरा, भारत आतंकवाद का समर्थन करने वाले देशों के साथ आर्थिक संबंधों को स्पष्ट रूप से अस्वीकार करता है तथा व्यापार और राष्ट्रीय सम्मान के बीच एक सुदृढ़ रेखा खींचता है। अंत में, भारत अब परमाणु धमकी को बर्दाश्त नहीं करेगा- ऑपरेशन सिंदूर ने निर्णायक रूप से उन सभी भ्रमों को तोड़ दिया है कि परमाणु खतरे, आतंकी कृत्यों के ढाल बन सकते हैं।

÷सिंदूर÷ नाम का चयन गहन सांस्कृतिक प्रतीकात्मकता को रेखांकित करता है।

विवाहित हिंदू महिलाओं द्वारा पहना जाने वाला लाल सिंदूर - पीड़ित होने के रूपक के रूप में नहीं, बल्कि पवित्र कर्तव्य और राष्ट्रीय गौरव के प्रतीक के रूप में इस्तेमाल किया गया। आतंकवादियों ने इस सम्मान को अपवित्र करने की कोशिश की; भारत ने पूरी ताकत के साथ जवाब दिया। व्यक्तिगत राजनीतिक हो गया, सांस्कृतिक रणनीतिक हो गया। चूंकि आतंकी हमला कश्मीर में हुआ था, जो भारत माता का भौगोलिक और प्रतीकात्मक सिर है, इसलिए ऑपरेशन सिंदूर भारत माता की रक्षा करने और उसे सलाम करने के लिए है। भारत की प्रतिक्रिया एक सैद्धांतिक विरासत का अनुसरण करती है।

कौटिल्य के अर्थशास्त्र से लेकर 1980 के दशक के इंदिरा सिद्धांत तक तथा 1998 में पोखरण-द्वद्व परीक्षणों के जरिए वाजपेयी जी के साहसिक परमाणु दावे से लेकर –जिसने वैश्विक दबावों और प्रतिबंधों के बावजूद भारत के आत्मरक्षा के संप्रभु अधिकार की पुष्टि की और विश्वसनीय न्यूनतम अवरोध की नीति स्थापित की–से लेकर उरी और बालाकोट में प्रदर्शित मोदी सिद्धांत तक, भारतीय शासन नीति ने लंबे समय से संकट के समय और राष्ट्रीय सुरक्षा के महत्वपूर्ण मामलों में संप्रभु निर्णय लेने की आवश्यकता पर जोर दिया है।

सिंदूर सिद्धांत इसे आगे बढ़ाता है, आत्मविश्वास से भरे भारत ने इसका समर्थन किया है। देश अपने मूल हितों तथा अपने नागरिकों की संरक्षा और सुरक्षा के लिए स्वतंत्र व मजबूती से काम करने के लिए दृढ़ संकल्पित है। भू-राजनीतिक रूप से, इस ऑपरेशन ने क्षेत्रीय उम्मीदों को फिर से स्थापित किया है।

आतंकवाद के लिए ढाल के रूप में परमाणु शक्ति का इस्तेमाल करने के आदी पाकिस्तान का सीधे सामना किया गया है। दंड से मुक्ति का भ्रम टूट गया है।

चीन, हालांकि औपचारिक रूप से तटस्थ है, उसे अपने सहयोगी की कमज़ोरी को समझना होगा। संयुक्त राज्य अमेरिका से लेकर रूस तक, वैश्विक शक्तियाँ भारत को बाहरी संकेत या समर्थन की प्रतीक्षा किए बिना कार्रवाई करते हुए देख रही हैं। अन्य पड़ोसियों को अब अपनी दुर्भावना और भारत विरोधी कार्रवाइयों के परिणामों का आकलन करना चाहिए। पिछले 11 वर्षों में, भारत ने कई भौगोलिक क्षेत्रों में और प्रमुख शक्तियों के साथ द्विपक्षीय रणनीतिक साझेदारी का एक सघन और मजबूत नेटवर्क सफलतापूर्वक निर्मित किया है। इसने बहुपक्षीय और लघुपक्षीय, क्षेत्रीय और अंतर-क्षेत्रीय सहयोग व्यवस्थाओं में भाग लिया है और मुक्त व्यापार समझौतों पर बातचीत कर रहा है। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान, प्रमुख शक्तियों और इन साझेदारियों से जुड़े भारत के कई रणनीतिक और रक्षा संबंध अग्नि परीक्षा से गुजरे। पहलगाम के बाद, संतोषजनक बात यह थी कि हमारे भागीदारों द्वारा आतंकवादी हमलों की सार्वभौमिक निंदा की गयी। हालाँकि, ऑपरेशन सिंदूर के जवाब में पाकिस्तान की तीव्र कार्रवाई के बाद, परमाणु-संपन्न पड़ोसियों के बीच तनाव बढ़ने के बारे में चिंताएँ व्यक्त की गईं। प्रतिक्रियाएँ इस बात से भी प्रभावित थीं कि इस सैन्य संघर्ष में उनके हथियार प्रणालियों ने कैसा प्रदर्शन किया या कि क्या प्रदर्शन करने में विफल रहे। जैसे-जैसे हम आगे बढ़ रहे हैं, हमें न केवल अपने रणनीतिक साझेदारों को सावधानी से चुनना चाहिए, बल्कि यह भी सुनिश्चित करना चाहिए कि ये साझेदारियाँ सिंदूर सिद्धांत को शामिल करती हों। इसका मतलब यह है कि उन्हें पाकिस्तान पर अपने प्रभाव का इस्तेमाल करके उसके आतंकी ठिकानों को खत्म करना चाहिए और राज्य-नीति के रूप में आतंकवाद का परित्याग करना चाहिए।

यदि हमें पाकिस्तानी आतंकवादी-सैन्य ढांचे के खिलाफ कार्रवाई करने के लिए सैन्य बल का इस्तेमाल करना पड़ता है, तो उन्हें हमारे साथ एकजुटता दिखानी चाहिए। दुष्टों के लिए कोई शरणस्थली नहीं, कोई बचाव नहीं। महत्वपूर्ण बात यह है कि भारत जिस आतंकी ढांचे को निशाना बना रहा है, वह न सिर्फ भारत और लोकतंत्र के लिए, बल्कि वैश्विक आर्थिक वृद्धि और विकास के इंजन के रूप में देश की भूमिका के लिए भी खतरा है।

पाकिस्तान से आतंकवाद को वैश्विक स्तर पर निर्यात किया जाता है - यूरोप, यूके, संयुक्त राज्य अमेरिका और उससे आगे। फिर भी, अंतरराष्ट्रीय समुदाय का अधिकांश हिस्सा आंखें मूंद कर बैठा है, जबकि संयुक्त राष्ट्र द्वारा नामित आतंकवादी समूह पाकिस्तान में खुलेआम काम करते हैं। पाकिस्तान पहले भी आतंकवादी समूहों की शरणस्थली था और अब भी है। ऑपरेशन सिंदूर 1.0 के दौरान, पाकिस्तान के रक्षा और विदेश मंत्रियों ने सार्वजनिक रूप से इतना स्वीकार किया। भारत ने आतंक के इस असंख्य सिर वाले राक्षस के खिलाफ कार्रवाई करके वैश्विक सेवा की है।

यह अंतरराष्ट्रीय आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में अग्रिम पंक्ति के योद्धा के रूप में खड़ा है।

दुनिया को कार्रवाई करने के लिए जागरूक होना चाहिए और आतंक के अपराधियों और इसके खिलाफ काम करने वालों के बीच नैतिक समानता स्थापित करना बंद करना चाहिए - चाहे उनके संकीर्ण, अल्पकालिक, दिखावटी विचार कुछ भी हों। सिंदूर सिद्धांत का आर्थिक आयाम भी महत्वपूर्ण है। ÷आतंकवाद के साथ कोई व्यापार नहीं÷ की स्पष्ट घोषणा करके, भारत ने राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए आर्थिक उपायों को क्रियान्वित किया है।

व्यापार और सिंधु जल संधि जैसी संधियों को निलंबित करने जैसे कदम आर्थिक संबंधों को राष्ट्रीय सुरक्षा उद्देश्यों के साथ मजबूती से संरेखित करने के भारत के संकल्प को रेखांकित करते हैं। ये उपाय एक स्पष्ट संदेश देते हैं- आतंक के खात्मे के बाद आर्थिक संबंध बनने चाहिए, न कि पहले।

अस्तित्व आधारित संदेश यह है कि खून और पानी एक साथ नहीं बह सकते।

नारी-शक्ति से जुड़ा एक शक्तिशाली आख्यान ऑपरेशन के संदेश को पुष्ट करता है और इसे सुर्खियों में लाता है- भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा व्यवस्था में महिलाओं की भूमिका।

ऑपरेशन के बाद दो महिला अधिकारियों ने प्रमुखता से सैन्य प्रेस वक्तव्यों का नेतृत्व किया, जो भारत के रक्षा परिदृश्य में महिलाओं के बढ़ते महत्व का प्रतीक है। नारी शक्ति÷ (महिला सशक्तिकरण) के इस क्षण ने महिलाओं के प्रति भारत के सभ्यतागत सम्मान को मजबूत किया, रानी लक्ष्मीबाई से लेकर समकालीन महिला सैन्य अधिकारियों तक के ऐतिहासिक उदाहरणों की प्रतिध्वनि की, जिससे राष्ट्रीय गौरव को लैंगिक समावेश के साथ जोड़ा गया। भारत की सैन्य ताकत घरेलू नवाचार की मदद से तेजी से बढ़ रही है। हालांकि, कुछ विदेशी प्रणालियों का इस्तेमाल किया गया था, स्वदेशी मिसाइलों, ड्रोन और निगरानी उपकरणों की सफल तैनाती, रक्षा में आत्मनिर्भरता की परिचालन परिपक्वता को उजागर करती है। यह हमारे निर्यात जोर और मांग को बढ़ाता है। हमने भारत में आयातित और सह-निर्मित हथियार प्रणालियों के साथ-साथ पाकिस्तान द्वारा इस्तेमाल की जाने वाली हथियार प्रणालियों का भी परीक्षण किया और इनसे हमारे द्वारा लिए गए सही निर्णयों की पुष्टि हुई। ऑपरेशन सिंदूर से यह स्पष्ट हो गया कि भारत वैधता नहीं चाहता - वह न्याय चाहता है। भारतीय संयम को कभी भी कमजोरी नहीं समझा जाना चाहिए। सिंदूर सिद्धांत केवल प्रतिक्रियात्मक नहीं है; यह सैद्धांतिक स्पष्टता का एक सक्रिय दावा है। भारत के नागरिकों के, विशेषकर महिलाओं के जीवन, गरिमा, भलाई और सम्मान के साथ कोई समझौता नहीं किया जाएगा। इसी बिंदु पर राष्ट्रीय सुरक्षा का राष्ट्रीय सम्मान के साथ संगम होता है। यहीं पर प्राचीन मूल्य, आधुनिक ताकत के साथ मिलते हैं। और यहीं पर भारत खड़ा है- निडर, अडिग और एकजुट।

जय हिंद।

मिस्टर एंड मिसेज़ फिफ्टीज़

इसी उधेड़बुन में एक दिन अचानक दि इकॉनमिस्ट के एक आर्टिकल पर नज़र पड़ी, जिसका विषय था- 55 पार के लोग नई प्रॉब्लम जनरेशन बन गए हैं। ये लोग अपनी उम्र के लोगों के साथ वाइल्ड पार्टियां कर रहे हैं, डेट पर जा रहे हैं, सोलो और ग्रुप एडवेंचर टूर पर निकलने लगे हैं, खुद पर पैसा खर्च कर ज़िंदगी के भरपूर मज़े ले रहे हैं। कुल मिलाकर, लेख का मूल यह था कि इस उम्र वाले लोगों का काम है युवाओं का मार्गदर्शन करना, लेकिन ये उनकी तरह ही बेपरवाह जिंदगी जीने लगे हैं।

(अक्षय शुक्ला)

जीवन के पांचवे दशक में दिल और दिमाग के बीच एक नया द्वंद्व शुरू हो जाता है। दिल अब भी वही सब करने को कहता है जो दस साल पहले करते थे, लेकिन दिमाग ऐसा करने से रोकता है। मिड लाइफ क्राइसिस शायद इसी को कहते हैं कि शरीर तो उम्र बढ़ने का संकेत देने लगता है लेकिन दिल है कि मानता नहीं।

इसी उधेड़बुन में एक दिन अचानक दि इकॉनमिस्ट के एक आर्टिकल पर नज़र पड़ी, जिसका विषय था- 55 पार के लोग नई प्रॉब्लम जनरेशन बन गए हैं। ये लोग अपनी उम्र के लोगों के साथ वाइल्ड पार्टियां कर रहे हैं, डेट पर जा रहे हैं, सोलो और ग्रुप एडवेंचर टूर पर निकलने लगे हैं, खुद पर पैसा खर्च कर ज़िंदगी के भरपूर मज़े ले रहे हैं। कुल मिलाकर, लेख का मूल यह था कि इस उम्र वाले लोगों का काम है युवाओं का मार्गदर्शन करना, लेकिन ये उनकी तरह ही बेपरवाह जिंदगी जीने लगे हैं।

इस लेख पर न सिर्फ लंबी बहस छिड़ गई, बल्कि दुनियाभर से इतनी कड़ी प्रतिक्रियाएं आईं कि पब्लिकेशन को सफाई देनी पड़ गई। कई आलोचकों ने कहा कि अगर कुछ लोग ऐसी ज़िंदगी जी रहे हैं तो आप सभी को कठघरे में कैसे खड़ा कर सकते हैं। आप यह भी तो देखिए कि नौकरी, घर का लोन, बच्चों की पढ़ाई और उनकी शादी जैसी तमाम ज़िम्मेदारियां निभाने के लिए इन लोगों ने अपने कितने अरमानों का दम घोंटा होगा।

अगर आज वे उन सबसे मुक्त होकर अपने मन मुताबिक जीना चाहते हैं, तो किसी को आपत्ति क्यों होनी चाहिए। वे ऐसी लाइफ जी रहे हैं और खुद पर खुल कर खर्तोच कर रहे हैं तो ज़ाहिर है उसके लिए उन्होंने अपनी जवानी में बेहतर फाइनैशल प्लानिंग की होगी। दूसरों पर बोझ बन कर रहने से तो अच्छा है ना कि वे जीवन के स्वर्णिम काल को खुश होकर जी रहे हैं। उनसे यह उम्मीद क्यों करना कि इस उम्र में भी वे अपने सपनों को साइड में रख दें और घर बैठ पोते-पोतियों की देखभाल करें।

बात तो सही है। हमारे देश में भी रिटायरमेंट के करीब पहुंचने वाले लोग कभी घर पर बैठना पसंद करते थे, लेकिन आज नहीं। अब इनकी लाइफस्टाइल में काफी बदलाव आ गया है, खासकर कोविड के बाद। आज ये धार्मिक पर्यटन पर ही नहीं, देश दुनिया की सैर के साथ एडवेंचर टूर पर भी निकल रहे हैं। यही नहीं, सोशल मीडिया से लेकर यूट्यूब तक ये लोग छाए हुए हैं। कोई सीनियर सिटिज़न को ट्रेवल टिप्स दे रहा, कोई हेल्थ टिप्स, तो कोई उचित निवेश की सलाह।

हाल में 60 प्लस की महिलाओं का एक यूट्यूब चैनल देखा, जिसमें कई दोस्त मिलकर कभी लॉन्ग ड्राइव पर निकल जाती हैं तो कभी पहाड़ों के अपने ग्रुप टूर की झलकियां दिखाती रहती हैं। ऊंचाई और धक-धक जैसी फिल्मों में दिखाई जाने वाली कहानी को ऐसे बहुत से लोग वास्तव में जी रहे हैं।

संयुक्त राष्ट्र के दो साल पहले के डेटा के मुताबिक भारत में पुरुषों की औसत उम्र 70 तो महिलाओं की 73 हो चुकी है। ऐसे में पांचवे दशक वालों के पास तो लंबा समय है, थक कर बैठने के बजाय, क्यों न वे अपनी इच्छानुसार जीएं। यही सोचकर मैंने भी अपने दिमाग की न सुन दिल की सुनी और निकल पड़ा लॉन्ग ड्राइव पर उन्हीं पहाड़ों की तरफ, जहां मुझे आत्मीय सुकून मिलता है।ऊपर व्यक्त विचार लेखक के अपने हैं।

अरुणाचली चाल है पाक के हक में चीन की बौखलाहट

निश्चित ही चीन की ये दकियानूसी हरकतें पूरी तरह से अस्वीकार्य हैं, यह उसके दुस्साहस एवं उच्छृंखलता का द्योतक है। नाम बदलने से इस स्पष्ट और निर्विवाद वास्तविकता को नहीं बदला जा सकता कि अरुणाचल प्रदेश भारत का अभिन्न और अविभाज्य अंग था, है और हमेशा रहेगा। इस तरह की करतूतों, बचकानी एवं बेतूकी हरकतों से भारत को उकसाना चाहता है। इसी नीति के तहत वह भारत के पड़ोसी देशों में अपनी पैठ बना कर पुलों, सड़कों, व्यावसायिक केंद्रों आदि का निर्माण कर भारत की सीमा पर तनाव पैदा करने की भी कोशिश करता रहा है। शायद उसने यह मुगालता पाल लिया है कि ताजा घटनाक्रम से भारत दबाव में आ जाएगा लेकिन भारत अब ऐसे किसी दबाव में न तो आयेगा, बल्कि इनका सक्षम एवं तीक्ष्ण तरीके से जबाव देने में भारत सक्षम है।

(ललित गर्ग)

चीन यह तो चाहता है कि भारत उसके हितों को लेकर अतिरिक्त सावधानी बरते, लेकिन खुद उसकी ओर से भारत के प्रति अपेक्षित संवेदनशीलता को लगातार नजरअंदाज करता है। चीन भरोसे लायक देश नहीं है, चीन के प्रति कठोर रवैया जरूरी है।

पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत के सफल 'ऑपरेशन सिंदूर' के बाद चीन बौखला गया है। पाकिस्तान की करारी हार एवं उसे दिये गये सबक को चीन पचा नहीं पा रहा है। चीन-पाक की सदाबहार दोस्ती के उदाहरण बार-बार सामने आते रहे हैं, हाल ही में सैन्य टकराव के दौरान चीन ने प्रत्यक्ष व परोक्ष तौर पर पाकिस्तान का समर्थन ही नहीं किया, बल्कि सैन्य व आर्थिक मदद भी की। ऐसे ही संवेदनशील समय पर चीन ने भारतीय जमीन पर दावेदारी जताने एवं अरुणाचल के 27 स्थानों को चीनी नाम देने की कुचेष्टा की है। उसकी यह नापाक कोशिश भी पाक के साथ खड़े होने का ही प्रयास है। यह ध्यान रहे कि वह अरुणाचल एवं उसके अनेक क्षेत्रों, इनमें आवासीय क्षेत्रों के साथ पहाड़ और नदियां भी हैं, इनको पहले ही चीनी नाम दे चुका है। भारत सरकार ने अरुणाचल के भीतरी स्थानों को नए नाम देने के चीन के निराधार और बेतुके प्रयासों को स्पष्ट रूप से खारिज करते हुए इसकी निन्दा की है। चीन अपनी दोगली नीति, षडयंत्रकारी हरकतों एवं विस्तारवादी मंशा से कभी बाज नहीं आता। वह हमेशा कोई ऐसी कुचेष्टा करता ही रहता है जिससे भारत चीन बॉर्डर पर अक्सर तनाव रहता है। हालांकि भारत ने दो टूक जवाब देते हुए साफ कहा है कि अरुणाचल प्रदेश भारत का अभिन्न अंग है और यह चीनी दुष्प्रचार के सिवाय कुछ नहीं है। चीन की इस हरकत ने यह साफ कर दिया है कि उससे संबंध सुधारने की भारत की तरफ से कितनी ही पहल हो जाए, वह सुधरने वाला नहीं है।

निश्चित ही चीन की ये दकियानूसी हरकतें पूरी तरह से अस्वीकार्य हैं, यह उसके दुस्साहस एवं उच्छृंखलता का द्योतक है। नाम बदलने से इस स्पष्ट और निर्विवाद वास्तविकता को नहीं बदला जा सकता कि अरुणाचल प्रदेश भारत का अभिन्न और अविभाज्य अंग था, है और हमेशा रहेगा। इस तरह की करतूतों, बचकानी एवं बेतूकी हरकतों से भारत को उकसाना चाहता है। इसी नीति के तहत वह भारत के पड़ोसी देशों में अपनी पैठ बना कर पुलों, सड़कों, व्यावसायिक केंद्रों आदि का निर्माण कर भारत की सीमा पर तनाव पैदा करने की भी कोशिश करता रहा है। शायद उसने यह मुगालता पाल लिया है कि ताजा घटनाक्रम से भारत दबाव में आ जाएगा लेकिन भारत अब ऐसे किसी दबाव में न तो आयेगा, बल्कि इनका सक्षम एवं तीक्ष्ण तरीके से जबाव देने में भारत सक्षम है। चीन का अधिक बौखलाहट एवं खीज का बड़ा कारण भारत ने उसके एयर डिफेंस सिस्टम, ड्रोन, मिसाइल आदि की इस कदर पोल खोल कर रख दी कि अब उसके लिए दुनिया के निर्धन देशों को अपने दोयम दर्जे एवं घटिसा किस्म के चीनी हथियार बेचना कठिन होगा। पाकिस्तान ने जिस चीनी मिसाइल का इस्तेमाल किया था, उसे भारत ने नाकाम कर दिया।

चीन यह तो चाहता है कि भारत उसके हितों को लेकर अतिरिक्त सावधानी बरते, लेकिन खुद उसकी ओर से भारत के प्रति अपेक्षित संवेदनशीलता को लगातार नजरअंदाज करता है। चीन भरोसे लायक देश नहीं है, चीन के प्रति कठोर रवैया जरूरी है। निस्संदेह नाम बदलने जैसी घटनाएं हमें सतर्क करती हैं कि चीन के साथ मैत्री संबंधों के निर्धारण के दौरान हमें सजग, सावधान व सचेत रहना चाहिए। अन्यथा चीन पीठ पर वार करने से नहीं चूकने वाला है। भारत को चीन के साथ अपनी तिब्बत नीति पर भी नए सिरे से विचार करना होगा। पिछले तीसरे साल में चीन ने अरुणाचल प्रदेश के अनेक स्थानों के नाम बदले हैं। चीन अरुणाचल को जांगनान के नाम से दर्शाता है। वहीं इसे तिब्बत के दक्षिणी हिस्से के रूप में होने का दावा करता है। चीन किये गये वायदों एवं समझौतों से पीछे हटता रहा है, चीनी राष्ट्रपति ने दोनों देशों के बीच 1993, 1996, 2005 और 2013 में परस्पर भरोसा पैदा करने वाले समझौतों को पूरी तरह नजरअंदाज कर दिया। उन्होंने अपनी सेना को भारतीय दावे वाले इलाकों में अतिक्रमण करने का आदेश दिया। इसी का अंजाम रही जून 2020 में गलवान घाटी जैसी घटना। जिसमें उसके सैनिक गलवान घाटी में घुस आए थे, जिन्हें रोकने में खूनी संघर्ष हुआ। तबसे दोनों देशों के रिश्ते तनावपूर्ण बने हुए हैं। भारत के हिस्से की जमीन पर कब्जा करने के इरादे से वह चोरी-छिपे और चालबाजी से घुसपैठ करने की कोशिशें करता रहता है। चीन की विस्तारवादी नीति भारत सहित सम्पूर्ण एशिया के लिये ही नहीं, पूरे विश्व के लिए बड़ा खतरा है।

चीन भारत की बढ़ती ताकत एवं रूतबे से परेशान है। भारत की बढ़ती आर्थिक और सामरिक ताकत चीन को चुभती रही है, इसलिए वह चोरी, चालाकी और चालबाजी से भारत को कमजोर करने की चालें चलता रहता है। दरअसल, सीमाओं को लेकर नित नए विवादास्पद तथ्य लाना चीन की फितरत में शामिल है। अरुणाचल प्रदेश ही नहीं, अक्साई चिन, ताइवान और विवादित दक्षिण चीन सागर पर भी चीन अपना दावा जताता रहा है। शातिर और चालबाज चीन अरुणाचल के किसी दस्तावेज पर भारत का नाम स्वीकार नहीं करता। कुछ मौकों पर तो वह अरुणाचल को अपने नक्शे में शामिल कर दुनिया के सामने साबित करने की कोशिश कर चुका है कि वह उसका इलाका है। मगर भारत की तरफ से मिले सख्त प्रतिरोध की वजह, सामरिक शक्ति और रणनीतिक सूझ-बूझ से उसे हर बार मुंह की खानी पड़ी है।

भारत को अनेक मोर्चों पर चीन को आडे हाथ लेना होगा, सबसे जरूरी है चीन सामान का बहिष्कार, इस पर सरकार के साथ हमारे उद्योग जगत एवं आम जनता को भी गंभीरता से सोचना होगा। ऐसा करके ही चीन की कमर को तोड़ा जा सकता है, आज दुनिया के अनेक देश चीनी सामान का बहिष्कार कर रहे हैं, हमें भी कठोर कदम उठाने होंगे। भारत ने जब भी पाकिस्तान में पनाह पाए आतंकियों को अंतरराष्ट्रीय आतंकवादियों की सूची में डलवाने का प्रयास किया, चीन संयुक्त राष्ट्र में अपने वीटो का प्रयोग कर उसे रोकने की कोशिश करता रहा है, जबकि पूरी दुनिया आतंकवाद के खिलाफ युद्ध का समर्थन करती रही है। जिससे पता चलता है कि अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर भारत से दोस्ती का हाथ बढ़ाने तथा व्यापार-कारोबार बढ़ाने की बात करने वाला चीन भारत के प्रति कैसी दुर्भावना रखता है। वह वैश्विक संगठनों व मंचों पर भारत के साथ खड़ा होने का दावा एवं ढोंग ही करता है।

भारत एवं चीन दोनों देशों के बीच संबंधों में आने वाली तल्खी की बड़ी वजह भी चीन की नीयत में खोट, उच्छृंखलता एवं अनुशासनहीनता ही है। चीन ने एक बार फिर अपनी इस हरकत से भारत के प्रति शत्रुता को ही जाहिर किया है। भारत के साथ चीन का बर्ताव हमेशा दोगला एवं द्वेषपूर्ण रहा है। इसकी भी अनदेखी नहीं कर सकते कि चीन किस तरह पाकिस्तान को भारत के खिलाफ मोहरे की तरह इस्तेमाल करता रहा है। जाहिर बात है कि चीन ने ऐसा न केवल चुनौतीपूर्ण समय में भारत का ध्यान भटकाने के लिये किया है, बल्कि पाकिस्तान के साथ एकजुटता दिखाने के लिये भी किया है। अपनी आर्थिक शक्ति के नशे में चूर अहंकारी चीन अंतरराष्ट्रीय नियम-कानूनों को जिस तरह धता बता रहा है, उससे वह विश्व व्यवस्था के लिए खतरा ही बन रहा है। अब यह भी किसी से छिपा नहीं कि वह गरीब देशों को किस तरह कर्ज के जाल में फंसाकर उनका शोषण कर रहा है। चीन भूल गया है कि अब भारत 1962 वाला भारत नहीं है, यह नया भारत है और आज का भारत चीन को मिट्टी में मिलाने की ताकत रखता है। भारत की रणनीति साफ है, स्पष्ट है। आज का भारत समझने और समझाने की नीति पर विश्वास करता है लेकिन अगर हमें आजमाने की कोशिश होती है तो जवाब भी उतना ही प्रचंड देने में वह समर्थ हैं। भारतीय सेना में सरहदें बदल देने की क्षमता है, दुश्मनों को इरादों को ध्वस्त करने का मादा है इसलिये चीन अपने नक्शे में भले ही छेड़छाड़ करता रहे, लेकिन भारत की भूमि पर कब्जाने की उसकी मंशा अब कभी साकार नहीं होगी। लेखक, पत्रकार, स्तंभकार (इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

केले को बचायें रोग-कीट से

रोग -

पनामा बिल्ट या उकठा - यह बीमारी फ्यूजेरियम ऑक्सीस्पोरम नामक फफूंद के द्वारा फैलती है पौधे की पत्तियां मुरझाकर सूखने लगती हैं केले का पूरा तना फट जाता है प्रारंभ में पत्तियां किनारों से पीली पड़ती हैं प्रभावित पत्तियां डण्ठल से मुड़ जाती हैं प्रभावित पीली पत्तियां तने के चारों ओर स्कर्ट की तरह लटकती रहती हैं। आधार पर (निचले भाग) तने का फटना बीमारी का प्रमुख लक्षण है। बैस्कूलर टिश्यू जड़ों और प्रकंद में पीले, लाल एवं भूरे रंग में परिवर्तित हो जाते हैं पौधा कमजोर हो जाता है। जिसके कारण पुष्पन फलन नहीं होता है। इस बीमारी की फफूंद जमीन में अनुकूल तापक्रम, नमी एवं पी.एच. की स्थिति में लम्बी अवधि तक रहता है।

नियंत्रण

- गन्ना एवं सूरजमुखी के फसल चक्र को अपनाने से बीमारी का प्रकोप कम हो जाता है।
- सकर्स को लगाने के पूर्व 0.2 प्रतिशत बाविस्टीन के घोल में डुबोकर लगाना चाहिए।
- ट्राइकोडर्मा बिरिडी जैविक फफूंदनाशक का उपयोग करना चाहिए।
- जिलेटिन केप्सूल में 50 ग्राम बाविस्टीन भरके कैप्सूल अप्लीकेटर के सहारे कंद में 45 डिग्री कोण पर रखने से बीमारी पर अच्छा नियंत्रण देखा गया है।

लीफ स्पाट (सिंगाटोका)

यह बीमारी स्यूडोसर्कोस्पोरा म्यूसी फफूंद के कारण होती है। इस बीमारी के प्रकोप से पत्तियों में क्लोरोफिल की कमी हो जाती है। क्योंकि टिशू हरे से भूरे रंग के हो जाते हैं। धीरे-धीरे पौधे सूखने लगते है। प्रारंभ में पत्तियों पर छोटे धब्बे दिखाई देते हैं। फिर यह पीले या हरी पीली धारियों में बदल जाते हैं। जो पत्तियों को दोनों सतहों पर दिखाई देते हैं अंत में यह धारियां भूरी एवं काली हो जाती हैं। धब्बों के बीच का भाग सूख जाता है।

नियंत्रण -

प्रभावित सूखी पित्तियों को काटकर जला देना चाहिए। फफूंद नाशक दवाएं जैसे डाइथेन एम-45, 1250 ग्राम/हेक्टेयर या बाविस्टीन 500 ग्राम/हेक्टेयर या प्रोपीकोनाजोल 0.1 प्रतिशत का छिड़काव टिपॉल के साथ अक्टूबर माह से 3-4 छिड़काव 2-3 सप्ताह के अंतराल से करने से बीमारी पर नियंत्रण रखा जा सकता है।

एन्थ्रेक्नोज

यह बीमारी कोलेट्रोट्राईकम मुसे नामक फफूंद के कारण फैलती है। यह बीमारी केले के पौधे में बढ़वार के समय लगती है। इस बीमारी के लक्षण पौधों की पत्तियों, एवं फल के छिलके पर छोटे काले गोल धब्बों के रूप में दिखाई देते है। इस बीमारी का प्रकोप जून से सितम्बर तक अधिक होता है क्योंकि इस समय तापक्रम ज्यादा रहता है।

नियंत्रण

- प्रोक्लोराक्स 0.15 प्रतिशत या कार्बेन्डाजिम 2 ग्राम प्रति लीटर पानी का घोल बनाकर छिड़काव करें।
- केले को 3/4 परिपक्वता पर काटना चाहिये।

शीर्ष गुच्छ

(बंचीटाप) पत्तियों की भीतरी मिडरिब की द्वितीयक नसों के साथ अनियमित गहरी (मोर्सकोड) धारियां शुरू के लक्षण के रूप में दिखाई देती है ये असामान्य लक्षण गहरे रंग की रेखाओं में एक इंच या ज्यादा लम्बी अनियमित किनारों के साथ होते हैं। पौधों का ऊपरी सिरा एक गुच्छे का रूप ले लेता है। पत्तियां छोटी व संकरी हो जाती है। किनारे ऊपर की ओर मुड़ जाते हैं डण्ठल छोटा व पौधे बौने रह जाते हैं और फल नहीं लगते हैं। इस बीमारी के विषाणु का वाहक पेन्टोलेनिया नाइग्रोनरवोसा नामक माहू है।

नियंत्रण

- रोगग्रसित पौधों की निकालकर नष्ट कर देना चाहिये।
- रोग वाहक कीट नियंत्रणके लिये मेटासिस्टॉक्स 1.25 मि.ली. या डेमेक्रान 0.5 मि.ली. दवा प्रति लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव करना चाहिए।
- रोग रहित सकर्स का चुनाव करें।

कीट

तना भेदक

तना भेदक कीट का मादा वयस्क पत्तियों के डंठलों में अंडे देती है। जिससे इल्ली निकलकर पत्तियों एवं तने को खाती है। प्रारंभ में पौधे के तने से रस निकलता हुआ दिखायी देता है। फिर कीट की लार्वी द्वारा किये गये छिद्र से गंदा पदार्थ पत्तियों के डंठल पर बूंद-बूंद टपकता है। जिससे तने के अंदर निकल रहे पुष्प प्रोमोडिया शुष्क हो जाता हैं। इसका प्रकोप वर्ष भर होता है।

नियंत्रण

घेरे को काटने के बाद पौधों को जमीन से काटकर कीटनाशक दवा कार्बोरिल 2 ग्राम मात्रा प्रति लीटर पानी का घोल बनाकर छिड़काव करने से अंडे व कीट नष्ट हो जाते है।

माहू

यह कीट केले की पत्तियों का रस चूसकर हानि पहुंचाता है। तथा बंची टाप वाइरस को फैलाने का प्रमुख वाहक है। इस माहू का रंग भूरा होता है। जो पत्तियों के निचले भाग या पौधे के शीर्ष भाग से रस चूसती है।

नियंत्रण

फास्फोमिडान 0.03 प्रतिशत के घोल का छिड़काव करें.

थ्रिप्स

तीन प्रकार की थ्रिप्स केला फल (फिंगर) को नुकसान पहुंचाती है। थ्रिप्स प्रभावित फल भूरा बदरंग, काला तथा छोटे-छोटे क्रेक आ जाते है। यद्यपि फल के गूदे पर प्रभाव नहीं पड़ता परंतु बाजार भाव ठीक नहीं मिलता।

नियंत्रण

डायमिनॉन 20 ई.सी. की 1625 से 2500 मि.ली. मात्रा प्रति हेक्टर का छिड़काव करें.

लेस विंगस बग

यह कीट सभी केला उत्पादक क्षेत्रों में पाया जाता है। इस कीट से प्रभावित पत्तियां पीली पड़ जाती हैं। पत्तियों के निचले भाग में रहकर रस चूसती है।

नियंत्रण

मैलाथियान की 1.5 मि.ली. दवा प्रति लीटर पानी का घोल बनाकर छिड़काव करें.

पत्ती खाने वाली इल्ली

इस कीट की इल्ली नये छोटे पौधों की बिना खुली पत्तियों को खाती है। पत्तियों में नये छेद बना देती है।

नियंत्रण

थायोडान 35 ई.सी. का छिड़काव (1.5 मि.ली. प्रति लीटर पानी) पत्तियों पर करने से प्रभावी नियंत्रण देखा गया है।

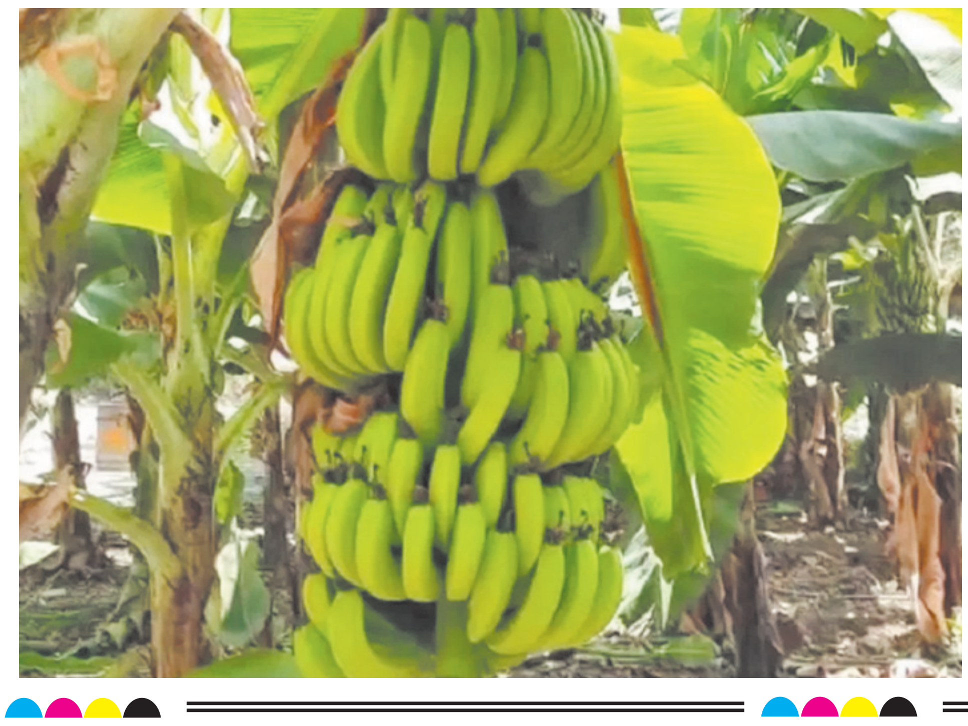

केले का धारी विषाणु

इस बीमारी के कारण प्रारंभ में पौधों की पत्तियों पर छोटे पीले धब्बे जो बाद में सुनहरी पीली धारियों में बदल जाते हैं। क्लोरोटिक धारियां पत्तियों के लेमिना पर काला रूप लिये नेक्रोटिक हो जाती है। घेर का बाहर न निकलना बहुत छोटी घेर निकलना एवं फलों में बीज का विकास प्रभावित पौधों के प्रमुख लक्षण है। इस रोग का विषाणु मिलीबग एवं प्लेनोकोकस सिट्री के द्वारा फैलाया जाता हैं।

नियंत्रण

प्रभावित पौधों को निकालकर नष्ट कर देना चाहिए तथा मिली बग के नियंत्रण के लिये कार्बोफ्यूरान की डेढ़ किलो ग्राम मात्रा प्रति एकड़ के हिसाब से जमीन में डालें।

मूडीज ने घटाई अमेरिका की क्रेडिट रेटिंग, कर्ज और महंगाई से बढ़ी आम जनता की चिंता

वॉशिंगटन, एजेंसी। क्रेडिट रेटिंग एजेंसी मूडीज ने अमेरिका की रेटिंग एएए से घटाकर 1 कर दी है। 1917 के बाद यह पहली बार हुआ है जब मूडीज ने अमेरिका को उसके 'परफेक्ट क्रेडिट स्कोर' से वंचित किया है। इससे संकेत मिलता है कि अब अमेरिका का कर्ज पहले जितना सुरक्षित नहीं माना जा रहा।

यह फैसला फिच (2023) और S&P (2011) की पहले की गई रेटिंग कटौती के बाद आया है। अब तीनों बड़ी रेटिंग एजेंसियों ने अमेरिका को एएए से नीचे रेट किया है।

मूडीज के मुताबिक, अमेरिका का बढ़ता कर्ज और उस पर ब्याज अब गंभीर चिंता का विषय है। अमेरिका का वित्तीय बोझ समान रेटिंग वाले अन्य देशों से कहीं ज्यादा हो गया है। भविष्य में उधारी की बढ़ती जरूरत अर्थव्यवस्था पर लंबे समय तक दबाव बनाए रखेगी। हालांकि मूडीज ने अमेरिका के लिए स्थिर आउटलुक बरकरार रखा है लेकिन फेडरल रिजर्व की स्वतंत्रता पर पूर्व राष्ट्रपति ट्रंप की टिप्पणियों से यह स्थिरता खतरे में भी पड़ सकती है।

रेटिंग गिरने के बाद अमेरिका में राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप शुरू हो गया है। व्हाइट हाउस प्रवक्ता कुश देसाई ने इसके लिए बाइडन प्रशासन की नीतियों को जिम्मेदार ठहराया और कहा कि ट्रंप और रिपब्लिकन पार्टी अमेरिका को फिर आर्थिक रूप से मजबूत बनाने के लिए वन बिग ब्यूटीफुल बिल÷ ला रही है। इस बिल में सरकारी खर्चों में कटौती, अनावश्यक योजनाओं को खत्म करने और बर्बादी रोकने की योजना है।

एलन मस्क के नेतृत्व वाले डिपार्टमेंट ऑफ गवर्नमेंट एफिशिएंसी ने सरकारी खर्चों को घटाने के लिए हजारों कर्मचारियों की छंटनी की है और USAID जैसी संस्थाओं के बजट में कटौती की गई है।

हालांकि, विशेषज्ञों का कहना है कि ट्रंप प्रशासन के टैक्स कट और सोशल स्कीम में कटौती जैसे प्रस्ताव लंबे समय में अमेरिका के कर्ज को 3.3 ट्रिलियन डॉलर तक बढ़ा सकते हैं।

अब शेयर बाजार में उतरेंगे ग्रामीण बैंक, बड़ी योजना का तैयारी में केंद्र सरकार

बिजनेस डेस्क। सरकार अब क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों में निवेशकों और आम जनता के भरोसे को मजबूत करने के लिए उन्हें शेयर बाजार में सूचीबद्ध (लिस्ट) कराने की योजना बना रही है। इसका उद्देश्य इन बैंकों को अधिक पारदर्शी, जवाबदेह और निवेश योग्य बनाना है। केंद्र सरकार चाहती है कि वर्ष 2027 तक कम से कम पांच आरआरबी को शेयर बाजार में लिस्ट कराया जाए। ग्रामीण बैंकिंग को मजबूत करने के लिए सरकार पहले ही One State, One

RRB नीति लागू कर चुकी है। इसके तहत देशभर के कई क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों का आपस में विलय किया गया है। इस प्रक्रिया के बाद आरआरबी की संख्या 43 से घटकर 28 रह गई है। नवीनतम विलय 1 मई 2025 से प्रभाव में आया, जिसके बाद अब 29 आरआरबी, भारत के 26 राज्यों और 2 केंद्रशासित प्रदेशों में काम कर रहे हैं। ये बैंक अब देशभर में 22,000 से अधिक शाखाओं के माध्यम से लगभग 700 जिलों में ग्रामीण जनता को सेवाएं दे रहे हैं।

सरकार का उद्देश्य है कि ये बैंक सिर्फ ग्रामीण स्तर पर ही सेवाएं न दें, बल्कि पारदर्शी और भरोसेमंद वित्तीय संस्थान के रूप में विकसित होकर आम निवेशकों के लिए भी आकर्षक बनें। एक रिपोर्ट के अनुसार, एक वरिष्ठ सरकारी अधिकारी ने कहा, हम चाहते हैं कि आरआरबी को निवेशकों और आम जनता दोनों के लिए भरोसेमंद संस्थान के रूप में प्रस्तुत किया जाए। यदि ये बैंक लगातार बेहतर प्रदर्शन करते हैं, तो उन्हें शेयर बाजार में सूचीबद्ध किया जाएगा।

एमएसएमई को सस्ते लोन की योजना फिर हो सकती है शुरू, कम ब्याज पर मिलेगा कर्ज

नई दिल्ली, एजेंसी। एमएसएमई निर्यातकों के लिए कर्ज पर सब्सिडी स्कीम फिर शुरू की जा सकती है। सरकार इस पर विचार कर रही है। दिसंबर 2024 में इस स्कीम को बंद कर दिया गया था। लेकिन अमेरिका के इंपोर्ट टैरिफ लगाने और ग्लोबल इकोनॉमी में अनिश्चितता को देखते हुए इसे फिर शुरू किया जा सकता है। इससे निर्यातकों को सस्ता लोन मिल सकेगा।

अभी निर्यातकों को बैंकों से 8 से 12 प्रतिशत तक ब्याज पर कर्ज मिलता है। एमएसएमई के लिए ब्याज की दर कई बार इससे भी अधिक हो जाती है। भारतीय रूस्स्ध्र को चीन से कंपटीशन करना पड़ता है, जहां उद्यमियों को 2 से 3 प्रतिशत ब्याज पर लोन मिल जाता है।

भारत ने हाल ही इंग्लैंड के साथ फ्री ट्रेड एग्रीमेंट किया है। अमेरिका के साथ भी द्विपक्षीय व्यापार समझौते पर बात चल रही है। एक्सपोर्टर्स का कहना है कि इन अवसरों का लाभ उठाने के लिए प्रोत्साहन देना जरूरी है।

निर्यातक सरकार से कई बार इस स्कीम को एक्सटेंड करने की मांग कर चुके हैं। पिछले बजट में जब स्कीम के विस्तार का जिक्र नहीं किया गया तो निर्यातक संगठनों ने वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से अलग से इसके लिए आग्रह किया।

उससे पहले निर्यातक संगठन फियो के तत्कालीन अध्यक्ष अश्विनी कुमार ने कहा था कि इस योजना को आगे बढ़ाने पर सकारात्मक रूप से विचार करना चाहिए। चीन में ब्याज दर 2-3 प्रतिशत है और इससे उनके निर्यातकों को काफी मदद मिलती है।

उन्होंने इस स्कीम में क्रेडिट लिमिट भी बढ़ाकर 50 लाख रुपये से बढ़ाकर 10 करोड़ रुपये करने की मांग की थी। उनका कहना था कि प्रति कंपनी 50 लाख रुपये की सीमा लगाने से अनेक एमएसएमई प्रभावित हुए हैं। सब्सिडी नहीं मिलने के कारण वे नए ऑर्डर पर निर्णय लेने में असमर्थ हैं।

पहली बार इसकी अवधि पांच साल के लिए यानी 31 मार्च 2020 तक थी। उसके बाद इसका कई बार विस्तार किया गया। आखिरी बार सितंबर 2023 में इसे दिसंबर 2024 तक बढ़ाया गया था।

इस योजना के तहत 10 में से लगभग 8 बेनिफिशियरी एमएसएमई ही थे। इस स्कीम में एमएसएमई को 3 प्रतिशत ब्याज सब्सिडी मिलती थी। निर्यातकों को प्री-शिपमेंट और पोस्ट-शिपमेंट के लिए रुपये में एक्सपोर्ट क्रेडिट पर सब्सिडी मिलती थी। इसकी निगरानी का जिम्मा विदेश व्यापार महानिदेशालय और आरबीआई के पास था। स्मॉल इंडस्ट्रीज डेवलपमेंट बैंक ऑफ इंडिया ने हाल ही एक सर्वे रिपोर्ट में बताया कि इस सेक्टर को जरूरत से 24 प्रतिशत कम कर्ज मिल रहा है। यह क्रेडिट गैप लगभग 30 लाख करोड़ रुपये का है। सिडबी के सर्वे में सबसे अधिक 22 प्रतिशत ने कर्ज मिलने को सबसे बड़ी चुनौती बताया।

वर्ष 2023-24 के एनुअल सर्वे ऑफ अन-इनकॉरपोरेटेड सेक्टर एंटरप्राइजेज के अनुसार देश में 7.34 करोड़ एमएसएमई हैं। उद्यम रजिस्ट्रेशन वाले उपक्रमों में 98.64 प्रतिशत माइक्रो, 1.24 प्रतिशत स्मॉल और 0.12 प्रतिशत मीडियम है। इनमें लगभग 26 करोड़ लोग काम करते हैं।

सिडबी के अनुसार, देश के ग्रॉस वैल्यू एडेड में एमएसएमई की हिस्सेदारी 2020-21 में 27.3 प्रतिशत थी। यह 2021-22 में 29.6त्न और 2022-23 में 30.1 प्रतिशत हो गई। इस दौरान एमएसएमई निर्यात में भी काफी वृद्धि हुई है। इनका निर्यात 2020-21 के 3.95 लाख करोड़ से बढ़कर 2024-25 में 12.39 लाख करोड़ रुपये हो गया।

निर्यात करने वाले एमएसएमई की संख्या भी बढ़ी है। यह 2020-21 में 52849 थी, जो 2024-25 (मई 2024 तक) 173350 हो गई। भारत के कुल निर्यात में एमएसएमई का योगदान 2022-23 में 43.59 प्रतिशत, 2023-24 में 45.73 प्रतिशत और 2024-25 में 45.79 प्रतिशत रहा है। वर्ष 2025-26 के बजट में निर्यातक एमएसएमई को क्रेडिट गारंटी के लिए लोन की लिमिट बढ़ाकर 20 करोड़ रुपये कर दी गई थी।

सिबिल खराब होने पर भी मिल जाएगा पर्सनल लोन

नई दिल्ली, एजेंसी। सिबिल स्कोर की रेंज 300 से 900 के बीच होती है। जितना ज्यादा अच्छा सिबिल स्कोर या क्रेडिट स्कोर होगा, लोन मिलने में भी उतनी ही आसानी होगी। अगर बेहतर सिबिल स्कोर होता है तो कई चीजों में आसानी आती है। लेकिन खराब सिबिल स्कोर होने पर उधार मिलने में परेशानी आ सकती है।

हालांकि इसका मतलब ये नहीं है कि लोन मिल ही नहीं सकता। चलिए अब उन तरीकों के बारे में बात करते हैं, जिसके जरिए खराब सिबिल स्कोर होने पर भी लोन मिल सकता है।

ज्वाइंट लोन का लें सहारा- ज्वाइंट लोन के माध्यम से आप खराब क्रेडिट स्कोक के बावजूद लोन पा सकते हैं। हालांकि जिसे भी आप अपना पार्टनर बना रहे हैं, उसका सिबिल स्कोर अच्छा होना बहुत जरूरी है। ज्वाइंट लोन के तहत आपका लोन बोझ भी कम होता है। इस तरह से आप कम क्रेडिट स्कोर होने पर भी लोन पा सकते हैं।

छोटे फाइनेंशियल संस्थान खराब क्रेडिट स्कोर होने पर भी लोन मुहैया करा देते हैं। हालांकि ये संस्थाएं ऐसी स्थिति में ब्याज दर ज्यादा लेती हैं।

सिक्योर्ड लोन- आप सामान्य बैंकों से गोल्ड पर लोन ले सकते हैं। इसके लिए कोई भी बैंक मना नहीं करेगी। गोल्ड के अलावा आप अन्य सिक्योर्ड लोन का ऑप्शन चुन सकते हैं। बैंक अक्सर अनसिक्योर्ड लोन के मुकाबले सिक्योर्ड लोन आसानी से देती हैं।

इसके साथ ही अगर कम अमाउंट का लोन लें, तो भी इसके मिलने के चांस बढ़ जाते हैं। वहीं अगर आप बैंक को ये दिखा सकते हैं कि आपके पास एक स्थिर इनकम है, तो भी आपको लोन मिलने की संभावनाएं बढ़ जाती हैं।

क्वालिटी वाले म्यूचुअल फंड सेफ्टी नेट के साथ निवेश

नई दिल्ली, एजेंसी। आज के बाजार में, जहां अनिश्चितता ही एकमात्र स्थिरता है, इस सोच ने नए सिरे से इन्वेस्टिंग के तरीकों को बदला है। क्वालिटी वाले म्यूचुअल फंड उन कंपनियों पर ध्यान केंद्रित करते हैं जिन्होंने बाजार में अपनी जगह बनाई है। ये वित्तीय रूप से मजबूत होते हैं, लगातार मुनाफा देते हैं, साफ-सुथरा इनका कॉर्पोरेट गवर्नेंस होता है, साथ ही अनुभवी नेतृत्व होता है।

क्वालिटी इन्वेस्टिंग में निरंतरता का मतलब ग्रोथ का त्याग नहीं है। इसके विपरीत, क्वालिटी कंपनियां आम तौर पर सस्टेनेबल अर्निंग देती हैं और कैपिटल को बेहतर तरीके से इन्वेस्ट करती हैं। हालांकि, ये रातोंरात लाभ नहीं दे सकती हैं, लेकिन ये समय के साथ वैल्यू को लगातार बढ़ाती हैं। महत्वपूर्ण बात यह है कि क्वालिटी इन्वेस्टिंग लॉन्ग-टर्म रिटर्न को बनाए रखने के लिए उचित कीमत पर खरीदारी पर भी जोर देती है।

क्वालिटी वाले म्यूचुअल फंड की एक प्रमुख ताकत फ्लेक्सिबिलिटी है। फंड मैनेजर किसी एक सेक्टर या कंपनी के साइज तक सीमित नहीं होते। वे लार्ज-कैप, मिड-कैप और चुनिंदा स्मॉल-कैप स्टॉक्स में जाते हैं, जो इस बात पर आधारित होते हैं कि असली क्वालिटी कहां है। इसका मतलब है कि निवेशक कोर थीम पर से ध्यान हटाए बिना डायवर्सिफिकेशन से लाभ उठाते हैं।

इसके अलावा, ऐसे फंडों पर काफी रिचर्स किया जाता है जो यह सुनिश्चित करते हैं कि प्रत्येक चयन सॉलिड मैट्रिक्स पर आधारित है रिटर्न ऑन इक्विटी, रिटर्न ऑन इन्वेस्टेड कैपिटल, फ्री कैश फ्लो और पूरे बिजनेस का हेल्थ। अभी, कई क्वालिटी वाले स्टॉक अन्य निवेश शैलियों की तुलना में हाल ही में अंडरपरफॉर्मेंस के कारण उचित वैल्यूएशन पर ट्रेड कर रहे हैं। यह निवेशकों के लिए आकर्षक कीमतों पर हाई-क्वालिटी वाले बिजनेस में प्रवेश करने का एक अनूठा अवसर देता है। नीतिगत बदलावों से लेकर जियोपॉलिटिकल टेंशन तक वैश्विक चुनौतियों के जल्द ही खत्म होने की संभावना नहीं है। ऐसे में क्वालिटी-फोकस पोर्टफोलियो एक संतुलित वाहन की तरह काम करता है।

क्वालिटी म्यूचुअल फंड सिर्फ रिटर्न ही नहीं देते बल्कि भरोसा भी देते हैं। वे कुछ ऐसा हैं जो लंबे समय तक चलता है। यह शोध से प्रेरित है, अनुशासन पर आधारित और निवेशक की दीर्घकालिक दृष्टि के साथ जुड़ा है।

अगले हफ्ते आएगा इस ऑटो कंपोनेंट कंपनी का आईपीओ, इंग्लैंड से लेकर जापान तक करती है सप्लाई

नई दिल्ली, एजेंसी। ऑटोमोबाइल कंपोनेंट बनाने वाली कंपनी बेलराइज इंडस्ट्रीज का अगले हफ्ते आईपीओ आने वाला है। यह पब्लिक ऑफर 21 मई को खुलकर 23 मई को बंद होगा। कंपनी ने कहा है कि एंकर इन्वेस्टर्स के बोली लगाने के लिए 20 मई की तारीख तय की गई है।

इस आईपीओ से कंपनी का 2150 करोड़ रुपये जुटाने का लक्ष्य है। इसके लिए इसने 85 से 90 रुपये का प्राइस बैंड तय किया है। कंपनी के रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस के अनुसार आईपीओ से जुटाई गई रकम से 1618 करोड़ रुपये वह कर्ज लौटाने में इस्तेमाल करेगी। दिसंबर 2024 में कंपनी पर 2600 करोड़ रुपये का कर्ज था।

बेलराइज इंडस्ट्रीज टू व्हीलर, थ्री व्हीलर, फोर व्हीलर, कमर्शियल व्हीकल और खेती में इस्तेमाल होने वाले वाहनों के लिए कई तरह के सेफ्टी सिस्टम बनाती है। कंपनी की वेबसाइट पर दी जानकारी के मुताबिक यह मेटल फैब्रिकेशन के साथ पॉलीमर, टू-व्हीलर के मिरर, सस्पेंशन और सब-असेंबली की भी मैन्युफैक्चरिंग करती है।

भारत में बेचने के अलावा यह अपने प्रोडक्ट ऑस्ट्रिया, स्लोवाकिया, इंग्लैंड, जापान और थाईलैंड को निर्यात भी करती है। इसके ग्राहकों में बजाज ऑटो, होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया, हीरो मोटोकॉर्प, जगुआर लैंडरोवर और रॉयल एनफील्ड मोटर्स भी शामिल हैं।

कंपनी की इस समय 17 मैन्युफैक्चरिंग यूनिट हैं। वित्त वर्ष 2023-24 में इसका रेवेन्यू 7484.24 करोड़ और प्रॉफिट 310.18 करोड़ रुपये था। उससे एक साल पहले रेवेन्यू 6582.50 करोड़ और प्रॉफिट 313.66 करोड़ रुपये था। कंपनी ने आधा इश्यू क्वॉलिफाइड इंस्टीट्यूशनल खरीदारों के लिए रिजर्व रखा है। रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए 35 प्रतिशत शेयर हैं। बाकी 15त्न शेयर नॉन-इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स के लिए रखे गए हैं। इन्वेस्टर्स को कम से कम 166 शेयरों के लिए आवेदन करना होगा।

अपना बिजनेस शुरू करने का सुनहरा मौका, पीएम जन औषधि का रजिस्ट्रेशन फिर खुला

नई दिल्ली, एजेंसी। पीएम जन औषधि योजना की ऑफिशियल एक्स हैंडल पर एक पोस्ट साझा हुई है। इस पोस्ट के जरिए जनता को सूचित किया गया है कि जन औषधि योजना का रजिस्ट्रेशन फिर से शुरू हो गया है। इस योजना के तहत अगर कोई व्यक्ति मेडिकल दुकान शुरू करता है, तो उसे सरकार की तरफ से वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है।

अपना जन औषधि केंद्र खोलकर आत्मनिर्भर बनें और सस्ती दवाइयों के माध्यम से समाज की सेवा करें। कम निवेश में ज़्यादा लाभ और समाज के लिए सस्ती दवाइयों की उपलब्धता सुनिश्चित करें।

अगर आप जन औषधि योजना के तहत बिजनेस शुरू करते हैं, तो दवाई की एमआरपी पर 20 फीसदी का मुनाफा मिलता है। मसलन मान लीजिए एक दवाई का स्ट्रिप की कीमत 100 रुपये है, तो इसे बेचने पर आपको 20 रुपये का लाभ मिल जाएगा।

इसके साथ ही एसटी/एससी, महिलाओं और दिव्यांगजन को इस स्कीम के तहत ज्यादा फायदे मिल सकते हैं। इसके अलावा अगर इस योजना के तहत कोई दवा घर हिमालय या नॉर्थ ईस्टर्न स्टेट में खोला जाता है, तो सरकार की तरफ से 2 लाख रूपये का इंसेंटिव प्रदान किया जाएगा।

इसके बिना नहीं मिलेगा लाभ- वेबसाइट से मिली जानकारी के मुताबिक अगर आप जन औषधि परियोजना में अप्लाई करना चाहते हैं, तो डी फार्मा या बी फार्मा की डिग्री होना जरूरी है। अगर आपके पास इन दोनों में से कोई भी डिग्री नहीं है, तो ऐसे व्यक्ति को दुकान में रखना होगा, जिसके पास ये डिग्री उपलब्ध हो।

कंपनियों को मिली बड़ी राहत, टल गया जीएसटी फाइलिंग में होने वाला ये बदलाव

नई दिल्ली, एजेंसी। जीएसटी व्यवस्था में जीएसटीआर-3 बी रिटर्न फाइल करने वालों को फिलहाल एक राहत मिली है। रजिस्टर्ड कंपनियां अनरजिस्टर्ड और कंपोजीशन टैक्स वालों को जो बिक्री करती हैं, वह मासिक रिटर्न में टेबल 3.2 में दिखता है। इसे लॉक किया जाना था, लेकिन जीएसटी नेटवर्क ने कहा है कि फिलहाल इस पर अमल टाल दिया गया है।

जीएसटी नेटवर्क ने 11 अप्रैल को कहा था कि अप्रैल महीने की त्रस्ञ्जक्र-3क्र रिटर्न फाइलिंग में इंटर-स्टेट सप्लाई के आंकड़े अपने आप (ऑटो पॉपुलेट) दिखेंगे और उन्हें बदला नहीं जा सकेगा। शुक्रवार को जारी एडवाइजरी में इसने कहा कि इस बदलाव के बारे में टैक्सपेयर्स की तरफ से कुछ प्रजेंटेशन दिए गए। अभी उनकी स्टडी की जा रही है और आने वाले समय में उनका समाधान किया जाएगा।

जीएसटी नेटवकने कहा, टैक्सपेयर्स की सुविधा के लिए यह निर्णय लिया गया है कि टेबल 3.2 फिलहाल एडिटेबल रहेगा (अर्थात उसमें संशोधन किया जा सकेगा)। टैक्सपेयर्स को सलाह दी जाती है कि जरूरत होने पर ऑटो-पॉपुलेटेड एंट्री में संशोधन करें और सही रिटर्न फाइल करें।

जीएसटीआर-3बी फॉर्म के टेबल 3.2 में अनरजिस्टर्ड लोगों, कंपोजीशन टैक्सपेयर और यूनिक आइडेंटिफिकेशन नंबर वालों को इंटर-स्टेट सप्लाई की जानकारी होती है। कंपनियां जीएसटीआर-1 और जीएसटीआर-1 में इंटर-स्टेट सप्लाई की जानकारी देती हैं, वही टेबल 3.2 में ऑटो-पॉपुलेट होती है।

टैक्स कंसल्टेंसी फर्म एकेएम ग्लोबल के पार्टनर संदीप सहगल के अनुसार, जीएसटी नेटवर्क का यह कदम अनेक कंपनियों के लिए राहत की बात है। पहले कहा गया था कि टेबल 3.2 में दिखने वाली वैल्यू को अप्रैल 2025 के रिटर्न से बदला नहीं जा सकेगा। इसके टलने से खास कर रिटेल, एफएमसीजी, हॉस्पिटैलिटी और ईकॉमर्स सेक्टर की कंपनियों को तैयारी का समय मिल जाएगा। इन सेक्टर में अनरजिस्टर्ड खरीदारों को बिक्री आम बात है। हालांकि एएमआरजी एंड एसोसिएट्स के पार्टनर रजत मोहन के अनुसार अंतिम समय में किया गया यह बदलाव नीतिगत अस्थिरता को दर्शाता है। इससे अनिश्चितता का वातावरण बनता है। उन्होंने कहा, जब कंपनियां बीआरपी में संशोधन करती हैं और पूरे संस्थान के स्तर पर कंप्लायंस स्ट्रक्चर में बदलाव करती हैं, तो रिटर्न फाइलिंग से ठीक पहले उसे बदलना बहुत मुश्किल हो जाता है।

रेलवे स्टॉक में जबरदस्त तेजी, 6% से ज्यादा आया उछाल

नई दिल्ली, एजेंसी। इंडियन रेलवे फाइनेंस कॉरपोरेशन के शेयर में आज अच्छी खासी बढ़ोतरी देखने को मिल रही है। दोपहर लगभग 2 बजे इसके शेयर्स में 8 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है। अभी खबर लिखते समय में इसके शेयर में 5.91 फीसदी का उछाल दर्ज किया गया है।

बीएसई पर दोपहर 2.44 बजे आईआरएफसी के शेयर की कीमत 6 फीसदी से ज्यादा उछली है। अभी इसके एक शेयर का दाम 138.15 रुपये चल रहा है। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज में भी इसके शेयर में 6.17 फीसदी की बढ़त देखी गई है।

आईआरएफसी के चौथी तिमाही के रिजल्ट में पिछली तिमाही की तुलना में बढ़ोतरी दर्ज की गई। वित्त वर्ष 2024-25 की चौथी तिमाही में कंपनी का नेट प्रॉफिट 1666.99 करोड़ रुपये रहा है। जो इससे पहले वाली तिमाही यानी तीसरी तिमाही में 1627.62 करोड़ रुपये था।

हालांकि अगर इसकी वित्त वर्ष 2023-24 की चौथी तिमाही से तुलना की जाए, तो इसमें कमी आई है।

12_16.12..2018 PAGE-04.qxd 18-05-2025 22:11 Page 1

वन भूमि को बना दिया प्लॉट, जांच के आदेश

भू माफिया का दिख रहा कमाल

प्रशासन के हाथ-पैर फूले

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रांची। रांची के रातू अंचल में 5.19 एकड़ जमीन की गड़बड़ी का मामला सामने आने के बाद प्रशासन ने अपनी सक्रियता बढ़ाई है।

बताया जा रहा है कि जिस जमीन को वन भूमि के तौर पर चिह्नित किया गया था, उसे कागजों में बदलकर जनरल प्लाट में तब्दील कर दिया गया।

जैसे ही इस गड़बड़ी की भनक जिला प्रशासन को लगी, रांची के उपायुक्त मंजूनाथ भजंत्री ने सख्त रुख अपनाते हुए मामले की जांच के आदेश दे दिए हैं।

डीसी ने अनुमंडल पदाधिकारी को निर्देश दिया है कि वह पूरे मामले की तह तक जाएं और जल्द से जल्द विस्तृत रिपोर्ट सौंपें। जिला प्रशासन इस गड़बड़ी को लेकर सतर्क हो गया है और आगे किसी भी प्रकार की लापरवाही को बर्दाश्त न करने के संकेत दे दिए गए हैं।

इस बीच, जमीन से जुड़ा एक और विवाद सामने आया है, जिसमें कांके अंचल के सीओ जय कुमार राम पर गंभीर आरोप लगे हैं। पिठौरिया के रहने वाले मुस्तफा अंसारी ने रांची डीसी को एक शिकायत पत्र सौंपा है, जिसमें उन्होंने आरोप लगाया है कि सीओ ने निजी स्वार्थ में दोहरी जमाबंदी की है।

यानी एक ही जमीन की दो बार अलग-अलग मालिकों के नाम पर जमाबंदी कर दी गई है। डीसी भजंत्री ने इस मामले को भी गंभीरता से लेते हुए जांच का जिम्मा रांची एसडीएम को सौंपा है। जांच रिपोर्ट आने के बाद ही कार्रवाई होगी।

बालगृह एवं बालिका गृह का किया निरीक्षण

प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश ने किचन गृह का भी किया अवलोकन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

खूंटी। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश रसिकेश कुमार के द्वारा सहयोग विलेज संस्था के अंतर्गत संचालित बालगृह का निरीक्षण किया गया। इस अवसर पर संस्था के इंचार्ज रामसुरेश राय ने बताया कि बालगृह में कुल 50 बच्चों को आवासित करने की क्षमता है, जिसमें वर्तमान में 22 बालक निवासरत हैं।

इनमें से 12 बच्चे पास के चलागी स्थित राजकीय विद्यालय में तथा 03 बच्चे नेताजी सुभाष चंद्र बोस आवासीय विद्यालय, बिरहु में अध्ययनरत हैं। साथ ही 07 विशेष देखभाल वाले बच्चों के लिए एक विशेष इकाई का संचालन किया जा रहा है, जिसमें उनके लिए अलग से विशेष शिक्षक एवं नर्स की व्यवस्था सुनिश्चित की गई है।

निरीक्षण के दौरान प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश ने बालगृह के किचन परिसर का भी अवलोकन किया। संस्था प्रमुख द्वारा अवगत कराया गया कि

बच्चों को निर्धारित भोजन तालिका के अनुसार पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराया जाता है तथा विशेष देखभाल वाले बच्चों के लिए अलग से भोजन तालिका भी बनाई गई है।

इसके पश्चात प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश द्वारा संस्था द्वारा संचालित विशेष इकाई का निरीक्षण किया गया, जहां विशेष शिक्षक द्वारा बच्चों को दी जा रही थेरेपी एवं उपचार की जानकारी प्रस्तुत की गई। इस अवसर पर गुटजोड़ा स्थित आशा किरण बालिका गृह का भी निरीक्षण किया गया। यहां बच्चों को दी जा रही सुविधाओं के बारे में सिस्टर से जानकारी ली गई। निरीक्षण के अंत में प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश द्वारा आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए गए। निरीक्षण के दौरान अनुमंडल पदाधिकारी दीपेश कुमारी तथा जिला बाल संरक्षण पदाधिकारी, खूंटी भी उपस्थित थे।

पेड़ से टकरायी बाराती गाड़ी, एक की मौत

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

लोहरदगा। लोहरदगा-गुमला मुख्य पथ में लोहरदगा जिला के सेन्हा थाना क्षेत्र के सेन्हा कब्रिस्तान के समीप स्कॉर्पियो हादसे का शिकार हो गई। बाराती स्कॉर्पियो वाहन संख्या जेएच01डीडी-6651 बरगद के पेड़ से टकरा गई। इस हादसे में एक बच्ची की मौत हो गई, जबकि आधा दर्जन यात्री गंभीर रुप से घायल हो गए।

बच्ची दूल्हे की फुफेरी बहन बताई जा रही है, जो अन्य बारातियों के साथ गुमला जिला के लरंगो गाव में बारात में शामिल होने के बाद वापस लोहरदगा जिला के सेन्हा थाना क्षेत्र के निंगनी गांव वापस लौट रही थी। घायलों को सेन्हा थाना पुलिस की सहायता से इलाज के लिए सदर अस्पताल पहुंचाया गया।, जहां पर प्राथमिक उपचार के बाद घायलों को बेहतर इलाज के लिए रांची के रिम्स में रेफर कर दिया गया है।

मृतक की पहचान गुमला जिला के पालकोट थाना क्षेत्र के दहुडरह गांव निवासी चंद्रदेव साहू की पुत्री प्रीति कुमारी के रुप में हुई है। वहीं घायलों की पहचान शिक्षक निंगनी गांव निवासी शंकर साहू के परिवार के सदस्यों के रुप में हुई है।

स्कॉर्पियो के दुर्घटनाग्रस्त होने की सूचना मिलने पर सेन्हा थाना पुलिस के गश्ती दल के सअनि साहेब कुंवर और पुलिस बल ने पुलिस वाहन से घायलों को स्थानीय ग्रामीणों के सहयोग से सदर अस्पताल लोहरदगा पहुंचाया।

निगनी से गुमला जिले के लरगो गांव बरात गई थी और बाराती देर रात बारात से लौट कर निगनी गांव जा रहे थे। तभी स्कॉर्पियो सेन्हा कब्रिस्तान के समीप बरगद के पेड़ से टकरा गई।

स्कॉर्पियो के पेड़ से टकराने के बाद आसपास के ग्रामीणों ने घायलों को वाहन से निकालने में पुलिस का सहयोग किया। सेन्हा थाना प्रभारी वारिश हुसैन का कहना है कि घटना देर रात की है। सभी घायल को अस्पताल भेजा गया, जिसमें एक बच्ची की मौत हुई है। स्कॉर्पियो को जब्त कर लिया गया है।

प्रभावित परिवारों को मिलेंगे 15 लाख रुपये और एक एकड़ जमीन

पलामू टाइगर रिजर्व ने डैम की उंचाई घटाने को कहा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रांची। उत्तर कोयल नहर परियोजना यानि मंडल डैम के डूब प्रभावित क्षेत्र में आने वाले लोगों को पुनर्वासित करने की योजना जल्द ही पूरी होने वाली है। मुख्य सचिव अलका तिवारी ने हाल ही में इस क्षेत्र का दौरा किया था और लोगों को सुविधायुक्त पुनर्वास का निर्देश दिया था। जानकारी के मुताबिक मंडल डैम से प्रभावित 780 परिवारों को 15-15 लाख रुपये और एक एकड़ जमीन दी जाएगी। गढ़वा जिले के रंका प्रखंड के विश्रामपुर में इन प्रभावित परिवारों को बसाने की तैयारी है।1972 में बनी मंडल डैम योजना को अब तक पूरा नहीं किया जा सका है। जनवरी 2019 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने डैम

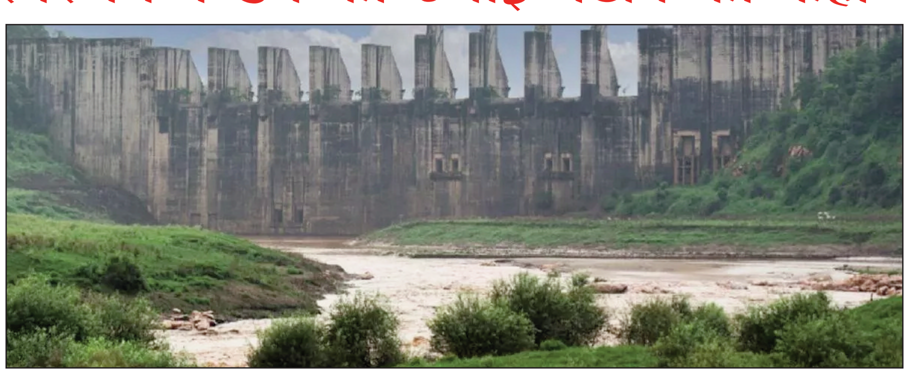

के अधूरे काम को पूरा करने वाली योजना का शिलान्यास किया है। हालांकि, इसके बाद से अब तक कोई निर्माण इस क्षेत्र में नहीं हुआ है। यह ऐसा पहला प्रोजेक्ट है, जिसके पूरा होने के लिए केंद्रीय कैबिनेट की ओर से दो बार राशि निर्गत की गई है।मंडल डैम लगभग बनकर तैयार है। बिहार और झारखंड क्षेत्र में नहर का निर्माण भी हो चुका है, लेकिन डैम की मौजूदा 367 मीटर उंचाई को कम करने के लिए पलामू टाइगर रिजर्व प्रशासन की ओर से कहा गया है। उंचाई कम करने से हजारों की संख्या में पेड़ कटने से बच जाएंगे। विस्थापितों का विवाद सुलझने पर राजनीतिक दलों, सामाजिक संगठनों समेत ग्रामीणों ने खुशी जाहिर की है।

कालेज के खाते से उड़ाये लाखों रुपये

सिमडेगा। रांची विश्वविद्यालय के सिमडेगा कॉलेज के बैंक ऑफ इंडिया के बैंक खाते से क्लोन चेक से करीब 32 लाख रुपये की निकासी का मामला सामने के बाद विवि की तीन सदस्यीय टीम सिमडेगा कॉलेज पहुंची और पूरे मामले की गहनता से जांच पड़ताल की। वहीं, प्रभारी प्रचार्य द्वारा साइबर ठगी की आशंका जताई गई है।

टीम ने एकाउंट के खाते से मिलान करते हुए निर्गत चेक के बारे में भी जानकारी ली। इसके बाद टीम ने बैंक में जाकर अधिकारियों से मिलकर मामले की जानकारी ली। रांची विवि की टीम ने मामले की जांच करते हुए बैंक खाते में रुपये की वापसी के लिए उचित कार्रवाई की मांग की।

टीम में रांची विवि के फाइनेंस एडवाइजर अजय कुमार, फाइनेंस ऑफिसर दिलीप प्रसाद एवं एक अन्य शामिल थे। सिमडेगा कॉलेज के प्रभारी प्राचार्य देवराज प्रसाद ने बताया कि सिमडेगा कॉलेज से संबंधित बैंक खाते का संचालन रांची विवि ही करता है।उन्होंने बताया कि बैंक ऑफ इंडिया ने ही 15 मई को सूचना दी कि सिमडेगा कॉलेज के बैंक खाते से 27 अप्रैल से एक मई के बीच में करीब 32 लाख रुपये की निकासी की गई है।

अब धनबाद में आधी कीमत पर मिलेंगी दवाएं

खोली जायेगी अमृत फार्मेसी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

धनबाद। एम्स देवघर और रिम्स रांची के तर्ज पर अब एसएनएमएमसीएच में अमृत फार्मेसी खोली जाएगी। केंद्र सरकार की महत्वपूर्ण योजना के तहत आम लोगों को बाजार मूल्य से 30 से लेकर 50 प्रतिशत ब्रांडेड, जेनेरिक, सर्जिकल आइटम और इंप्लांट के सामान मिल पाएंगे।

एसएनएमएमसीएच और अमृत योजना से जुड़े पदाधिकारियों इससे पहले अस्पताल में इसके लिए जगह चिन्हित किया है। ओपीडी रजिस्ट्रेशन काउंटर के ऊपर भवन में यह खुलेगा।

यह फामेर्सी खुल जाने के बाद अस्पताल में आने वाले मरीजों के लिए सस्ती दवा के और विकल्प खुल जाएंगे। इससे पहले प्रधानमंत्री जन औषधि केंद्र के दो दुकान यहां पर संचालित है, जहां पर सस्ती दर पर जेनेरिक दवाएं मरीजों को दी जा रही है।

इसके साथ ही एसएनएमएमसीएच का अपना दवा वितरण केंद्र है, जहां दवाई निशुल्क मिलती है। लेकिन यहां पर पर्याप्त दवाएं नहीं होती। ऐसे मरीजों के लिए अमृत फामेर्सी वार्ड वरदान साबित होगी।

फिलहाल अमृत फार्मेसी देशभर के सभी एम्स में संचालित कराए गए हैं। देवघर स्थित एम्स में भी अमृत फामेर्सी शुरू हुई है। इसके साथ रिम्स, रांची और बोकारो में इस फामेर्सी को खोला गया है। अब धनबाद में भी फामेर्सी खोली जा रही है।

हड्डी रोग विभाग में हर महीने लगभग 25 से 30 आपरेशन होते हैं। ऐसे मरीजों को हाथ अथवा पैर टूट जाने के बाद इंप्लांट के सामान खरीदने पड़ते हैं। प्रधानमंत्री जन औषधि केंद्र में इंप्लांट और सर्जिकल आइटम के समान नहीं मिलते हैं। लेकिन अमृत फामेर्सी में यह दोनों समान भी 50 प्रतिशत कम पर मिल पाएंगे। ऐसे में हड्डी रोग विभाग में आने वाले सहूलियत मिल पाएगी।

इसका पूरा नाम अफार्डेबल मेडिसिन्स एंड रिलायबल इंप्लांट्स फार ट्रीटमेंट (अमृत) है। केंद्र सरकार ने सस्ती दवाएं उपलब्ध कराने के लिए यह फ्लैगशिप स्कीम शुरू की है।

देश के 22 से अधिक राज्यों में अमृत फामेर्सी की करीब 150 दुकानें काम कर रही हैं। इनके जरिये 5200 से अधिक दवाएं, इम्प्लांट और चिकित्सा उपकरण एमआरपी से 30 से 50 प्रतिशत तक सस्ती उपलब्ध कराया जा रहा है।

राज्य में वानिकी खेती को बढ़ावा देगी सरकार

किसानों की दोगुनी हो जायेगी आमदनी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रांची। राज्य में कृषि वानिकी को बढ़ावा देने के लिए महंगे फलों के उत्पादन की नीति बनाई जा रही है। अभी लातेहार जिले के कुछ क्षेत्र में नाशपाती की खेती होती है।

नाशपाती की बागवानी को अब संताल परगना के साथ हजारीबाग जिले में भी करने की योजना बनाई जा रही है। राज्य के पर्यावरण के अनुकूल बनाने के लिए बीजों को प्रसंस्करित और उपयोगी बनाना होगा।

केंद्रीय बीज प्रमाणन बोर्ड ने इसके लिए राज्य सरकार के संबंधित विभाग के साथ काम प्रारंभ किया है। राज्य कृषि विज्ञान केंद्र में वानिकी संकाय के प्रोजेक्ट प्रमुख संजय पांडे का कहना है कि पलामू स्थित चियांकी में सेब के पौधे पहले लगाए गए थे।

अब नई प्रजाति के पौधों को किसी भी जलवायु में लगने लायक बनाया गया है। उन्होंने बताया कि वाटर एपल, नाशपाती, सेब जैसे फलों के लिए पर्यावरण के साथ मिट्टी भी मायने रखती है।

रांची और इसके आसपास वाटर एपल की खेती प्रारंभ हुई है। इसके फल अंतर्राष्ट्रीय गुणवत्ता के हैं। अब इनका व्यवसायिक उत्पादन होगा तो किसानों की आमदनी भी बढ़ेगी और राजस्व में भी वृद्धि होगी।राज्य में पपीते की खेती लंबे समय से हो रही है। हालांकि इसे वानिकी से अलग रखा गया है। उच्च उत्पादकता वाले पौधों से किसानों को लाभ भी हो रहा है। कृषि वानिकी के तहत राज्य में काजू का उत्पादन भी हो रहा है। काजू के प्रसंस्करण के लिए राज्य में कई प्लांट भी लगाए गए है।

रिश्वत मामले में आरपीएफ प्रभारी निलंबित

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

चक्रधरपुर। चक्रधरपुर रेल मंडल के सीनियर डीएससी पी शंकर कुट्टी ने रविवार को पत्र जारी कर बिमलगढ़ आरपीएफ इंस्पेक्टर सह थाना प्रभारी दिलीप कुमार सिंह को निलंबित कर दिया है। जानकारी के अनुसार आठ मई की शाम को बिमलगढ़ आरपीएफ पोस्ट पर कार्यरत आरपीएफ कॉन्सटेबल शंभू प्रसाद सिंह को भुवनेश्वर सीबीआई की टीम ने 12 हजार रुपये रिश्वत लेने के आरोप में गिरफ्तार किया था।

इस घटना में सीबीआई ने बिमलगढ़ आरपीएफ प्रभारी दिलीप कुमार सिंह के खिलाफ भी मामला दर्ज किया है। जिसके बाद से इंस्पेक्टर दिलीप कुमार सिंह लापता हैं। लेकिन मामला दर्ज होने के 12 दिन बीत जाने पर भी उनके खिलाफ कोई विभागीय कार्रवाई नहीं की गई थी। लेकिन रविवार को बिमलगढ़ आरपीएफ इंस्पेक्टर दिलीप कुमार सिंह को आरपीएफ के सीनियर डीएससी पी शंकर कुट्टी के द्वारा सस्पेंड कर दिया गया है।

सिंदूर यात्रा में दिखा मातृशक्ति का अद्भुत नजारा

सिंदूर यात्रा में महिलाओं ने कहा सिंदूर की रक्षा के लिए हर महिला है तैयार

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

जमशेदपुर। पाकिस्तान के नापाक इरादों के खिलाफ भारतीय सेना द्वारा चलाए गए ऑपरेशन सिंदूर की सफलता के बाद देशभर में तिरंगा यात्राओं और अन्य आयोजनों के माध्यम से जश्न मनाया जा रहा है। इसी क्रम में रविवार को जमशेदपुर में एक विशेष आयोजन देखने को मिला, जब महिलाओं ने पारंपरिक 'सिंदूर यात्रा' निकालकर मातृशक्ति की सामूहिक एकजुटता और देशभक्ति का परिचय दिया। यह यात्रा जमशेदपुर पूर्वी की विधायक पूर्णिमा दास साहू के नेतृत्व में आयोजित की गई, जिसमें सैकड़ों महिलाओं ने भाग लिया।

इस अवसर पर विधायक पूर्णिमा दास साहू ने कहा कि यह सिंदूर सिर्फ सौभाग्य का प्रतीक नहीं, बल्कि हमारे आत्मसम्मान, संस्कृति और बलिदान की भी पहचान है। अगर पाकिस्तान या आतंकवादी ताकतें इसे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगी, तो उनका नामोनिशान मिटा दिया जाएगा। उन्होंने आगे कहा कि आज की महिलाएं केवल गृहिणी या कामकाजी नहीं, बल्कि जरूरत पड़ने पर लक्ष्मीबाई और अहिल्याबाई जैसी वीरांगनाओं की भूमिका

निभाने को तैयार हैं। देश की सीमाओं की रक्षा के लिए मातृशक्ति भी हर मोर्चे पर उतर सकती है।

कलश में सिंदूर भरकर निकली यात्रा, जवानों को किया गया तिलक

पारंपरिक वेशभूषा में सजीं महिलाएं हाथों में सिंदूर से भरे कलश लेकर जय घोष के साथ आर्मी कैंप तक पहुंचीं। ह्लवंदे मातरम्ह्व और ह्लभारत माता की जयह्व के नारों से गूंजती इस यात्रा ने शहर में देशभक्ति का माहौल बना दिया। यात्रा के समापन पर महिलाओं ने सेना के जवानों को सिंदूर का तिलक लगाकर उनके शौर्य को नमन किया और देश सेवा के प्रति आभार प्रकट किया।

यह आयोजन केवल एक सांस्कृतिक परंपरा का पालन नहीं, बल्कि देश की रक्षा में लगे सैनिकों के प्रति कृतज्ञता और मातृशक्ति की चेतना का सार्वजनिक प्रदर्शन था। इस अनूठी पहल के माध्यम से यह संदेश दिया गया कि राष्ट्र की रक्षा केवल सेना की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि हर नागरिक का कर्तव्य है और महिलाएं इस जिम्मेदारी को पूरी निष्ठा से निभाने को तैयार हैं।

नावाडीह की घटना पर चम्पाई सोरेन ने किया सरकार पर तीखा हमला

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

जमशेदपुर। *नावाडीह की घटना पर पूर्व सीएम चंपाई सोरेन ने सरकार के कार्य प्रणाली पर पलटवार किया है।*

उन्होंने कहा कि पुलिस के अनुसार, महिला ने आत्मरक्षा में शोर मचाया और ग्रामीणों ने मौके पर पहुंचकर उसकी मदद की। पर झारखंड सरकार के स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी एक पक्षीय काम कर रहे हैं। उन्होंने मृतक आरोपी के परिवार को 6 लाख रुपये की सहायता और स्वास्थ्य विभाग में नौकरी देने की घोषणा की।

इसमें राहुल गांधी की ओर से 1 लाख, मुख्यमंत्री की ओर से 1 लाख और राज्य सरकार की ओर से 4 लाख की मदद शामिल है। इस पर पूर्व मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन ने तीखी प्रतिक्रिया दी।

उन्होंने एक्स पर लिखा कि क्या अब रेपिस्ट को इनाम मिलेगा?

यह आदिवासी समाज और हमारी बेटियों का अपमान है। बताया है कि एक गांव में एक आदिवासी महिला ने आरोप लगाया कि एक मुस्लिम युवक, अब्दुल अंसारी, ने उसके साथ बलात्कार करने की कोशिश की।

महिला के शोर मचाने पर गांव वाले इकट्ठा हो गए और उसे बचाया। इस दौरान हुई हाथापाई में आरोपी घायल हो गया और बाद में उसकी मौत हो गई।

पुलिस के मुताबिक, महिला ने आत्मरक्षा की और शुरूआती जांच में यह पाया गया कि महिला पर हमले की पुष्टि होती है। इसके बावजूद एक पक्षीय कार्रवाई हो रही है। चंपाई सोरेन ने इसे झारखंड की आत्मा पर हमला बताया और सवाल उठाया कि एक दुष्कर्मी के पक्ष में खड़ी सरकार क्या आदिवासी महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित कर सकती है?

उन्होंने इसे वोट बैंक की राजनीति करार देते हुए कहा कि यह फैसला कानून और नैतिकता दोनों के खिलाफ है। उन्होंने आदिवासी समाज से जागरूक होने और इस अन्याय के खिलाफ शांतिपूर्ण विरोध करने की अपील की।

चंपाई सोरेन ने कहा कि जागो आदिवासियों, जागो, अगर आज नहीं बोले, तो कल हमारी बेटियां असुरक्षित होंगी।बोकारो की यह घटना सिर्फ एक अपराध नहीं, बल्कि राज्य की संवेदनशीलता, सामाजिक न्याय और राजनीतिक नैतिकता की कसौटी बन गई है। चंपाई सोरेन की प्रतिक्रिया ने इस पूरे मुद्दे को राज्यव्यापी बहस में बदल दिया है। अब देखना यह है कि सरकार इस पर क्या सफाई देती है और जनता क्या फैसला करती है।

आंधी-पानी ने मचायी तबाही

मैथन। तेज आई तेज आंधी और बारिश ने मैथन और आसपास के क्षेत्रों में भारी तबाही मचाई। कई बिजली के खंभे उखड़ गए और कई पेड़ गिर गए।

इसके कारण शाम चार बजे के बाद चिरकुंडा, कुमारधुबी, एग्यारकुंड, मैथन, मुगमा, निरसा आदि क्षेत्रों में बिजली गुल हो गई है। आंधी-बारिश के कारण पेड़ गिरने से मैथन के गौतम दत्त नामक एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। जिसे बेहतर इलाज के लिए आसनसोल भेज दिया गया है।

बिजली व्यवस्था ठीक करने के लिए जगह-जगह विभाग से जुड़े कर्मचारी पेड़ों को हटा रहे हैं और टूटे हुए बिजली तार एवं पोल को ठीक कर रहे हैं।

हालांकि, आंधी-बारिश थमने के करीब दो घंटे बाद मैथन क्षेत्र में बिजली बहाल कर दी गई, मगर कुमारधुबी, मुगमा, चिरकुंडा, शिवलीबाडी, मेढ़ा सहित कई क्षेत्रों में रात 10 बजे तक बिजली नहीं आई थी। इससे लोग परेशान दिखे। बारिश होने के कारण लोगों को गर्मी से थोड़ी राहत जरूर मिली है।

माध्यमिक एवं उच्च विद्यालयों में लगेगा रोजगार मेला

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रांची। व्यावसायिक शिक्षा प्राप्त कर रहे विद्यार्थियों को रोजगार से जोड़ने तथा उनके अप्रेंटिसशिप के लिए सरकारी माध्यमिक एवं उच्च माध्यमिक विद्यालयों में रोजगार मेला का आयोजन किया जाएगा।

कौशल विकास को बढ़ावा देने के लिए कौशल प्रतियोगिता का भी आयोजन होगा। समग्र शिक्षा अभियान के तहत वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए इन कार्यक्रमों की स्वीकृति केंद्र के प्रोग्राम एप्रूबल बोर्ड ने की है।

इस वित्तीय वर्ष के लिए समग्र शिक्षा अभियान के विभिन्न कार्यक्रमों के संचालन के लिए कुल 1639.74 करोड़ रुपये के बजट की स्वीकृत प्रदान की गई है। इसमें 60 प्रतिशत राशि केंद्र सरकार देगी, जबकि 40 प्रतिशत राशि राज्य सरकार को वहन करना पड़ेगा।

इसके अलावा पिछले वित्तीय वर्ष खर्च नहीं होने वाली राशि कुल 368.97 करोड़ रुपये स्पिल ओवर के रूप में भी स्वीकृत की गई है। इसमें भी 60 प्रतिशत राशि केंद्र से मिलेगी।

चालू वित्तीय वर्ष की बात करें तो केंद्र ने नए कार्यक्रम के रूप में प्रत्येक जिला के 10-10 माध्यमिक विद्यालयों को उच्च शिक्षण संस्थान से टैग किए जाने की स्वीकृति प्रदान की गई है। इन विद्यालयों को उच्च शिक्षण संस्थानों में कार्यरत शिक्षकों तथा अध्ययनरत विद्यार्थियों के शिक्षण अनुभव का लाभ प्राप्त होगा।

विद्यार्थी उच्च शिक्षण संस्थानों में जाकर भी सीख सकेंगे। शिक्षकों और विद्यार्थियों के मूल्यांकन के लिए जेसीईआरटी में अलग से सेल स्थापित करने की भी स्वीकृति प्रदान की गई है। इस पर 50 लाख रुपये खर्च होंगे। यह सेल टीचर नीड असेसमेंट तथा विद्यार्थियों के समय-समय पर होने वाले मूल्यांकन का कार्य करेगा।

कौशल प्रतियोगिता के आयोजन के लिए प्रत्येक जिला को एक-एक लाख रुपये प्राप्त होंगे।

इस बार भी विद्यालय से लेकर राज्य स्तर पर आयोजित होने वाली क्विज प्रतियोगिता के लिए भी राशि की स्वीकृति मिली है। इसके अलावा उन सभी कार्यक्रमों के लिए राशि स्वीकृत हुई है, जो पहले से संचालित होते रहे हैं।

इस बार भी केंद्र ने बच्चों की पोशाक के लिए 600 रुपये की राशि निर्धारित की है। इसमें दो जोड़ा पोशाक तथा एक स्वेटर की राशि सम्मिलित है।

बताते चलें कि पोशाक के लिए यह राशि काफी कम बताई जाती है।

केंद्र ने किताबों के लिए कक्षा एक से पांच के लिए प्रत्येक सेट 250 रुपये तथा छह से आठ के लिए 400 रुपये की राशि की स्वीकृति प्रदान की है।

राज्य सरकार पुस्तकें मुद्रित कराकर वितरण करती है।

अन्ना मुझिचुक ने जीता फीडे महिला ग्रां प्री का खिताब पर चीन की झू जिनर नें बनाई कैंडिडैट में जगह

ग्रॉसलोबमिंग, ऑस्ट्रिया (एजेंसी)। 2024-2025 फीडे महिला ग्रां प्री का अंतिम चरण ऑस्ट्रिया के ग्रॉसलोबमिंग में समाप्त हुआ और इसके साथ ही छह टूर्नामेंटों की इस प्रतिष्ठित श्रृंखला का समापन हुआ। यूक्रेन की अन्ना मुझिचुक ने ऑस्ट्रिया चरण में पहला स्थान साझा करते हुए टूर्नामेंट तो जीत लिया, लेकिन यह जीत उन्हें 2026 कैंडिडेट्स टूर्नामेंट में स्थान दिलाने के लिए पर्याप्त नहीं रही।

पूरे ग्रां प्री श्रृंखला के अंकों को जोड़ने पर चीन की झू जिनर ने पहला स्थान हासिल कर कैंडिडेट्स का टिकट पक्का किया, जबकि दूसरा स्थान रूस की अलेक्जेंड्रा गोरयाचकिना को मिला और इस तरह अगले कैंडिडैट में इन दोनों का स्थान पक्का हो गया है । अन्ना मुझिचुक कुल अंक तालिका में तीसरे स्थान पर रहीं।

अंतिम राउंड का रोमांच

अन्ना मुझिचुक के पास आखिरी राउंड में भारत की वैशाली रमेशबाबू के खिलाफ जीत दर्ज कर ग्रां प्री श्रृंखला और कैंडिडेट्स स्थान दोनों हासिल करने का मौका था। फ्रेंच डिफेंस में खेले गए इस मुकाबले में अन्ना ने एक प्यादा जीतकर 'ए' फाइल पर पासर बना लिया और धीरे-धीरे दबाव बनाना शुरू किया। लेकिन एंडगेम में उन्होंने सही दिशा में खेल नहीं बढ़ाया और मुकाबला ड्रॉ हो गया।

वहीं, झू जिनर भी अलेक्जेंड्रा कोस्टेनियुक के खिलाफ मुकाबले में एक समय पूरी तरह से हार की कगार पर थीं, लेकिन कोस्टेनियुक की चूक ने उन्हें बराबरी करने का मौका दे दिया। यह ड्रॉ झू के लिए निर्णायक साबित हुआ, जिससे उन्होंने ग्रां प्री का खिताब और कैंडिडेट्स स्थान दोनों पक्का कर लिया।

वैशाली रमेशबाबू का प्रदर्शन

भारत की उम्मीदों का दारोमदार वैशाली रमेशबाबू पर था। टूर्नामेंट की शुरुआत उन्होंने दो जीत और दो ड्रॉ के साथ शानदार ढंग से की थी, लेकिन अंतिम पांच राउंड में वह केवल 1.5 अंक ही जोड़ सकीं। अंतिम राउंड में अन्ना मुझिचुक के खिलाफ ड्रॉ कर उन्होंने उन्हें टूर्नामेंट में एकल जीत से रोक जरूर दिया, पर खुद 4.5/9 अंकों के साथ पांचवें स्थान पर रहीं।

समापन समारोह में विश्वनाथन आनंद ने भी शिरकत की और भारत में शतरंज के उभार पर चर्चा करते हुए कहा संरचना, संस्कृति और प्रयास यही भारत की सफलता के तीन स्तंभ हैं। उन्होंने महिला शतरंज में और प्रगति की आवश्यकता पर भी बल दिया।

आज लखनऊ को प्लेऑफ की दौड़ में बने रहने के लिए हैदराबाद के खिलाफ जीत की जरूरत

लखनऊ (एजेंसी)। लखनऊ सुपरजायंट्स की टीम सोमवार को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के अपने 'करो या मरो' मैच में जब सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ मैदान में उतरेगी तो उसकी कोशिश बड़े अंतर से जीत हासिल कर प्लेऑफ में पहुंचने की अपनी उम्मीदों को जीवंत रखने की होगी। भारत और पाकिस्तान के बीच सैन्य टकराव के कारण एक सप्ताह के निलंबन के बार फिर से शुरू हो रही इस लीग में एलएसजी के कप्तान ऋषभ पंत अब तक के बेहद निराशाजनक प्रदर्शन को पीछे छोडकर बल्ले से भी लय हासिल करना चाहेंगे।

पिछले साल की उपविजेता सनराइजर्स पहले ही प्लेऑफ की दौड़ से बाहर हो चुकी है और वह प्रतिष्ठा के लिए खेलेगी। लखनऊ सुपर जायंट्स की टीम के नाम 11 मैचों में 10 अंक है लेकिन नेट रन रेट माइनस 0.469 है। प्लेऑफ में पहुंचने के लिए उसे अपने बचे हुए तीनों मैचों को बड़े अंतर से जीतना होगा। सनराइजर्स के कुछ खिलाड़ियों के लिए लय हासिल करने का एक अच्छा मौका होगा खासकर नीतीश कुमार रेड्डी और ईशान किशन जैसे खिलाड़ी भारत ए के इंग्लैंड दौरे से पहले कुछ उपयोगी पारियां खेलना चाहेंगे।

लखनऊ की टीम के लिए मौजूदा सत्र में सबसे बड़ी निराशा कप्तान पंत का बल्ले से निराशाजनक प्रदर्शन है। पिछले साल आईपीएल नीलामी में 27 करोड़ रुपए की रिकॉर्ड बोली के बाद वह रन बनाने के लिए संघर्ष करते रहे हैं। उन्होंने इस सत्र के 11 मैचों में 100 से कम की स्ट्राइक-रेट और 12.80 की औसत से 128 रन ही बनाए है। यह इतना निराशाजनक है कि चीजों में यहां से सुधार की ही उम्मीद की जा सकती है। पंत का नाम भारतीय टेस्ट टीम की उपकप्तानी के लिए चर्चा में है।

टीमें

सनराइजर्स हैदराबाद – पैट कमिंस (कप्तान), ईशान किशन (विकेटकीपर), अथर्व तायडे, अभिनव मनोहर, अनिकेत वर्मा, सचिन बेबी, स्मरण रविचंद्रन, हेनरिच क्लासेन (विकेटकीपर), ट्रेविस हेड, हर्षल पटेल, कामिन्दु मेंडिस, वियान मुल्डर, अभिषेक शर्मा, नीतीश कुमार रेड्डी, मोहम्मद शमी, राहुल चाहर, सिमरजीत सिंह, जीशान अंसारी, जयदेव उनादकट, ईशान मलिंगा।

लखनऊ सुपर जायंट्स – ऋषभ पंत (विकेटकीपर/कप्तान), एडेन मारक्रम, मिचेल मार्श, निकोलस पूरन, आयुष बडोनी, अब्दुल समद, डेविड मिलर, शारदुल ठाकुर, आवेश खान, आकाश दीप, दिग्वेश सिंह राठी, रवि बिश्नोई, प्रिंस यादव, शाहबाज अहमद, मैथ्यू ब्रीट्जके, हिम्मत सिंह, शमरा जोसेफ, मणिमारन सिद्धार्थ, आर्यन जुयाल, आरएस हंगरगेकर, युवराज चौधरी, आकाश महाराज सिंह, अर्शिन कुलकर्णी।

समय – शाम 07.30 बजे।

आईपीएल एक अलग प्रारूप है, लेकिन वह इंग्लैंड दौरे की टीम और कप्तान तथा उप-कप्तान जैसी बड़ी घोषणा से ठीक पहले कुछ अच्छा प्रदर्शन करना चाहेंगे। पंत के लिए यह मजबूरी वाला ब्रेक इससे बेहतर समय पर नहीं आ सकता था क्योंकि इससे इस खिलाड़ी को अपने खेल के विश्लेषण करने का अच्छा मौका मिला होगा। लखनऊ की टीम हालांकि अपने मुख्य बल्लेबाज निकोलस पूरन (410 रन) से भी एक बार फिर से अच्छा प्रदर्शन चाहेगी। वह शुरुआती पांच-छह मैचों में ताबड़तोड़ बल्लेबाजी के बाद वह प्रभावित करने में नाकाम रहे।

उनकी कप्तानी बिल्कुल सटीक रही है

बांगर ने आईपीएल 2025 में रजत पाटीदार की सराहना की

नई दिल्ली (एजेंसी)। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के लिए कप्तान और बल्लेबाज दोनों के रूप में रजत पाटीदार के बढ़ते प्रभाव की आरसीबी के पूर्व मुख्य कोच और जियोस्टार विशेषज्ञ संजय बांगर ने प्रशंसा की है जिन्होंने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 सीजन के दौरान दाएं हाथ के इस खिलाड़ी के संयमित नेतृत्व और परिपक्वता पर प्रकाश डाला।

पाटीदार की दोहरी भूमिका के बारे में बात करते हुए बांगर ने जियोहॉटस्टार पर टिप्पणी करते हुए कहा, कभी-कभी यह सिर्फ गेंदों की संख्या के बारे में होता है। यदि शीर्ष क्रम अच्छा प्रदर्शन कर रहा है, तो आपके मौके सीमित हैं। साथ ही, शीर्ष प्रदर्शन करने वालों से घिरे होने का मतलब है कि आपको तीन या चार विफलताओं को बहुत अधिक नहीं पढ़ना चाहिए।

टी20 क्रिकेट की अप्रत्याशित प्रकृति के बावजूद पाटीदार बल्ले और अपनी सामरिक कौशल दोनों के साथ अपनी छाप छोड़ने में कामयाब रहे हैं। बांगर ने कहा, %रजत ने जिम्मेदारी को बहुत अच्छे से निभाया है। उनकी कप्तानी शानदार रही है। उन्होंने बल्ले से इस सीजन की शुरुआत दमदार तरीके से की और जब भी उन्होंने क्रीज पर समय बिताया, उन्होंने प्रभावित करना जारी रखा। टी20 में आप कुछ मौकों पर चूक जाते हैं - यह प्रारूप की प्रकृति है।

भारत के खिलाफ श्रृंखला से पहले ईसीबी ने डेटा विश्लेषकों को किया बर्खास्त

लंदन (एजेंसी)। इंग्लैंड एवं वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने भारत के खिलाफ टेस्ट श्रृंखला से कुछ सप्ताह पहले अपने डेटा विश्लेषकों फ्रेडी वाइल्ड और नाथन लेमन को बर्खास्त कर दिया क्योंकि मुख्य कोच ब्रैंडन मैकुलम अंतर्मन पर अधिक भरोसा करना चाहते हैं। इंग्लैंड का नया विश्व टेस्ट चैंपियनशिप चक्र 20 जून को हेडिंग्ले में भारतीय टीम के खिलाफ पांच मैचों की श्रृंखला से शुरू होगा।

रिपोर्ट के मुताबिक, 'इंग्लैंड के दो वरिष्ठ क्रिकेट विश्लेषक नाथन लेमन और फ्रेडी वाइल्ड टीम का साथ छोड़ने जा रहे हैं। इससे पता चलता है कि राष्टीय टीम आगे चलकर डेटा पर अधिक ध्यान नहीं देगी। लीमन और वाइल्ड क्रमशः इंग्लैंड के वरिष्ठ डेटा विश्लेषक और सीमित ओवरों के विश्लेषक है। दोनों राष्टीय टीम के साथ अपनी भागीदारी समाप्त कर रहे हैं।

रिपोर्ट में आगे कहा गया, 'दोनों ही इस महीने के अंत में वेस्टइंडीज के खिलाफ इंग्लैंड की सीमित ओवरों की श्रृंखला में शामिल नहीं होंगे। इस श्रृंखला से हैरी ब्रूक कप्तान के तौर पर अपने एकदिवसीय और टी20 अंतरराष्टीय करियर का आगाज करेंगे। मैकुलम केवल डेटा पर आधारित दृष्टिकोण में विश्वास नहीं रखते हैं। न्यूजीलैंड के इस पूर्व कप्तान का मानना है कि यह खेल के लंबे प्रारूप की की तुलना में टी20 प्रारूप के लिए अधिक उपयुक्त है।

मैकुलम को यह भी लगता है कि सहायक कर्मचारियों की कम संख्या माहौल को सरल बनाए रखने में मददगार होती है। उन्होंने कहा, 'इस दृष्टिकोण के तहत इंग्लैंड के खिलाड़ियों को अपनी तैयारी और प्रदर्शन के लिए अधिक जिम्मेदारी लेने के लिए प्रोत्साहित किया जाएंगे। इसके साथ ही मैच वाले दिनों में ड्रेसिंग रूम को अव्यवस्थित होने से बचाने के लिए सहायक कर्मचारियों की संख्या में कमी की गई है।

वास्तव में इंग्लैंड का दृष्टिकोण भारत के विपरीत रहा है, जहां राहुल द्रविड़ के युग में डेटा पर अधिक जोर दिया गया। रिपोर्ट के मुताबिक, 'खिलाड़ी अपने स्तर पर विश्लेषकों की सलाह ले सकते हैं लेकिन उन्हें अंतर्मन पर अधिक भरोसा करने की सलाह दी जाएगी।

चिन्नास्वामी में बारिश के बीच आया कबूतरों का झुंड, फैंस ने कोहली को किया सलाम

नई दिल्ली (एजेंसी)। बेंगलुरु के एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम में बारिश से भीगी शाम को प्रकृति ने विराट कोहली के शानदार टेस्ट करियर को एक काव्यात्मक विदाई दी। आरसीबी और कोलकाता के बीच आईपीएल 2025 के हाई-वोल्टेज मुकाबले से पहले, सफेद कबूतरों का झुंड उड़ा, जो कोहली की लाल गेंद की विरासत को श्रद्धांजलि सा प्रतीत हुआ। स्टेडियम में प्रशंसक भावुक हो उठे, लेकिन बारिश ने टॉस में देरी कर दी और मैच के धुलने का खतरा बढ़ा दिया। कोहली के लिए श्रद्धांजलि टी-शर्ट और नारों के बीच, बारिश ने भले ही खेल रोका, लेकिन प्रशंसकों का जोश और कोहली का उत्सव अटल रहा।

ऐसी ही अंक तालिका की स्थिति- आरसीबी अब रद्द मुकाबले से एक नंबर लेकर अंक तालिका में टॉप पर पहुंच गई है। उनके अब 12 मैचों में 8 जीत, 3 हार और एक बेनतीजा मैच के साथ 17 प्वाइंट हो गए हैं। वहीं, गुजरात टाइटंस 11 मैचों में 8 जीत और 16 प्वाइंट के साथ दूसरे नंबर पर है।

सूर्यकुमार यादव का यह आईपीएल सीजन उनके सर्वश्रेष्ठ सीजन में से एक है : पूर्व भारतीय बल्लेबाज

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के पूर्व बल्लेबाज संजय मांजरेकर ने आईपीएल 2025 सीजन में मुंबई इंडियंस के सीनियर खिलाड़ियों हार्दिक पांड्या, जसप्रीत बुमराह, सूर्यकुमार यादव और रोहित शर्मा को टीम में वापसी का श्रेय दिया। दिग्गज क्रिकेटर ने आगे कहा कि इन खिलाड़ियों ने महत्वपूर्ण मौकों पर फ्रैंचाइजी के लिए अच्छा प्रदर्शन किया। उन्होंने कहा कि बहुमुखी बल्लेबाज सूर्यकुमार का यह आईपीएल करियर का सर्वश्रेष्ठ सीजन है।

भारत के टी20 कप्तान ने 12 मैचों में 510 रन बनाए हैं जिसमें तीन अर्धशतक शामिल हैं। मुंबई के इस बल्लेबाज के पास फिलहाल ऑरेंज कैप है, जबकि गुजरात टाइटन्स के साई सुदर्शन (509 रन) और शुभमन गिल (508 रन) शीर्ष स्थान पर हैं। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के विराट कोहली चौथे स्थान पर हैं जो सूर्यकुमार से सिर्फ पांच रन पीछे हैं। हार्दिक पांड्या की अगुआई वाली टीम की शुरुआत खराब रही और उसने सीजन के अपने पहले मैचों में चार गेम गंवाए। हालांकि पांच बार के चैंपियन ने फिर से वापसी की और लगातार छह मैच जीते लेकिन बारिश से प्रभावित मैच में गुजरात टाइटन्स से तीन विकेट से हार गए। 12 खेलों में 14 अंकों के साथ मुंबई के पास दो गेम शेष रहते प्लेऑफ के लिए क्वालीफाई करने का एक मजबूत मौका है।

मांजरेकर ने कहा, मुझे यकीन नहीं है कि उनका अभियान पटरी से उतर जाएगा, भले ही रयान रिकेल्टन और विल जैक जैसे कुछ विदेशी खिलाड़ी संभावित रूप से प्रमुख खेलों के लिए अनुपलब्ध हों। वे खिलाड़ियों को सही भूमिकाओं में ढालने में कामयाब रहे हैं। शुरुआत में, वे थोड़े अनिश्चित दिखे लेकिन अब उन्हें स्पष्टता मिल गई है। सूर्यकुमार यादव अपने सर्वश्रेष्ठ आईपीएल सीजन में से एक खेल रहे हैं। और जब उच्च दबाव की स्थिति की बात आती है, तो मुंबई के पास ऐसे खिलाड़ी हैं जो पनपते हैं, हार्दिक पांड्या, जसप्रीत बुमराह, सूर्यकुमार यादव और यहां तक ??कि रोहित शर्मा, उनके हालिया फॉर्म के बावजूद।

एशियन शतरंज चैंपियनशिप 2025

निहाल सरीन का रजत पदक, वंतिका अग्रवाल ने दिखाई दमदार चुनौती

अल ऐन, संयुक्त अरब अमीरात (एजेंसी)। संयुक्त अरब अमीरात के अल ऐन में सम्पन्न हुई एशियन शतरंज चैंपियनशिप 2025 में भारत के ग्रांडमास्टर निहाल सरीन ने ओपन वर्ग में रजत पदक जीतकर देश का मान बढ़ाया, वहीं महिला वर्ग में वंतिका अग्रवाल ने आखिरी राउंड में जीत दर्ज कर शीर्ष स्थान की दौड़ में दमदार चुनौती दी।

निहाल सरीन का शानदार प्रदर्शन – ग्रांडमास्टर निहाल सरीन ने टूर्नामेंट के अंतिम राउंड में शीर्ष वरीयता प्राप्त खिलाड़ी की तरह खेलते हुए, लीड कर रहे ईरान के त्तरूबर्दिया दानेशवर को हराया और 7/9 अंकों के साथ बराबरी पर पहुँच गए। हालांकि दोनों खिलाड़ियों के अंक समान रहे, लेकिन टाईब्रेक स्कोर (प्रतिद्वंद्वियों की औसत रेटिंग) के आधार पर बर्दिया दानेशवर को स्वर्ण और निहाल सरीन को रजत पदक से संतोष करना पड़ा। यह निहाल के करियर का एक और शानदार उपलब्धि रहा और उन्होंने अगले विश्व कप के लिए भी क्वालिफाई कर लिया है।

महिला वर्ग में वंतिका अग्रवाल की चुनौती – महिला वर्ग में भारत की वंतिका अग्रवाल ने अंतिम राउंड में मंगोलिया की नेता बाट-एर्देने मंगुन्जुल को हराकर जोरदार वापसी की और शीर्ष पर पहुँच गई।हालांकि, चीन की ढ्रूसोंग युशिन, उज्बेकिस्तान की गुलरुखबेगिम तोखिरजोनोवा को सिर्फ 32 चालों में मात देकर आगे निकल गईं। चार खिलाड़ियों के बीच समान अंक रहने के बाद टाईब्रेक स्कोर के आधार पर सोंग युशिन को स्वर्ण, मंगुन्जुल को रजत और बाला-बाएवा को कांस्य पदक मिला।

प्रज्ञानानंदा नें सुपरबेट क्लासिक शतरंज का खिताब जीतकर रचा इतिहास

बुखारेस्ट, रोमानिया (एजेंसी)। भारत के 19 वर्षीय ग्रांडमास्टर प्रज्ञानानंदा आर ने सुपरबेट चैस क्लासिक का जीतकर अपना पहला ग्रांड चेस टूर खिताब हासिल कर लिया है । एक बेहद रोमांचक तीन-तरफ़ा टाईब्रेक में उन्होंने फ्रांस के अलीरेज़ा फिरोज़ा और मैक्सिम वाचिए-लाग्राव को पीछे छोड़ते हुए यह खिताब अपने नाम किया। यह इस वर्ष उनका दूसरा बड़ा खिताब है और इसके साथ ही उन्होंने फीडे सर्किट 2025 में अपनी शीर्ष स्थिति को और मजबूत किया है और एक तरह से अगले कैंडिडैट के लिए अपना दावा मजबूत कर लिया है । 7 से 16 मई तक बुखारेस्ट में आयोजित इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में विश्व के 10 शीर्ष ग्रांडमास्टर्स ने भाग लिया। टूर्नामेंट की शुरुआत से ही अंकतालिका में करीबी मुकाबला देखने को मिला और कोई स्पष्ट लीडर नहीं था। परंतु नौवें राउंड में अमेरिका के वेस्ली सो के खिलाफ निर्णायक जीत के साथ प्रज्ञानानंदा ने बढ़त बना ली।

फाइनल राउंड का रोमांच – अंतिम राउंड में प्रज्ञानानंदा ने लेवोन अरोनियन के खिलाफ एक आसान ड्रॉ खेलकर कम से कम सयुंक्त पहले स्थान की गारंटी कर ली थी। फबियानों कारुआना को विश्व चैंपियन डी गुकेश के खिलाफ जीत की ज़रूरत थी, परंतु वह काले मोहरों से कोई मौका नहीं बना सके और मुकाबला ड्रॉ रहा।

वहीं दूसरी ओर अलीरेज़ा फिरोज़ा ने मेजबान देश के बोगदान-डैनियल डैक के खिलाफ बेहद जोखिम उठाते हुए खेला। डैक ने 52वीं चाल पर बड़ी चूक कर दी, और फिरोज़ा ने पूरा अंक हासिल कर लिया। इसी तरह मैक्सिम वाचिए-लाग्राव ने पोलैंड के जान-क्रिज़्स्टॉफ डूडा की एक गलती का लाभ उठाते हुए जीत दर्ज की।

टाईब्रेक में दिखा प्रज्ञानानंदा का कमाल

प्रज्ञानानंदा, फिरोज़ा और एमवीएल के बीच चैंपियन तय करने के लिए 5 मिनट + 2 सेकंड की बढ़त के साथ एक राउंड–रॉबिन टाईब्रेक खेला गया। पहला मुकाबला अलीरेज़ा और प्रज्ञानानंदा के बीच गिउको पियानो ओपनिंग में खेला गया, जो संतुलित खेल के बाद ड्रॉ रहा। दूसरे मुकाबले में एमवीएल और फिरोज़ा ने भी अंक बाँटे, जहाँ फिरोज़ा ने काले मोहरों से कैरो–कैन डिफेंस में शानदार बचाव किया।निर्णायक मुकाबला प्रज्ञानानंदा बनाम वाचिए–लाग्राव के बीच हुआ। एंडगेम में वाचिए–लाग्राव ने पहले बराबरी का मौका गंवाया और फिर कुछ चालों बाद निर्णायक भूल कर बैठे। प्रज्ञानानंदा ने इसका पूरा फायदा उठाते हुए जीत दर्ज की और खिताब अपने नाम किया।

यह जीत न केवल प्रज्ञानानंदा के करियर की एक बड़ी उपलब्धि है, बल्कि यह दर्शाता है कि वह अब विश्व शतरंज के शिखर पर स्थायी रूप से जगह बना चुके हैं। ग्रांड चैस टूर जैसे मंच पर उनकी यह जीत भारतीय शतरंज के लिए एक और ऐतिहासिक क्षण है।

विश्व चैम्पियन डी गुकेश नें अंतिम दो राउंड में 1.5 अंक बनाते हुए अंतिम समय में अंक तालिका में सातवाँ स्थान हासिल करते हुए टूर्नामेंट का समापन किया।

संक्षिप्त समाचार

दीपा बनकर दिल्ली में प्रेमी संग रह रही थी बांग्लादेशी किन्नर, खुद को बंगाली बता युवक को प्यार में फंसाया

बाहरी दिल्ली, एजेंसी। मूल रूप से बांग्लादेश के मैमन सिंह जिले की रहने वाली 22 वर्षीय किन्नर तंगिना रहमान खुद को बंगाल की दीपा बताकर तीन साल पहले फेसबुक पर दिल्ली के एक युवक से दोस्ती करती है। दोस्ती प्यार में बदल जाती है और युवक को कोलकाता बुलाती है।

कोलकाता जाकर युवक उसे दिल्ली ले आता है और दोनों लिव इन रिलेशनशिप में रहने लगते हैं। दीपा उत्तर-पश्चिम दिल्ली के महेंद्रा पार्क क्षेत्र में तीन साल से रह रही है और यहीं मोमोज स्टाल भी लगा रही है।

उत्तर-पश्चिम दिल्ली जिला पुलिस की बांग्लादेशी घुसपैठियों के खिलाफ कार्रवाई के दौरान यह चौंकाने वाली कहानी सामने आई है। यह कहानी बताती है कि देश में घुसपैठ के लिए बांग्लादेशी क्या-क्या हथकंड़े अपना रहे हैं। पुलिस ने महेंद्रा पार्क से तंगिना रहमान उर्फ दीपा को गिरफ्तार कर लिया है। साथ ही, दीपा से मिली जानकारी के आधार पर पुलिस दो और महिला किन्नर को काबू किया है।

एक महिला किन्नर दीपा की तरह ही लिव इन रिलेशनशिप में रह रही थी, जबकि तीसरी किन्नर अकेली रहती थी। तीनों से दो मोबाइल बरामद किए हैं। मोबाइल में प्रतिबंधित आइएमओ ऐप इंस्टाल पाया गया। पुलिस का कहना है कि लिव इन रिलेशनशिप में रह रहे दोनों शख्स को यह नहीं मालूम था कि महिलाएं बांग्लादेश की रहने वाली हैं। जिला पुलिस उपायुक्त भीष्म सिंह ने बताया कि तीनों को आगे की निर्वासन कार्रवाई के लिए दिल्ली के आरकेपुर स्थित एफआरआरओ कार्यालय को सौंप दिया गया है। उन्होंने बताया कि खुफिया जानकारी के आधार पर दीपा को गिरफ्तार किया गया, इसके बाद दो अन्य संदिग्ध महिलाओं को हिरासत में लिया गया।

गुरुग्राम में हथियारबंद पांच लुटेरे गिरफ्तार, क्राइम ब्रांच की बड़ी कार्रवाई

गुरुग्राम, एजेंसी। हथियार के बल पर लूटपाट की वारदात को अंजाम देने की फिराक में ऑटो से घूम रहे पांच लोगों को शुक्रवार रात मुंबई एक्सप्रेसवे पर सोहना पलवल रोड के पास से गिरफ्तार कर लिया गया। सोहना क्राइम ब्रांच की टीम ने मुखबिर की सूचना पर यह कार्रवाई की।

पकड़े गए आरोपितों की पहचान उत्तर प्रदेश के बरेली निवासी आशिक, रवि, सौरव, फर्रुखाबाद निवासी अमन और बिहार के सुपौल निवासी साजिद के रूप में की गई। क्राइम ब्रांच ने बताया कि शुक्रवार रात टीम गस्त पर थी। इसी दौरान सूचना मिली कि ऑटो से कुछ आरोपित लूट की फिराक में घूम रहे हैं।

इस पर टीम ने छापेमारी करते हुए पांचों को धर दबोचा। इनके कब्जे से एक पिस्टल, एक कारतूस, लोहे की रॉड, ऑटो और टॉर्च बरामद की गई। आरोपितों के विरुद्ध सोहना सदर थाने में केस दर्ज कराया गया।

पुलिस पूछताछ में आरोपितों ने गुरुग्राम से चोरी की चार अन्य वारदात को भी अंजाम देने की जानकारी दी। जांच में पता चला कि आरोपित सौरव पर चोरी, छीना झपटी के संबंध में मामले दर्ज हैं। फिलहाल इन्हें एक दिन के रिमांड पर लेकर पूछताछ की जा रही है।

गुरुग्राम में दोपहर तक गर्मी ने झुलसाया, फिर छाए बादल

गुरुग्राम, एजेंसी। मौसम में इन दिनों उतार-चढाव चल रहा है। शनिवार को मौसम ने एक बार फिर करवट ली। दोपहर तक गरम हवाओं और तेज धूप ने लोगों को बेहाल कर दिया। अधिकतम तापमान 40.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, वहीं न्यूनतम तापमान 26.6 डिग्री सेल्सियस रहा।

दोपहर में तीन बजे के बाद आसमान में अचानक बादल घिर आए, जिससे तपती गर्मी से थोड़ी राहत मिली। इससे पहले धूप इतनी तेज रही कि शहर की सड़कें सूनसान होने लगी और वाहन कम नजर आए।

लू के थपेड़ों के बीच लोग घरों में रहने को मजबूर दिखे। जरूरी काम से बाहर निकले लोग भी कुछ ही मिनट में छांव की तलाश करने लगे। तापमान के असर से शहर के बाजारों में भी भीड़ कम रही। स्वास्थ्य विशेषज्ञों के अनुसार, तेज धूप और लू से बचने के लिए दिन में 12 बजे से चार बजे तक बाहर निकलने से बचें।

अब फिर से लुटियंस दिल्ली की पहचान बनेगा घंटाघर, डिजाइन को मिली मंजूरी

नई दिल्ली, एजेंसी। लुटियंस दिल्ली में एक बार घंटाघर उसकी पहचान बनेगा। उपराज्यपाल वीके सक्सेना के दिशा-निर्देश पर घंटाघर बनाने की प्रक्रिया अब अपने अंतिम चरण में पहुंच गई है। घंटाघर के डिजाइन को दिल्ली अर्बन आर्ट कमीशन की मंजूरी मिल गई है। इसके बाद नई दिल्ली नगर पालिका परिषद (एनडीएमसी) ने इसे वर्ष के अंत तक पूरा करने का लक्ष्य रखा है।

घंटाघर का काम पूरा होते ही यह लुटियंस दिल्ली प्रवेश की पहचान भी बन जाएगा। चूंकि एनडीएमसी इस घंटाघर को शंकर रोड पर तालकटोरा स्टेडियम के पास के गोलचक्कर पर बनाने जा रही है। यह वहीं इलाका है जहां से कुछ कदम पहले ही राजेंद्र नगर और करोल बाग से आते हुए लोग एमसीडी की सीमा से एनडीएमसी की सीमा में प्रवेश करते हैं।

एनडीएमसी के उपाध्यक्ष कुलजीत सिंह चहल ने बताया कि घंटाघर के डिजाइन को डीयूएसी की मंजूरी मिल गई है। ऐसे में अब हम इसके निर्माण की प्रक्रिया की ओर बढ़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि हम लोग लुटियंस दिल्ली में अलग-अलग तरह की वास्तुकला लगाने की ओर भी कार्य कर रहे हैं।

जल्द ही अलग-अलग गोल चक्करों पर विभिन्न मूर्तियां भी स्थापित करेंगे। उन्होंने बताया कि एनडीएमसी के सुंदरीकरण की दिशा में हम घंटाघर बना रहे हैं। जल्द ही इसका वर्क आर्डर हो जाएगा। इसके बाद हमारी कोशिश इसका कार्य दिसंबर तक पूरा करने की होगी।

चहल ने बताया कि घंटाघट 27 मीटर ऊंचा होगा। इसमें दो मीटर की गोलाकार चार घड़िया होगी। उन्होंने बताया कि इसके मरम्मत व रखरखाव के लिए अंदर सीढ़िया भी होगी। पूरा ढांचा आरसीसी का होगा। साथ ही चारो तरफ क्ले ब्रिक इसकी डिजाइन के लिए लगी होगी। वहीं, आस-पास रेलिंग व नीचे मार्बल लगा होगा। ताकि यह आकर्षक दिखे।

उल्लेखनीय है कि एनडीएमसी और एमसीडी की सीमा के समीप तालकटोरा स्टेडियम के पास यह घंटाघर बनाने का प्रस्ताव उपराज्यपाल वीके सक्सेना के आदेश पर तैयार किया था। लुटियंस दिल्ली में पहले टाउनहाल भी था जिसमें घंटाघर था।

जंतर-मंतर के सामने वर्तमान पालिका केंद्र की भूमि पर यह टाउनहाल 1933 में बना था। इसमें ब्रिटेन से लाई गई चार विशाल घंटियां लगाई गई थी। चूंकि हाथ की घड़ियों का प्रचलन उस समय इतना नहीं था इसलिए जनता को समय बताने के लिए यहां पर घंटियां बजाई जाती थी। बकायदा इसके लिए टाइमकीपर के तौर पर कर्मचारियों की तैनाती भी की गई थी। 1960 के दशक में, इन घंटियों को आधुनिक घड़ियों से बदल दिया गया। 1984 में मौजूदा परिसर का निर्माण घंटाघर को ध्वस्त करने के बाद किया गया था।

इन घंटियों को एनडीएमसी मुख्यालय के प्रवेश द्वार पर टांग दिया गया था। अपने भारी भरकम वजन के कारण यह घंटिया वर्ष 2007 में गिर गई थी। तब से एक शो केस में यह घंटिया एनडीएमसी मुख्यालय के प्रवेश द्वार पर रखी हुई है। दिल्ली में एमसीडी इलाके में हरिनगर के पास घंटाघर हैं, सब्जी मंडी घंटाघर और कमला मार्केट में भी घंटाघर है। एमसीडी ने मिंटो ब्रिज पर एनडीएमसी इलाके से निकास के दौरान समय देखने के लिए घड़ीलगा रखी है।

सोसायटियों में ताख पर नियम, नहीं करवा रहे कुत्तों का रजिस्ट्रेशन

गुरुग्राम, एजेंसी। गुरुग्राम की पॉश सोसायटियों में पालतू कुत्तों को लेकर बनाए गए नियमों की अनदेखी हो रही है। नगर निगम की ओर से पालतू कुत्तों के रजिस्ट्रेशन को अनिवार्य किया गया है, लेकिन इसके बावजूद कई सोसायटी निवासी नियमों का पालन नहीं कर रहे हैं।

इसको लेकर निगम अब आरडब्ल्यूए (रेजिडेंट्स वेलफेयर एसोसिएशन) और सोसायटी प्रबंधन को जागरूक करेगा, ताकि पालतू कुत्तों के रजिस्ट्रेशन और देखरेख को लेकर सख्ती बरती जा सके।

नगर निगम ने बीते एक साल में 2290 कुत्तों का रजिस्ट्रेशन किया है। यह आंकड़ा बीते वर्षों की तुलना में बेहतर है, लेकिन यह अभी भी गुरुग्राम में पालतू कुत्तों की वास्तविक संख्या से काफी कम है।

सोसायटी की लिफ्ट, पार्क क्षेत्र में कुत्तों को खुला छोड़ने और लोगों को काटने के कई मामले सामने आ चुके हैं। कई बड़ी सोसायटियों में पालतू कुत्तों को लिफ्ट और पार्क क्षेत्रों में बिना पट्टे के खुले छोड़ दिया गया।

कई बार यह कुत्ते अन्य निवासियों पर झपटते हैं, जिससे झगड़े और शिकायतें बढ़ती जा रही हैं। कुछ मामलों में लोगों को चोटें भी आई हैं और मामला पुलिस थाने तक भी पहुंचा, लेकिन समस्या का स्थायी समाधान नहीं हुआ है। नगर निगम द्वारा निर्धारित नियमों के तहत प्रत्येक पालतू कुत्ते का रजिस्ट्रेशन अनिवार्य है। मालिक को यह सुनिश्चित करना होता है कि कुत्ते को सार्वजनिक स्थानों पर ले जाते समय पट्टा लगा हो और वह किसी को नुकसान न पहुंचाए। इसके अलावा, पालतू जानवरों का टीकाकरण, स्वच्छता और उचित देखभाल की जिम्मेदारी भी मालिक की ही होती है।

नगर निगम के अनुसार, बीते 12 महीनों में कुल 2290 कुत्तों का पंजीकरण किया गया है। यह प्रयास पालतू जानवरों की पहचान और ट्रैकिंग के लिए किया जा रहा है, ताकि किसी भी आपात स्थिति में उनकी जानकारी आसानी से मिल सके।

कई सोसायटियों में पालतू कुत्तों को खुला छोड़ने पर 500 रुपये जुर्माना लगाने का नियम लागू किया गया है।

इंटरचेंज के लिए राजीव चौक पर बनेगा एक और फ्लाईओवर

दिल्ली-गुरुग्राम एक्सप्रेसवे पर मिलेगी जाम से मुक्ति

गुरुग्राम, एजेंसी। दिल्ली-गुरुग्राम एक्सप्रेसवे के राजीव चौक फ्लाईओवर के ऊपर एक और फ्लाईओवर बनाने की योजना भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण ने बनाई है।

इसके ऊपर डेढ़ करोड़ करोड़ रुपये से अधिक खर्च होंगे। फ्लाईओवर बनने से दिल्ली-गुरुग्राम एक्सप्रेसवे की गाड़ियां सीधे गुरुग्राम-सोहना हाईवे और गुरुग्राम-सोहना हाईवे की गाड़ियां सीधे एक्सप्रेसवे के ऊपर चली जाएंगी। इससे जाम का झंझट दूर होगा।

फिलहाल राजीव चौक पर 24 घंटे ट्रैफिक का दबाव रहता है। एक्सप्रेसवे से हाईवे पर और हाईवे से एक्सप्रेसवे पर गाड़ियों के आने-जाने में कई बार आधे घंटे से भी अधिक लग जाता है जबकि एक मिनट भी नहीं लगना चाहिए।

फ्लाईओवर बनाए जाने का लाभ दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे को भी मिलेगा। दिल्ली आने वाली अधिकतर गाड़ियां (जिन्हें मुंबई की ओर जाना है) गुरुग्राम-सोहना हाईवे से होते हुए ही दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे पर जाती हैं।

राजीव चौक पर ट्रैफिक का दबाव शहर में सबसे अधिक है। इसे देखते हुए कई साल पहले अंडरपास का निर्माण किया गया, लेकिन ट्रैफिक दबाव में अधिक अंतर नहीं दिख रहा है।

अब राजीव चौक फ्लाईओवर के ऊपर एनएचएआइ ने इंटरचेंज बनाने की योजना बनाई है। योजना को अमलीजामा पहनाने के लिए जीएमडीए एवं बीएसएनएल से एनएचएआई का सहयोग चाहिए।

एनएचएआई की इच्छा है कि जीएमडीए कम से कम 20 से 25 प्रतिशत राशि का सहयोग करे। राजीव चौक के नजदीक बीएसएनएल की जमीन है। फ्लाईओवर के निर्माण में कुछ जमीन की आवश्यकता पड़ेगी। इस संबंध में जल्द ही बैठक होगी। आवश्यकता पड़ने पर वह प्रदेश सरकार से भी सीधी बात करेंगे। जीएमडीए की बैठक में भी इस विषय को रखा जाएगा। राजीव चौक पर बना वर्तमान फ्लाईओवर 10 मीटर ऊंचा है। फ्लाईओवर के दोनों तरफ 25 मीटर ऊंचे पिलर बनाकर फ्लाईओवर बनाया जाएगा। एनएचएआई के अधिकारियों का कहना है कि दो साल में दिल्ली-गुरुग्राम एक्सप्रेसवे का कायाकल्प किया जाएगा। प्रयास होगा कि इसी दौरान राजीव चौक पर भी इंटरचेंज बन जाए।

बांग्लादेश अवैध भारतीयों को कानूनी प्रक्रिया से बाहर निकालेगा

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश में गृह मामलों के सलाहकार लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) मोहम्मद जहांगीर आलम चौधरी ने कहा है कि देश में अवैध रूप से रह रहे भारतीय नागरिकों को उचित राजनयिक चैनलों के माध्यम से वापस भेजा जाएगा। उन्होंने कहा कि बांग्लादेश भारत की तरह दबाव बनाने में शामिल नहीं है, बल्कि कूटनीति के माध्यम से मुद्दों को सुलझाने में विश्वास करता है। देश ने हमेशा अंतरराष्ट्रीय कानूनों और प्रोटोकॉल का पालन किया है। उन्होंने कहा कि विदेश मंत्रालय ने इस मामले में भारत को पहले ही पत्र लिख दिया है। विदेश मामलों के सलाहकार तौहीद हुसैन और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार तथा रोहिंग्या मामलों पर मुख्य सलाहकार के उच्च प्रतिनिधि खलीलुर रहमान इस मुद्दे पर भारत के साथ कूटनीतिक संवाद कर रहे हैं। अगर कोई भारतीय नागरिक बिना अनुमति के बांग्लादेश में रहता पाया गया तो कानूनी प्रक्रियाओं के बाद उसे वापस भेजा जाएगा। उन्होंने कहा, हमने भारत से अनुरोध किया है कि वह घुसपैठ न कर, औपचारिक प्रत्यावर्तन प्रक्रियाओं का पालन करे।

फिनलैंड में हवा में दो हेलीकॉप्टर की हुई भीषण टक्कर, 5 लोगों की मौत

फिनलैंड, एजेंसी। फिनलैंड में एक बड़ी दुर्घटना घटी है, जहां हवा में दो हेलिकॉप्टरों की टक्कर हो गई। टक्कर के बाद दोनों हेलिकॉप्टर जमीन पर गिरकर क्रैश हो गए।

पुलिस ने बताया कि इस घटना में पांच लोगों की मौत हो गई। बताया जा रहा है कि दुर्घटना के वक्त दोनों हेलिकॉप्टर में पांच लोग ही सवार थे।

हादसे को लेकर पुलिस ने बयान जारी कर कहा, इस हादसे में कई लोगों की मौत हुई है। पीड़ितों की पहचान की जा रही है और पुलिस व अन्य आपातकालीन टीमें मौके पर पहुंचकर बचाव व जांच कार्य में जुटी हुई है।

स्थानीय मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, इन दोनों हेलिकॉप्टर्स ने एस्टोनिया से उड़ान भरी थी और इनमें कुछ व्यवसायी सवार थे। एक हेलिकॉप्टर में तीन लोग बैठे थे और दूसरे में दो लोग सवार थे। पुलिस ने बताया कि यह हादसा फिलनैंड के कौटुआ शहर के पास दक्षिण-पश्चिमी हिस्से में यूरा हवाई अड्डे के पास एक जंगली इलाके में हुई है।

नेशनल ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टिगेशन के डिटेक्टिव चीफ इंस्पेक्टर जोहान्स सिरिला ने बताया, ÷शनिवार को यूरा हवाई अड्डे के पास दो हेलिकॉप्टर के आपस में टकराने से पांच लोगों की मौत हो गई।÷ उन्होंने बताया कि दोनों हेलिकॉप्टर फिनलैंड के बाहर पंजीकृत थे।

फिनलैंड के हेलसिंगिन सनोमैट अखबार का हवाला देते हुए एस्टोनियाई पब्लिक ब्रॉडकास्टिंग ने बताया कि एक हेलिकॉप्टर एस्टोनिया में और दूसरा ऑस्ट्रिया में पंजीकृत था और दोनों हेलिकॉप्टर एस्टोनियाई कंपनी के थे।

हादसे की असली वजह क्या थी, इस पर अभी तक कोई आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है। फिलहाल, न तो मौसम खराब की जानकारी सामने आई है और न ही तकनीकी खराबी की। जांच एजेंसिया अब ब्लैक बॉक्स, फ्लाइट रिकॉर्ड्स और चश्मदीदों के बयान के आधार पर इस टक्कर की वजह जानने में जुटी है।

गाजा से हमास के खात्मे तक नहीं रुकेगा इजरायल, ताजा हमलों में 250 मरे, कतर में युद्धविराम पर शुरू हुई वार्ता

यरुशलम, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के पश्चिम एशिया छोड़ते ही इजरायल ने गाजा में सैन्य अभियान तेज कर दिया है। गाजा में इजरायल के दो दिनों के हमलों में 250 से ज्यादा लोग मारे गए हैं। मृतकों में जबालिया शरणार्थी शिविर के एक टेंट में मरे चार बच्चे भी शामिल हैं।

इस बीच कतर की राजधानी दोहा में युद्धविराम को लेकर इजरायल और हमास में परोक्ष वार्ता भी शुरू हो गई है। इजरायल के रक्षा मंत्री इजरायल काट्ज ने कहा है कि ऑपरेशन गिडिआन चैरियट्स का उद्देश्य गाजा से हमास के खात्मे का है। इस दौरान इजरायली सेना करीब दो दर्जन बंधकों को हमास की कैद से मुक्त कराने के लिए हर संभव कोशिश करेगी। इन लोगों को हमास के लड़ाकों ने सात अक्टूबर, 2023 को इजरायली शहरों से अगवा करके बंधक बना रखा है। हमास पर दबाव बढ़ाने के उद्देश्य से इजरायली सेना गाजा में ढाई महीने से खाद्य सामग्री, पेयजल, दवाओं और अन्य आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति रोके हुए हैं। गाजा की सीमा पर आवश्यक सामग्री लिए करीब नौ हजार ट्रक खड़े हुए हैं। इसके चलते गाजा में 20 लाख से ज्यादा की आबादी के लिए एक-एक पल काटना मुश्किल हो रहा है। संयुक्त राष्ट्र सहित कई वैश्विक संगठनों ने गाजा में बच्चों, किशोरों और महिलाओं के कुपोषण का शिकार होने की बात कही है, साथ ही भुखमरी की आशंका जताई है।

मेक्सिकन नेवी शिप न्यूयॉर्क में ब्रुकलिन ब्रिज से टकराया

9 लोग घायल, 2 की मौत 277 लोग थे सवार

न्यूयॉर्क , एजेंसी। अमेरिका के न्यूयॉर्क शहर में शनिवार शाम को एक बड़ा हादसा हुआ जब मैक्सिकन नौसेना का जहाज 'कुआउतेमोक' ब्रुकलिन ब्रिज से टकरा गया। इस हादसे में जहाज पर सवार कम से कम 19 लोग घायल हो गए हैं, जिनमें से 4 की हालत गंभीर बताई जा रही है। हादसे की पुष्टि न्यूयॉर्क सिटी के मेयर एरिक एडम्स ने एक प्रेस ब्रीफिंग में की है। यह दुर्घटना स्थानीय समयानुसार रात 8:26 बजे हुई, जब जहाज ब्रुकलिन ब्रिज के नीचे से गुजरने का प्रयास कर रहा था।

सोशल मीडिया पर वायरल एक वीडियो में हादसे के ठीक पहले के क्षण कैद हैं। वीडियो में देखा जा सकता है कि जहाज ब्रिज के काफी नजदीक पहुंच जाता है और उसके 147 फीट ऊंचे दो मस्तूल पुल से टकरा जाते हैं। जहाज रोशनी से सजा हुआ था और उसपर अधिकतर कैडेट सवार थे।

टक्कर के समय कुआउतेमोक जहाज के ऊपरी हिस्से पर कई सफेद ड्रेस में नाविक मौजूद थे, जो टक्कर लगते ही नीचे गिरने लगे। कुछ ने मस्तूल को पकड़कर गिरने से बचने की कोशिश की। घटनास्थल पर मौजूद लोग भी डर के मारे इधर-उधर भागते नजर आए। न्यूयॉर्क फायर डिपार्टमेंट के मुताबिक, दुर्घटना के तुरंत बाद रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू कर दिया गया है। सभी घायलों को तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया। अभी तक सभी घायलों की पहचान उजागर नहीं की गई है, लेकिन सभी चोटें जहाज पर सवार लोगों को ही आई हैं। हादसे की वास्तविक वजह अब तक स्पष्ट नहीं हो पाई है। आपको बता दें कि मैक्सिकन नौसेना का एक प्रतिष्ठित प्रशिक्षण पोत है, जो अक्सर अंतरराष्ट्रीय बंदरगाहों का दौरा करता है और नौसैनिक कैडेटों को प्रशिक्षण देने के लिए उपयोग में लाया जाता है। इसमें कुल 277 लोग सवार थे, जिनमें नाविक, अधिकारी और कैडेट शामिल थे।

277 लोगों को लेकर चला था मेक्सिकन जहाज: कुआउतेमोक जहाज 297 फीट लंबा और 40 फीट चौड़ा है। यह 1982 में पहली बार चला था। हर साल नेवल स्कूल की कक्षाएं खत्म होने के बाद यह कैडेट्स की ट्रेनिंग के लिए रवाना होता है। इस साल 6 अप्रैल को यह मेक्सिको के अकापुल्को बंदरगाह से 277 लोगों के साथ रवाना हुआ था।

जहाज को 15 देशों के 22 बंदरगाहों, जैसे किंग्स्टन (जमैका), हवाना (क्यूबा), कोजुमेल (मेक्सिको), न्यूयॉर्क, रेकजाविक (आइसलैंड), बोर्डो, सेंट मालो, डंकर्क (फ्रांस), और एबरडीन (स्कॉटलैंड) में रुकना था। कुल 254 दिन की यात्रा में 170 दिन समुद्र में बीतने थे।

142 साल पुराना है न्यूयॉर्क का ब्रुकलिन ब्रिज: हादसे की वजह से 142 साल पुराने ब्रुकलिन ब्रिज को बड़ा नुकसान नहीं हुआ। हादसे के वजह की जांच चल रही है। ब्रुकलिन ब्रिज का निर्माण 1883 में हुआ था। यह लगभग 1,600 फीट लंबा है और दो पत्थर के टावरों पर टिका है।

बोकारो पुलिस ने नावाडीह हत्याकांड का 48 घंटे में किया खुलासा

हेमलाल की हत्या में एक महिला सहित चार की हुई है गिरफ्तारी

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। बोकारो के नक्सल प्रभावित नावाडीह थाना क्षेत्र में हुए हत्याकांड का पुलिस ने 48 घंटे के भीतर खुलासा कर दिया है। हजारीबाग के सिरौय गांव निवासी हेमलाल पंडित की गोली मारकर की गई हत्या मामले में पुलिस ने एक महिला समेत चार लोगों को गिरफ्तार किया है। 14 और 15 मई की रात नावाडीह थाना क्षेत्र में क्रेटा गाड़ी में सवार हेमलाल पंडित की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। हत्या के वक्त उसके पिता तुलसी पंडित भी गाड़ी में मौजूद थे। घटना के बाद बोकारो एसपी मनोज स्वर्गियारी के निर्देश पर बेरमो एसडीपीओ बीएन सिंह की अगुवाई में बनी एसआईटी ने महज 48 घंटे में मामले का उद्भेदन कर दिया।

इस हत्याकांड में पुलिस ने महिला चंपा देवी, उसके दोस्त प्रकाश सिंह और दो शूटर झ डोमन राम और विकास कुमार को गिरफ्तार किया है। इनके पास से एक देशी पिस्तौल, एक देशी कट्टा और छह जिंदा कारतूस भी बरामद हुए हैं। एसपी मनोज स्वगीर्यारी के अनुसार, चंपा देवी को शक था कि ओझा-गुनी का काम करने वाले हेमलाल पंडित ने जादू टोना और जहर देकर उसके पति खगेश्वर पंडित की हत्या कर दी। चंपा के पति की मृत्यु गत वर्ष दुर्गा पूजा की नवमी की रात को हो गई थी। इसी शक में चंपा ने अपने धनबाद निवासी मित्र प्रकाश सिंह के साथ मिलकर हेमलाल की हत्या की साजिश रची। प्रकाश सिंह ने शूटर डोमन राम और विकास कुमार को तीन लाख की सुपारी दी, जिसमें अब तक 2 लाख 35 हजार रुपये अलग-अलग माध्यमों से दिए जा चुके थे। कुछ दिन पहले भी हेमलाल की हत्या की कोशिश हुई थी, लेकिन वह असफल रही। इसके बाद तांत्रिक क्रिया के बहाने प्रकाश और डोमन ने हेमलाल को पांच हजार रुपये देकर झाड़फूंक करने के लिए नावाडीह बुलाया। 14 मई की रात हेमलाल अपने पिता के साथ क्रेटा गाड़ी में नावाडीह पहुंचे। वहां से प्रकाश और डोमन उन्हें सुनसान इलाके की ओर ले गए और गाड़ी में ही देसी कट्टा और पिस्तौल से हेमलाल की गोली मारकर हत्या कर दी। इस मामले में अभी दो अन्य आरोपी फरार हैं, जिनकी तलाश की जा रही है।

उपायुक्त ने की समीक्षा बैठक, समाज कल्याण के कार्यों में तेजी लाने का दिया निर्देश

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। समाहरणालय स्थित कार्यालय कक्ष में शनिवार देर शाम उपायुक्त विजया जाधव ने समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं एवं कार्यक्रमों की समीक्षा बैठक। मौके पर जिला समाज कल्याण पदाधिकारी डा. सुमन गुप्ता, बाल विकास परियोजना पदाधिकारी, महिला पर्यवेक्षिका आदि उपस्थित थे। बैठक में उपायुक्त ने जिला अंतर्गत संचालित आंगनबाड़ी केंद्रों में विद्युत कनेक्शन, आंगनबाड़ी केंद्र भवन की स्थिति, पेयजल व शौचालय की व्यवस्था, आंगनबाड़ी सेविका एवं सहायिकाओं का आयुष्मान कार्ड और सेविका-सहायिका के रिक्त पद से संबंधित प्रतिवेदन पर क्रम वार समीक्षा की। उन्होंने इस दिशा में कार्य प्रगति में तेजी लाने का निर्देश दिया। उपायुक्त ने सक्षम आंगनबाड़ी केंद्र, पीएम जनमन, सावित्रीबाई फुले किशोरी समृद्धि योजना, प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना, महिला पर्यवेक्षिकाओं को आधार ऑनबोडिंग हेतु परीक्षा पास कराते हुए विभाग को प्रतिवेदन प्रेषित करने तथा पोषण ट्रैकर अपडेशन से संबंधित विविध गतिविधियों पर विस्तार पूर्वक चर्चा कर जरूरी दिशा-निर्देश दिया। समीक्षा क्रम में उपायुक्त ने विभिन्न योजनाओं से भवन पूर्ण आंगनबाड़ी केंद्र का जल्द से जल्द हस्तांतरण कराते हुए केंद्र का संचालन प्रारंभ करने का निर्देश दिया। इसके अलावा जहां अभी तक भवन निर्माण हेतु भूमि चिन्हित नहीं किया गया है, वहां भूमि चिन्हित कर प्रतिवेदन कार्यालय को उपलब्ध कराने को कहा। साथ ही, पर्यवेक्षिकाओं को पेयजल एवं शौचालय सहित भवन से संबंधित सभी अद्यतन प्रगति को पोषण ट्रैकर एप में अपडेट करने हेतु निर्देशित किया। समीक्षा बैठक में आंगनबाड़ी सेविका एवं सहायिका का आयुष्मान कार्ड बनाने से संबंधित कार्यों का अवलोकन उपरांत सभी बाल विकास परियोजना पदाधिकारी को अपने स्तर से प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी से समन्वय स्थापित कर शत-प्रतिशत आंगनबाड़ी सेविका एवं सहायिकाओं का आयुष्मान कार्ड हेतु पंजीकरण कराना और सेविकाओं एवं सहायिकाओं के रिक्त पद के विरुद्ध जल्द से जल्द प्रस्ताव जिला कार्यालय को उपलब्ध कराने का निर्देश दिया गया। समीक्षा क्रम में प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना में संतोषजनक प्रगति नहीं होने के कारण उपायुक्त ने नावाडीह सीडीपीओ से स्पष्टीकरण पूछने का निर्देश दिया। वहीं, उपायुक्त ने सभी बाल विकास परियोजना पदाधिकारी (सीडीपीओ) को नियमित आंगनबाड़ी केंद्रों का निरीक्षण करने एवं सभी महिला पर्वेक्षकों (एल एस) को सप्ताह में चार दिन आंगनबाड़ी केंद्रों का पर्यवेक्षण करते हुए प्रतिवेदन जिला को उपलब्ध कराने का निर्देश दिया।

संक्षिप्त समाचार

राज्य सरकार की नई शराब नीति का स्वागत

रांची/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। राज्य सरकार द्वारा लाई गई नई शराब नीति का फेडरेशन आफ झारखंड चैंबर आफ कमर्स एंड इंडस्ट्रीज ने स्वागत किया है। फेडरेशन के अध्यक्ष परेश गट्टानी समेत अन्य सदस्यों ने आज रांची में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में शराब नीति के लिए मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और उत्पाद विभाग के मंत्री योगेंद्र प्रसाद को धन्यवाद दिया है। फेडरेशन ने कहां की 3 वर्षो के बाद सरकार ने शराब नीति को लाया है। इसे जल्द से जल्द लागू करने की प्रक्रिया शुरू की जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि पिछले वित्तीय वर्ष में उत्पाद विभाग को 27 सौ करोड रुपए का राजस्व प्राप्त हुआ था। जबकि इस वर्ष सरकार ने चार हजार करोड रूपए राजस्व का लक्ष्य रखा है। चैंबर ने कहा कि यह लक्ष्य काफी ऊंचा है हालांकि इसे हासिल करने का प्रयास किया जाएगा। चेंबर की ओर से कई बिंदुओं पर सुझाव भी दिए गए थे।

अपने चाचा के अंतिम संस्कार में शामिल हुए मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन

रामगढ़/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन अपने चाचा जगदीश सोरेन के निधन पर रामगढ़ के गोला प्रखंड स्थित नेमरा अपने पैतृक गांव पहुंचे। इस क्रम में रामगढ़ के उपायुक्त चंदन कुमार, पुलिस अधीक्षक अजय कुमार के साथ जिला प्रशासन के तमाम पदाधिकारी उपस्थित थे। मुख्यमंत्री के चाचा जगदीश सोरेन के निधन होने के बाद उनकी अंतिम शव यात्रा में मुख्यमंत्री शामिल हुए। मुख्यमंत्री के चाचा जगदीश सोरेन का अंतिम संस्कार घर के निकट टंगा शिला जोरिया में संपन्न हुआ। इस दौरान मुख्यमंत्री ने पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि पारिवारिक संबंध से जुड़ी यह सारी चीजे हैं जिसमें हम सभी लोग बंधे हुए हैं। आज हमारे घर के सदस्यों में से एक का निधन हुआ है आज उनके अंतिम संस्कार के लिए आए हैं भगवान इनके आत्मा को शांति दे।

जेल अदालत सह विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकार बोकारो अनिल कुमार मिश्रा के मार्गदर्शन में आज मंडलकारा चास में एक जेल अदालत सह विधिक जागरूकता शिविर एवं स्वास्थ्य जांच चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। चास जेल में आयोजित इस जेल अदालत में जिसके सदस्य मनोरंजन कुमार सीजेएम बोकारो एवं डिप्टी चीफ एल ए डी सी पम्मी कुमारी थे। साथ ही मंडल कारा चास में स्वास्थ्य जांच चिकित्सा शिविर का भी आयोजन किया गया, जिसमें जेल में कुल 284 कैदियों की स्वास्थ्य जांच किया गया एवं मेडिसिन उपलब्ध कराया गया, जिसमें 278 पुरुष एवं 06 महिला थे। साथ ही मंडल कारा चास में एक विधिक जागरूकता कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया, जिसमें जेलर श्री निखिल कांत एवं अन्य वक्ताओं द्वारा चास जेल के कैदियों को कानूनी जानकारी दी गई। कैदियों को डालसा अंतर्गत दी जाने वाली विभिन्न विधिक सहायता और कैदियों के प्राप्त अधिकारों के बारे में विस्तृत जानकारी देकर उन्हें जागरूक किया।

क्वार्टर क्षतिग्रस्त घोषित करने के विरोध में आवासधारियों की बैठक, विरोध का निर्णय

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। आवास बचाओ संघर्ष समिति के बैनर तले आज बोकारो इस्पात नगर के सेक्टर 12 बी में बैठक की गई। बैठक में सभी ने एक स्वर में बोकारो स्टील प्लांट प्रबंधन द्वारा सेक्टर 12 के 161ब्लॉक के क्वार्टर को क्षतिग्रस्त घोषित कर तोड़े जाने के निर्णय का विरोध किया गया। बैठक को संबोधित करते हुए मनोज सिंह ने कहा कि बोकारो स्टील प्लांट के कर्मचारी लिस्ट धड़क जो वर्षो से इन क्वार्टरों में रह रहे हैं। उन्हें काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ेगा। जिसको ध्यान में रखते हुए सेल प्रबंधन को अपने इस निर्णय को वापस लेना होगा। उन्होंने बताया कि धनबाद के सांसद ढुलू महतो इस लड़ाई में सभी के साथ हैं। तथा सेल प्रबंधन के साथ वार्ता जारी है। एनबीसीसी के गलत सर्वे के कारण यह स्थिति हुई है। उन्होंने बताया कि आवास थोड़े जाने से सभी कर्मचारियों तथा लीज धारकों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ेगा लोगों का आधार कार्ड ,वोटर कार्ड से लेकर के सभी प्रकार की परिवर्तन करना पड़ेगा। जिससे बहुत ज्यादा परेशानियों का सामना करना पड़ेगा। सुदामा यादव, यमुना राम, पप्पू यादव, नीरजबसिंह, मुकेश सिंह, डी एन सिंह, लक्ष्मी देवी, पम्मी कुमारी, नीलम सिंह, सविता शर्मा, जरपसा शहनाज आदि उपस्थित थी।

धनबाद के सभी प्रखंडों में विधिक सशक्तिकरण शिविर का आयोजन

डालसा प्रशासनिक निष्क्रियता के प्रतिहित प्रहरी के रूप में कार्य करती है: न्यायाधीश अभिजित

धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकार वीरेन्द्र कुमार तिवारी के निर्देश पर एक दिवसीय विधिक सशक्तिकरण सह जागरूकता शिविर का आयोजन रविवार को जिले के सभी प्रखंडों में किया गया। निरसा प्रखंड कार्यालय में आयोजित मेगा एंपावरमेंट कैंप में लोगों को संबोधित करते हुए अनुमंडल न्यायिक दंडाधिकारी अभिजित पांडे ने कहा कि जिला विधिक सेवा प्राधिकार प्रशासनिक निष्क्रियता के प्रतिहित प्रहरी के रूप में कार्य करती है।सरकारी योजनाओं का लाभ जरूरतमंदों तक सुगमता से पहुंचाई जा सके इस शिविर का मुख्य उद्देश्य है। पूर्वी टुंडी में आयोजित शिविर में संबोधित करते हुए प्रथम श्रेणी न्यायिक दंडाधिकारी ऋषि कुमार ने कहा कि ने कहा कि दूर - सुदूर ग्रामीण इलाकों में रह रहे आम जनता त्वरित न्याय कैसे प्राप्त करें इस पर लोगों को जागरूक करने के लिए डालसा इस तरह के जागरुकता कार्यक्रम करता रहा है।लीगल एड डिफेंस कांउसिल सिस्टम के डिप्टी चीफ अजय कुमार भट्ट ने लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि विधिक जागरूकता शिविर के माध्यम से धनबाद जिले के सभी गांव तक डालसा द्वारा गठित टीम के माध्यम से पहुंचने का लक्ष्य है,जिससे कि जिले के दूर-सुदूर इलाकों में रह रहे ग्रामीण जनता तक सुलभ एवं त्वरित न्याय प्रक्रिया को पहुंचाया जा सके।वहीं मीडिया से बातचीत करते हुए अवर न्यायाधीश डालसा के सचिव मयंक तुषार टोपनो ने कहा कि जिले के सभी 10 प्रखंडों गोविंदपुर, निरसा, धनबाद प्रखंड कार्यालय ,कलियासोल ,इग्यार कुंड ,बाघमारा ,बलियापुर टुंडी पूर्वी, टुंडी, तोपचांची प्रखंड कार्यालय में मेगा लीगल एंपावरमेंट कैंप का आयोजन हुआ जिसमें प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश बीरेन्द्र कुमार तिवारी के निर्देश पर अनुमंडल न्यायिक दंडाधिकारी अभिजीत पांडे, प्रथम श्रेणी न्यायिक दंडाधिकारी विवेक राज, ऋषि कुमार, ऐश्वर्या श्रीवास्तव, अनामिका कच्छप, सुरेश उरांव, शिवानी शर्मा अपेक्षा, साकिया कौसर, सृष्टि घई समेत लीगल ऐड डिफेंस काउंसिल सिस्टम के चीफ कुमार विमलेंदु, डिप्टी चीफ अजय कुमार भट्ट, सहायक कांउसिल कन्हैया लाल ठाकुर,नीरज गोयल, सुमन पाठक, शैलेन्द्र झा, नीरज गोयल, मुस्कान चोपड़ा समेत सभी विभागों के पदाधिकारी डालसा के पैनल के अधिवक्ता और लाभुक शामिल हुए। धनबाद प्रखंड कार्यालय में प्रभारी प्रखंड विकास पदाधिकारी एवं अंचल अधिकारी, न्यायिक पदाधिकारी द्वारा विधिक सशक्तिकरण शिविर का आयोजन किया गया जिसमें जिला विधिक सेवा प्राधिकार द्वारा चलाई जा रही निशुल्क विधिक सहायता के बारे में बताया गया एवं सरकार द्वारा चलाई जा रही जन कल्याणकारी योजनाओं का लाभ शिविर के माध्यम से लोगों को दिया गया। उन्होंने बताया कि रविवार को विभिन्न ब्लॉकों में अवर न्यायाधीश, अंचलाधिकारी, प्रखंड विकास पदाधिकारी, विभिन्न थाना के थाना प्रभारियों के नेतृत्व में ऑन स्पोर्ट 39 हजार 987 लाभुकों के बीच 3 करोड 54 लाख 74 हजार 730 रूपए की परिसंपत्तियों का वितरण किया गया। शिविर में दिव्यांगों को व्हीलचेयर, लाभुकों को पीएम आवास योजना, वृद्धा पेंशन, दिव्यांग पेंशन, श्रमिकों को ई- श्रम कार्ड,श्रमिकों को मनरेगा जॉब कार्ड,श्रम विभाग की तरफ से पैंट - शर्ट साड़ी वृद्धा पेंशन, विधवा पेंशन, दिव्यांग पेंशन, व्हीलचेयर, ट्राईसाईकिल, ब्लाइंड स्टिक, सावित्रीबाई फुले योजना, इंदिरा आवास, केसीसी लोन, जेएसएलपीएस के माध्यम से महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए चेक का वितरण किया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में सभी ब्लॉकों के बीडीओ,थाना प्रभारी, डालसा की टीम अरुण कुमार, सौरभ सरकार, अनुराग पांडे, विधिक स्वयंसेवक राजेश सिंह, हेमराज चौहान, डिपेंटी गुप्ता, ओम प्रकाश दास, पंकज वर्मा, निमाई प्रमाणिक, दिनेश महतो, सहदेव महतो, हेमराज चौहान, माणिक कुमार दुबे, रूपा कुमारी, पंकज कुमार वर्मा, श्याम झा, अशोक कुमार पाठक, सविता कुमारी, पूजा झा, उत्तम मंडल, अजीत कुमार दास, निमाई प्रमाणिक, सुबीर कुमार गुरु, भोलानाथ धीवर, अब्दुल कलाम, ज्योतिनंदन सिंह, दिनेश महतो, मोनू कुमार यादव, चंदन कुमार, एजाज अहमद, संतोष कुमार सिंह, आनंद चक्रवर्ती, जगदीप रजक, पवन दे, गौरव कुमार, ओम प्रकाश दास, रेबोती मरांडी, सहदेव महतो, संध्या देवी, लक्ष्मी कुमारी, रूपेश कुमार, राखी घोष, शाहिस्ता अंजुम, कविता कुमारी, चिरंजीत तिवारी, पूनम हेमरम, फूलचंद महतो, सुभाष चंद्र महतो, जयप्रकाश, लक्ष्मी कुमारी, विनय कुमार, भोलानाथ धीभर, निताई कर्मकार, सपन मरांडी, सीता कुमारी, परमेश्वर हांड़ी, संदीप कुमार, राहुल कुमार महतो, अजय कुमार साव, अशोक कुमार गुप्ता, राजू वर्मन, विशाल कुमार यादव, अदिति वर्मा, संदीप कुमार मिश्रा, सूरज मुर्मू, सपना, रमेश किस्कु, संजय कुमार मंडल, भागीरथ महतो, सुनीत कुमार, बिक्रम, अमित कुमार दान, उप प्रमुख, मुखिया, पंचायत समिति सदस्य, उप मुखिया एवं जिले के समस्त प्रखंडों के कर्मचारी गण एवं दूर सुदूर ग्रामीण इलाकों से आए ग्रामीण जनता का योगदान रहा।

तीन करोड 54 लाख 74 हजार की परिसंपत्तियों का किया गया वितरण

पूर्व सैनिक सेवा परिषद बोकारो ने निकाली तिरंगा यात्रा

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। पूर्व सैनिक सेवा परिषद, बोकारो ने ऑपरेशन सिंदूर की सफलता एवम अपने सैनिकों के साथ देशवासियों की एकजुटता को दिखाते हुए, उनका मनोबल बढ़ाने के लिए रविवार को तिरंगा यात्रा निकाली। इस यात्रा को सेक्टर 4 स्थित सत्य और अहिंसा के पुजारी महात्मा गांधी की मूर्ति के सामने से बोकारो के सी जी एम टीए कुंदन कुमार ने तिरंगा लेकर साथ चलते हुए आरंभ किया और वीरता की प्रतिमूर्ति बिरसा मुंडा, जिन्होने जाती और धर्म से उपर उठकर देश के लिए अपना सर्वोच बलिदान दिया, भगवान बिरसा के मूर्ति के सामने समाप्त किया। इस यात्रा में पूर्व सैनिकों के अतिरिक्त समाज के विभिन्न संगठनों जैसे राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, महाराणा विचार मंच, संकल्प सृजन, युवा मोर्चा, भाजपा, विभिन्न एन जी ओ के सदस्यों सहित सैकड़ों बोकारो वासियों की सहभागिता रही। परिषद के वयोबृद्ध सदस्य एस के सिंह एवम् पूर्व प्रान्तीय उपाध्यक्ष दिनेश्वर सिंह ने इस यात्रा की जरूरत पर अपना मंतव्य रखते हुए कहा कि सरहद पर खडे सैनिकों का मनोबल हमारी ऐसी दृढता से और मजबूत होता है। उनका पाराक्रम इस ऑपरेशन में दीखा भी। कहते हैं कि मशीन नही, मशीन के पीछे खडा मनुष्य ज्यादा महत्वपूर्ण होता है। हमारे सैनिकों ने मैक्सिमम यूटीलाइजेशन के तहत, बिना सीमा पार किए ही शत प्रतिशत टारगेट को हीट किया। और उस जगह तक जाकर हीट किया जिसका अंदाजा भी दुश्मन नहीं लगा सका। पूर्व सैनिक राकेश मिश्रा के नेतृत्व में अनेकों पूर्व सैनिकों के साथ साथ बोकारो के कई युवा, वृद्ध और बच्चे शामिल हुए । जिनमे मुख्य रूप से पूर्व सैनिक सुरेश बाबू, मनोज झा, शत्रुघन सिंह, संजीव कुमार, राजीव रंजन सिन्हा, विनय कुमार, अमित कुमार सिन्हा, परमहंस सिंह, प्रदीप कुमार, राजकुमार सिंह, मनोज पांडे, शशि भूषण मिश्रा, अन्य मौजूद लोगों में शामिल रहे अशोक कुमार वर्मा, मोहनन नायर, कौशल किशोर, प्रशांत कुमार, विवेक सिंह, संजीव कुमार, राजेश दुबे, अजीत पांडे, नीरज कुमार, अर्चना शर्मा, सीमा सिंह, रामू कुशवाहा, उदय कुमार सिंह, नागेंद्र पुरी, और सैकड़ो की संख्या में लोग मौजूद रहे। अंत में पूर्व सैनिक सेवा परिषद् की ओर से सभी देशभक्त नागरिकों का अभिनंदन और आभार प्रकट किया गया प्रेस और मीडिया के सभी सदस्यों का भी आभार व्यक्त किया गया ।

प्रखंड बीस सूत्री अध्यक्ष सह कांग्रेस नेता ने बोकारो के पूर्व विधायक पर साधा निशाना

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। चास प्रखंड बीस सूत्री प्रखंड अध्यक्ष सह कांग्रेसी नेता महावीर सिंह चौधरी ने बोकारो पूर्व विधायक बिरंची नारायण सहित भाजपाइयों पर पलटवार किया। कहा कि पूर्व विधायक को बोकारो से मिल रहे कट मनी सहित अन्य विभिन्न सुविधा बंद हो जाने के कारण छटपटाहट हो गया है। इसलिए वे व भाजपा नेता डबल वोटर कार्ड मामलों पर सस्ती लोकप्रियता हासिल करने को लेकर यहां वहां ज्ञापन सौंपते नजर आ रहे है। जबकि वास्तविकता बोकारो विधायक श्वेता सिंह की दिन प्रतिदिन बढ़ती लोकप्रियता सहित आमजनों के बीच संबंध को लेकर है। श्री सिंह ने कहा कि प्रतिदिन बोकारो के विधायक श्वेता सिंह के आवास पर भारी संख्या में क्षेत्र के लोग विभिन्न समस्याओं को लेकर पहुंचते है। यहां समस्याओं को लेकर पहुंचे लोगों का ऑनस्पॉट सुनवाई भी होता है। जबकि पूर्व के दस साल बोकारो की जनता को बोकारो के विधायक से मिलने को लेकर समय व उनके खास लोगों के माध्यम से पहुंचना पड़ता है। इसमें भी जो उनके खास करीब होते थे उन्ही लोगों की बात बोकारो के विधायक समस्याओं को सुनते थे। लेकिन अभी बोकारो की विधायक आमजनों के साथ स्वंय जुड़ी हुई है। महावीर ने कहा कि वोटर कार्ड आदि मामलें को लेकर भाजपाइयों की कार्यप्रणाली समझ से परे है। उन्होंने इसको लेकर भाजपाइयों को धन्यवाद दिया। कहा कि मामलें पर कांग्रेस सहित बोकारो की जनता एकजुट हो गई है। प्रेस कॉन्फ्रेंस में मौजूद बोकारो जिला कांग्रेस कमिटी के महासचिव राजकुमार चौरसिया,भोलानाथ घोषाल आदि मौजूद थे।

धर्मांतरण और बांग्लादेशी घुसपैठ के खिलाफ 30 जून से जन आंदोलन : चंपाई

रांची/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री और भाजपा के वरिष्ठ नेता चंपाई सोरेन ने कहा है कि अवैध धर्मांतरण और बांग्लादेशी घुसपैठ के खिलाफ राज्य में आगामी 30 जून को हूल दिवस के मौके पर राज्यव्यापी जन आंदोलन की शुरूआत की जाएगी। रांची में आयोजित संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि अवैध बांग्लादेशी घुसपैठ का मुद्दा वे लगातार उठाते रहे हैं। केंद्र सरकार ने भी मुद्दे को गंभीर माना है। उन्होंने कहा कि इस मुद्दे की गंभीरता को देखते हुए केंद्र सरकार ने सभी राज्यों को अवैध बांग्लादेशी घुसपैठियों के पहचान के लिए स्पेशल टास्क फोर्स बनाने का निर्देश दिया है। बांग्लादेशी घुसपैठ के मुद्दे पर केंद्र सरकार द्वारा उठाए गए कदम का पूर्व मुख्यमंत्री में स्वागत किया है। उन्होंने कहा कि इस काम के लिए वह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और देश के गृह मंत्री अमित शाह के प्रति आभार व्यक्त करते हैं। उन्होंने कहा कि झारखंड में अवैध बांग्लादेशी घुसपैठ और धर्मांतरण जोर पकड़ रहा है। चंपाई सोरेन ने कहा कि रांची, लोहरदगा, गुमला, बोकारो, पाकुड़, साहिबगंज और पलामू क्षेत्र समेत पूरा झारखंड अवैध बांग्लादेशी घुसपैठ की चपेट में आ रहा है। उन्होंने कहा कि झारखंड मुक्ति मोर्चा, राष्ट्रीय जनता दल और कांग्रेस की गठबंधन वाली सरकार वोट बैंक की राजनीति कर रही है। उन्होंने कहा कि संथाल परगना समेत झारखंड के कई गांव में अब आदिवासी परिवार की संख्या एक भी नहीं बची हुई है। बांग्लादेशी अवैध घुसपैठ और धर्मांतरण के मुद्दे को चंपाई सोरेन ने इसे पूरी तरह से सामाजिक मुद्दा बताया। उन्होंने कहा कि इस मुद्दे पर कभी भी राजनीति नहीं होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि आदिवासी संस्कृति पर हमला होने के साथ उनकी जमीनों को भी छीना जा रहा है। आज कई ऐसे गांव है जहां आदिवासियों के नाम पर जमीन नहीं बची है। संवाददाता सम्मेलन के दौरान पूर्व मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन ने झारखंड में आदिवासी महिलाओं की अस्मिता का भी मुद्दा उठाया।

रोटरी द्वारा लगाए सर्वाइकल कैंसर टीकाकरण शिविर में 51 किशोरियों को दी गई प्रथम डोज

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। समाज के सर्वांगीण विकास में महिलाओं की भूमिका को सशक्त बनाते हुए तथा उनके स्वास्थ्य को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए रोटरी क्लब ऑफ बोकारो स्टील सिटी ने आज अपने क्लब परिसर स्थित पॉल हैरिस ऑडिटोरियम में तीसरे सर्वाइकल कैंसर टीकाकरण शिविर का आयोजन किया। शिविर सुबह 10:00 बजे आरंभ होकर दोपहर 1:00 बजे तक चला, जिसमें कुल 51 किशोरी बालिकाओं को सर्वाइकल कैंसर से बचाव हेतु एचपीवी वैक्सीन की पहली डोज प्रदान की गई। यह शिविर क्लब द्वारा संचालित उस स्वास्थ्य सेवा श्रृंखला का हिस्सा है, जिसकी परिकल्पना रोटेरियन अध्यक्ष महेश कुमार गुप्ता ने महिला स्वास्थ्य की सुरक्षा को केंद्र में रखते हुए की है। यह अभियान एक ओर जहां रोग-प्रतिरोधक जागरूकता को बढ़ावा देता है, वहीं दूसरी ओर समाज में नारी सम्मान और स्वास्थ्य संरक्षण की भावना को भी मजबूती प्रदान करता है। शिविर की चिकित्सा जिम्मेदारी रोटेरियन डॉ. एस. सी. मुंशी और उनकी विशेषज्ञ टीम ने पूरी निष्ठा और दक्षता के साथ निभाई। इस पूरे कार्यक्रम में शिविर प्रमुख रोटेरियन प्रदीप नारायण की भूमिका विशेष रूप से सराहनीय रही। वैक्सीनेशन की प्रत्येक प्रक्रिया को वैज्ञानिक मानकों और सुरक्षा उपायों के अनुरूप संचालित किया गया, जिससे अभिभावकों और लाभार्थियों को सुरक्षित वैक्सीनेशन के प्रति आत्मविश्वास का अनुभव हुआ। कार्यक्रम की सफलता में रोटरी क्लब के वरिष्ठ सदस्यों की सहभागिता अत्यंत सराहनीय रही। आज के शिविर में अनेक रोटरी सदस्यगण उपस्थित थे जिसमें महिला रोटेरियंस की संख्या भी काफी थी। उनकी सतत उपस्थिति और सक्रिय सहयोग ने न केवल व्यवस्थागत मजबूती दी, बल्कि सेवा कार्यों के प्रति क्लब की सामूहिक प्रतिबद्धता को भी दर्शाया। इस अवसर पर क्लब अध्यक्ष रोटेरियन महेश कुमार गुप्ता ने कहा, हमारा यह प्रयास स्वास्थ्य सेवा की दिशा में एक कदम मात्र नहीं है, यह हमारे समाज की बेटियों को एक सुरक्षित भविष्य देने का संकल्प भी है। रोटरी की विचारधारा ह्य को हम तब तक सार्थक नहीं मान सकते, जब तक हम अपने आस-पास की महिलाओं को स्वस्थ और सशक्त बनाने की जिम्मेदारी नहीं उठाते। यह शिविर उसी सोच की परिणति है। रोटरी क्लब इस टीकाकरण परियोजना के माध्यम से एक बड़ी स्वास्थ्य क्रांति का बीजारोपण कर रहा है, जिसमें न केवल वैक्सीनेशन शामिल है, बल्कि उससे जुड़ी वैज्ञानिक जानकारी, मिथकों का निवारण और जन-भागीदारी को प्रोत्साहन भी शामिल है। क्लब द्वारा यह भी जानकारी दी गई कि इस श्रृंखला को आगे जारी रखते हुए आगामी शिविरों की योजना भी तैयार की जा रही है, जिनमें अधिक से अधिक लाभार्थियों तक यह जीवनरक्षक वैक्सीन पहुंचाने का लक्ष्य है। यह पहल रोटरी क्लब ऑफ बोकारो स्टील सिटी के उस समर्पण की प्रतीक है, जो समाज को केवल सेवा देने तक सीमित नहीं, बल्कि उसे स्वस्थ, सशक्त और जागरूक बनाने की दिशा में प्रतिबद्ध है।

कबड्डी समर कैंप का आयोजन, 55 बच्चे ले रहे हैं हिस्सा

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। बोकारो स्टील सिटी के सेक्टर 9 सी क्लब में बोकारो जिला कबड्डी एसोसिएशन की ओर से आज समर कैंप का आयोजन किया गया। यह समर कैंप लगभग 20 दिनों तक चलेगा। समर कैंप की शुरूआत भाजपा नेता सह बेहतर झारखंड के संस्थापक विवेक सिंह द्वारा कब्बड्डी मैदान में स्थित हनुमान मंदि मंदिर परिसर में पूजा एवं नारियल फोड़कर की गई। भाजपा नेता विवेक सिंह ने कहा कि खेल हमारे जीवन में एक बहुत ही महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यह हमलोगों को शिष्टाचार में रहने का पाठ सीखता है। उन्होंने कबड्डी संघ को धन्यवाद दिया और कहा कि जिस तरह से कबड्डी खेल से बच्चों में संस्कार भरे जा रहे हैं और निरंतर प्रतिवर्ष या कबड्डी बोकारो में एक अपना मुकाम हासिल करते हुए निरंतर आगे बढ़ रहा है इसके लिए उन्होंने कोच एवं बोकारो जिला कब्बड्डी संघ के सचिव मनोज कुमार शर्मा को धन्यवाद दिया और कहा कि इसी तरह इस निरंतर अपने कार्य में आगे बढ़ते रहे। इस बार समर कैंप में कुल 55 बच्चों ने भाग लिया। जिसमे 35 लड़के और 20 लड़कियों ने भाग लिया। यह समर कैंप 18 मई से 8 जून तक चलेगा। इस मौक पर विवेक सिंह, भाजपा नेता संस्थापक बेहतर झारखंड, विनोद कुमार, भाजपा युवा बोकारो जिला अध्यक्ष, कौशल किशोर, समाज सेवी बोकारो जिला कब्बड्डी संघ सचिव इत्यादि लोग मौजूद रहे।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक कमल किशोर द्वारा डी.बी. कॉर्प. लि. के लिए भास्कर प्रिंटिंग प्रेस, गोविंदपुर मेन रोड, अशोक नगर, केजी आश्रम, धनबाद (झारखंड) से मुद्रित तथा प्लांट नंबर-31, कॉपरेटिव कॉलोनी, बोकारो स्टील सिटी, जिला बोकारो (झारखंड) से प्रकाशित। संपादक कमल किशोर, नवबिहार टाइम्स (दैनिक), सत्येंद्र नगर, औरंगाबाद (बिहार), स्थानीय संपादक : मनोज विशाल
फोन नंबर- 9431145665 8210783623
आर.एन.आई. पंजीकरण संख्या : JHAHIN/2017/72655
E-mail- nbtimesbihar@gmail.com